THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 235 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **कार्तिक शु.1 2080 मंगलवार, 14 नवंबर-2023**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

सिर्फ 1 दिन में
10 लाख महंगा होगा

FIXED PRICE

TODAY OPEN

KEDIA
सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

82% SOLD OUT

BOOKING AMOUNT 10%

18% UNITS LEFT

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		आज की रेट	15 नवम्बर की रेट	पजेशन की रेट	पजेशन के बाद रेंटल
युनिट टाइप	साइज				POSSESSION DEC. 2025
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	49.50 LACS	54 LACS	67.50 LACS	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 LACS	60 LACS	75 LACS	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	60.50 LACS	66 LACS	82.50 LACS	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	66 LACS	72 LACS	90 LACS	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	77 LACS	84 LACS	105 LACS	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	110 LACS	120 LACS	150 LACS	50,000

KEDIA®
1800-120-2323
78770-72737
info@kedia.com
www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

कर्नाटक में एक महिला और उसके तीन बेटों की हत्या

कातिलों ने 12 साल के बच्चे को भी नहीं छोड़ा पुलिस जांच में जुटी

उडुपी एसपी डॉ अरुण का कहना है कि आरोपियों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

उडुपी, 13 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के उडुपी शहर में एक महिला समेत चार लोगों की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना तृप्ति नगर की है। पुलिस के मुताबिक, मरने वालों में हसीना और उनके तीन बेटे अफगान, ऐनाज, और 12 साल का असीम शामिल है।

हसीना तीनों बच्चों की मां हैं। हसीना की सास को भी चाकू से चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया और मामले की जांच की। इसके अलावा पुलिस स्निफर डॉग की मदद से कातिलों को ढूंढ रही है। कातिलों की संख्या तीन से ज्यादा हो सकती है

पुलिस का कहना है कि कातिलों की संख्या तीन से ज्यादा रही होगी। जब हत्याकांड को अंजाम दिया जा रहा था, तब एक बच्चा घर से बाहर खेल रहा था। जैसे ही 12 साल का बच्चा घर में दाखिल हुआ खून खराबा देखकर चीख उठा। कातिलो ने बच्चे को भी मौत के घाट उतार दिया।

दुश्मनी की वजह से हत्या होने की आशंका उडुपी एसपी डॉ अरुण ने कहा कि उनकी टीम मामले की जांच कर रही है। जल्द से जल्द आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

एसपी का कहना है कि पहली नजर में ऐसा लग रहा है, जैसे ये हत्याएं दुश्मनी निकालने के लिए की गई हैं। क्योंकि घर से कोई कीमती सामान गायब नहीं हुआ है। इसलिए संदेह है कि इस हत्या का कोई और मकसद था।

अमित शाह बोले-बेमिसाल एमपी को बेस्ट एमपी बनाएंगे

सिरोंज में कहा- कांग्रेस की खुद की गारंटी नहीं, वो क्या गारंटी देंगे

विदिशा, 13 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने विदिशा जिले के सिरोंज में कहा, बंटाढार ने मध्यप्रदेश को बीमारू राज्य बनाकर छोड़ा था। भाजपा ने 18 साल में बेमिसाल मध्यप्रदेश बनाया। बेमिसाल एमपी को बेस्ट एमपी बनाएंगे। कांग्रेस ने पांच गारंटी दी है। जिनकी खुद की कोई गारंटी नहीं है, वो क्या गारंटी देंगे भला।

सिरोंज में शाह के भाषण की खास बातें

कमलनाथ की मनषापुराण सरकार को प्रणाम: मनमोहन सरकार और कमलनाथ के मनषापुराण सरकार को प्रणाम करता हूं। एक ओर परिवारवाद पार्टी कांग्रेस है और दूसरी ओर मोदीजी की देश को सुरक्षित करने वाली भाजपा पार्टी है।

बेटों को मुख्यमंत्री बनाना है: कमलनाथ के मन में नकुलनाथ को मुख्यमंत्री, बंटाढार को भी बेटे को मुख्यमंत्री बनाना है। सोनिया गांधी को बेटे राहुल को प्रधानमंत्री बनाना है। ये अपने बेटे-बेटी के लिए काम करने वाले देश का क्या भला करेंगे?

मैं बनिया हूं, हिसाब लाया हूं: 10 साल तक केंद्र में यूपीए की सरकार चली। मध्यप्रदेश को कितना रुपया दिया गया? मैं तो बनिया हूं हिसाब लेकर आया हूं। इन्होंने 2004-14 तक 2 लाख करोड़ दिया। मोदीजी ने 9 साल में 6 लाख 35 हजार करोड़ रुपए दिए।

गरीबी नहीं, गरीबों को हटाया: कांग्रेस ने गरीबी हटाओ का नारा दिया। इन्होंने गरीबी तो नहीं हटाई, लेकिन गरीबों को हटाने का काम किया। मोदीजी ने गरीब कल्याण के लिए कदम उठाए।

कमल की सरकार बना दो: मोदीजी ने 21 हजार करोड़ रुपए किसानों के अकाउंट में भेजा। कमल की सरकार बना दो। साल का 12 हजार रुपए किसानों को देंगे। मोदीजी को फिर से प्रधानमंत्री बना दो पांच साल तक मुफ्त राशन मिलेगा।

अयोध्या के दर्शन कराएंगे: भाजपा सरकार जब बनेगी बारी-बारी से सभी को अयोध्या में राम लला के दर्शन कराएंगे। हमने तय किया है कि मध्यप्रदेश में 6 एक्सप्रेस वे बनाएंगे।

उत्तरकाशी टनल हादसा 24 घंटे से फंसे 40 मजदूर

प्लास्टर न होने से 50 मीटर का हिस्सा धंसा

उत्तरकाशी, 13 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में दीपावली के दिन सुबह 4 बजे एक निर्माणाधीन टनल धंस गई, जिसमें 40 मजदूर फंस गए। यह टनल ब्रह्मकमल और यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर सिल्क्यारा और डंडलगांव के बीच बनाई जा रही है। फंसे हुए मजदूर बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के रहने वाले हैं। सुरक्षा एजेंसियां फायर ब्रिगेड, नेशनल हाईवे के 200 से ज्यादा लोग पिछले 24 घंटे से रेस्क्यू ऑपरेशन में लगे हुए हैं।

उत्तरकाशी के सीओ प्रशांत कुमार ने सोमवार को बताया कि हम टनल के अंदर 15 मीटर तक जा चुके हैं और लगभग 35 मीटर और अंदर जाना है। देर रात तक मजदूरों से संपर्क हो गया। सभी मजदूर सुरक्षित हैं। उन्हें पाइप के जरिए ऑक्सीजन और खाना-पानी पहुंचाया जारहा है।

एनडीआरएफ के असिस्टेंट कमांडर करमवीर सिंह ने बताया- साढ़े 4 किलोमीटर लंबी और 14 मीटर चौड़ी इस टनल टनल के स्टार्टिंग पॉइंट से 200 मीटर तक प्लास्टर किया गया था। उससे आगे कोई प्लास्टर नहीं था, जिसकी वजह से ये हादसा हुआ। उम्मीद है कि आज शाम तक मजदूरों को निकाल लिया जाएगा।

ग्राफिक के जरिए जानिए कहां हुआ हादसा...

मलबा हटाने पर दोबारा धंस रही टनल

डिसट्रिक्ट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के मुताबिक, फंसे हुए मजदूरों को निकालने के लिए रास्ता तैयार किया जा रहा है। इसके लिए टनल के अंदर मलबे में ड्रेजिंग और ड्रिलिंग चल रही है। हालांकि मशीनों से जैसे ही मलबा हटाया जा रहा है, दोबारा वहां मिट्टी और पत्थर गिर रहे हैं। ऐसा अब तक दो-तीन बार हो चुका है।

मजदूरों से वॉकी-टॉकी से संपर्क

स्टेट डिजाजस्टर मैनेजमेंट के मुताबिक, टनल के अंदर झारखंड के 15, उत्तर प्रदेश के 8, ओडिशा के 5, बिहार के 4, पश्चिम बंगाल के 3, उत्तराखंड के 2, असम के 2 और हिमाचल प्रदेश का एक मजदूर शामिल है। मजदूरों से वॉकी-टॉकी से संपर्क किया जा रहा है।

क्यों बनाई जा रही सिल्क्यारा टनल

चार धाम रोड प्रोजेक्ट के तहत ये ऑल वेदर (हर मौसम में खुली रहने वाली) टनल बनाई जा रही है। इसके बनने के बाद उत्तरकाशी से यमुनोत्री धाम के बीच की दूरी 26 किमी तक कम हो जाएगी।

चारधाम यात्रा के मुख्य पड़ाव धरासू से यमुनोत्री नेशनल हाईवे शुरू होता है। यह हाईवे जानकीचट्टी पर खत्म होता है। धरासू से जानकीचट्टी की दूरी 106 किमी है। बीच में राड़ी टाप क्षेत्र पड़ता है।

हालांकि जब सर्दियों में बर्फबारी होती है तो राड़ी टाप क्षेत्र में यमुनोत्री हाईवे बंद हो जाता है। जिससे यमुना घाटी के तीन तहसील मुख्यालयों बड़कोट, पुरोला और मोरी का जिला मुख्यालय उत्तरकाशी से संपर्क कट जाता है। चारधाम यात्रा को सुगम बनाने और राड़ी टाप में बर्फबारी की समस्या से निजात पाने के लिए यहां ऑलवेदर रोड परियोजना के तहत डबल लेन सुरंग बनाने की योजना बनी।

पंजाब में घनी धुंध से 30 से ज्यादा गाड़ियां भिड़ी

एक मरा, 6 घायल; कम विजिबिलटी से अमृतसर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर 13 केएम में हादसे

खन्ना,13 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब में धुंध के कारण अमृतसर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर करीब 13 किलोमीटर एरिया में 30 से अधिक गाड़ियां भिड़ गईं। यह हादसे अलग-अलग जगह हुए। इनमें एक युवक की मौत हो गई। जबकि 6 लोग गंभीर घायल हुए हैं। इन्हें खन्ना के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार सुबह घनी धुंध थी। विजिबिलिटी बहुत कम थी। इसके कारण लुधियाना के खन्ना में एसएसपी दफ्तर से लेकर बीजा तक करीब 13 किलोमीटर एरिया में कई जगह गाड़ियां भिड़ गई। एसएसपी दफ्तर के पास ज्यादा गाड़ियां भिड़ी। धुंध के कारण अमृतसर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर सुबह के वक्त हादसे हुए। ट्रक और ट्रैक्टर के साथ टक्कर होने से कारों के परखच्चे उड़ गए हैं। धुंध के कारण अमृतसर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर सुबह के वक्त हादसे हुए। ट्रक और ट्रैक्टर के साथ टक्कर होने से कारों के परखच्चे उड़ गए हैं।

बसों से लेकर ट्रक और कारें शामिल नेशनल हाईवे पर हुए हादसों में 3 से 4 बसों से लेकर ट्रक, ट्राले और कारें आपस में भिड़ी हैं। बसों में सवार लोगों को हल्की चोटें आई हैं। जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया है। इन हादसों कारों की संख्या ज्यादा है। जिन्हें काफी नुकसान पहुंचा है। वहीं जो कुछ बसों का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है।

इस दौरान ग्रीनलैंड होटल के पास हादसा हुआ। यहां भी एक दर्जन के करीब गाड़ियां भिड़ गईं। इस जगह पर सरहिंद के रहने वाले एक युवक की मौत हो गई। यहां से थोड़ी दूर गुलजार कॉलेज लिबड़ा के पास कई गाड़ियां भिड़ी।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की बुआ का निधन

कुल्लू पहुंचे जेपी नड्डा; 104 साल की उम्र में ली अंतिम सांस, बिलासपुर में होगा संस्कार

कुल्लू,13 नवंबर(एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की बुआ गंगा देवी का 104 साल की उम्र में निधन हो गया। गंगा देवी ने हिमाचल के कुल्लू स्थित शास्त्री नगर में आज सुबह आखिरी सांस ली। बुआ की अंतिम शव यात्रा में शामिल होने के लिए जेपी नड्डा भी दोपहर के डेढ़ बजे कुल्लू पहुंचे।

अब गंगा देवी का शव कुल्लू से बिलासपुर ले जाया जाएगा। उनका अंतिम संस्कार बिलासपुर के औहर श्मशान घाट में होगा। गंगा देवी के निधन के बाद उनके आवास पर सुबह से ही रिश्तेदारों का आना-जाना शुरू हो गया है।

गंगा देवी रिश्ते में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा की बुआ लगती थी। जब भी नड्डा कुल्लू दौरे पर आते हैं तो वह अपनी बुआ से मिलने जरूर जाते थे और यहां कई बार रात्रि विश्राम करते रहे हैं।

निधन पर शोक जताया

इस दुखद घड़ी में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल, शांता कुमार, क्षेत्रीय प्रभारी सौदान सिंह, प्रदेश प्रभारी अविनाश राय खन्ना, सह प्रभारी संजय टंडन, महामंत्री बिहारी लाल शर्मा, डॉ सिकंदर कुमार, त्रिलोक कपूर, पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर, अपनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक लोकेंद्र कुमार सहित भाजपा नेताओं ने दुख व्यक्त किया है।

मोदी ने 10वीं बार जवानों के बीच दीपावली मनाई

हिमाचल के लेपचा में बोले- जहां भारतीय सेना, वो स्थान मंदिर से कम नहीं

श्रीनगर,13 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश, चीन से 260 किमी लंबा बॉर्डर शेयर करता है। इसमें से 140 किमी का हिस्सा किन्नौर और 80 किमी लाहौल-स्पीति जिले में है। यहां चीनी सीमा पर भारत की 20 पोस्ट हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार 10वें साल जवानों के साथ दीपावली मनाई। मोदी ने रविवार को एक्स पर लिखा- बहादुर जवानों के साथ दीपावली मनाने के लिए हिमाचल प्रदेश के लेपचा आया हूं। यहां उन्होंने कहा कि जहां भारतीय सेना तैनात है, वो स्थान किसी मंदिर से कम नहीं है। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले में स्थित लेपचा चेकपोस्ट चीनी सरहद से करीब 2 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थित है। इस पोस्ट में फ्रंटलाइन पर इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस और आर्मी के जवान तैनात हैं।

इस चेक पोस्ट से नीचे की तरफ चीनी गांव है। यहां चीनी फौज तैनात हैं। हिमाचल प्रदेश, चीन से 260 किमी लंबा बॉर्डर शेयर करता है। इसमें से 140 किमी का हिस्सा किन्नौर और 80 किमी लाहौल-स्पीति जिले में है। यहां चीनी सीमा पर भारत की 20 पोस्ट हैं।

प्रधानमंत्री ने रविवार को देशवासियों को दीपावली की बधाई देते हुए एक्स पर लिखा- देश के अपने सभी परिवारजनों को दीपावली की ढेरों शुभकामनाएं। 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी अपनी पहली दीपावली मनाने सियाचिन गए थे।

मैं हर साल जवानों के साथ ही दीपावली मनाता हूं। जब आप लोगों (जवानों) के साथ दीपावली मना रहा हूं तो देशवासियों को दी गई बधाई भी स्पेशल हो जाती है।

पिछले 30-35 सालों से जब मैं आप लोगों के साथ नहीं था, तब मैंने कोई दीपावली नहीं मनाई। जब मैं पीएम या सीएम नहीं था, तब भी बॉर्डर पर आप (जवानों) के बीच जाकर दीपावली उत्सव में शामिल होता था।

कहा जाता है कि पर्व वहीं होता है, जहां परिवार होता है। पर्व के दिन परिवार से दूर रहना अपने आप में कर्तव्यनिष्ठा की पराकाष्ठा है। इसके बावजूद आपके उत्साह में कोई कमी नहीं है। देश के जवान ऊर्जा से भरे हुए हैं। देश आप जवानों का कृतज्ञ है। 140 करोड़ देशवासियों का परिवार भी आपका अपना ही है। इसलिए दीपावली पर घर-घर में एक दीया आपकी सलामती के लिए भी जल रहा है। हर पूजा में एक प्रार्थना आप जैसे वीरों के लिए भी होती है। कहा गया है कि अवध तहां, जहां रमा निवासू। मेरे लिए जहां भारतीय सेना है, जहां सुरक्षाबल तैनात हैं, वो स्थान किसी मंदिर से कम नहीं है।

मरीज ने खोली अवैध शराब बेचने वाले रैकेट की पोल

हरियाणा में घर-घर सेल, रेट 20 रुपए, अंबाला-यमुनानगर में 19 की मौत

अंबाला, 13 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में जहरीली शराब से होने वाली मौत का तांडव देख पुलिस सख्त हो गई है। डीजीपी शत्रुजीत कपूर की मीटिंग के बाद हरियाणा पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचने वालों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। शनिवार से ही प्रदेशभर में ताबड़तोड़ छापेमारी हो रही है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रदेशभर में 210 लोगों को अवैध रूप से शराब बेचते हुए काबू किया है।

वहीं,अंबाला और यमुनानगर में जहरीली शराब पीने से 19 लोगों की मौत होने के बाद खुद डीजीपी कपूर और एडीजीपी एस चावला खुद पल-पल की अपडेट ले रहे हैं। शनिवार शाम को एडीजीपी ने अंबाला की अवैध फैक्ट्री का निरीक्षण किया था।

अंबाला पुलिस का कहना है कि रविवार को कोई मौत नहीं हुई है, जल्द ही पुलिस इस मामले में बड़ा खुलासा कर सकती है। अंबाला पुलिस के मुताबिक, अवैध फैक्ट्री में तैयार हुई शराब की 200 पेटी यमुनानगर में ही सप्लाई हुई थी।

जहरीली शराब पीने वाले यमुनानगर के गांव सारन निवासी पृथ्वीराज (40) को अंबाला कैंट के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में भर्ती पृथ्वी राज ने पोल खोलते हुए कहा कि ठेकों पर महंगी व बाहर अवैध रूप से बिक रही वही शराब सस्ती मिल रही थी।

मुनाफे के चक्कर में घर-घर शराब बेची जा रही थी। दावा किया कि हर मोहल्ले में दो से तीन घरों में शराब मिल जाएगी। यहीं कारण है कि अवैध शराब बेचने का काम काफी फल-फूल रहा था। गांव में जहरीली शराब से 5 लोगों की मौत हो चुकी है। एक साथ कई-कई चिता जलना ऐसा मंजर पहली बार देखा। गांव में मातम पसरा हुआ है।

20 रुपए में मिल जाती थी शराब

पृथ्वी राज ने बताया कि उसने भी ठेके से देसी शराब लेकर पी थी और उसकी तबीयत बिगड़ गई। घर-घर में बिकने वाली शराब 20 से लेकर कितने की भी मिल जाती थी। उसने 5 दिन पहले ही देसी शराब के ठेके से शराब का पव्वा खरीदा था, जिसे पीने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ी थी।

पृथ्वी राज को उल्टी लगने के साथ-साथ आंखों के आगे अंधेरा छाने जैसी दिक्कतें शुरू हुई थी। यमुनानगर के थाना छप्पर पुलिस ड्यूटी मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज करेगी। हरियाणा के अंबाला और यमुनानगर में अभी तक जहरीली शराब पीने से 19 लोग दम तोड़ चुके हैं। यमुनानगर में चौथे दिन शनिवार को भी 3 लोगों की मौत हुई थी। अंबाला में जान गंवाने वाले दोनों युवक यूपी के थे, जो अवैध फैक्ट्री पर ही शराब बनाते थे।

अमृतसर में 2 ड्रग स्मगलर गिरफ्तार

हेरोइन की खेप उठाने गांव में छिपे थे; पाकिस्तान में बैठे साथियों ने ड्रोन से भेजा नशा

अमृतसर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स और पंजाब पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन जला कर दो तस्करों को काबू करने में सफलता हासिल की है। ये तस्कर भारत-पाकिस्तान इंटरनेशनल बॉर्डर पर खेप उठाने के लिए पहुंचे थे। बीएसएफ ने अमृतसर बॉर्डर पर हेरोइन की खेप जब्त की थी। जिसके बाद ही इस सर्च अभियान को शुरू किया गया था।

बीएसएफ को ये सफलता उधर धारीवाल पुलिस स्टेशन लोपोके में मिली। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार जवानों ने एक पाकिस्तानी ड्रोन की मूवमेंट देखी थी। इस ड्रोन ने पीली टेप में लिपटा हुआ एक पैकेट फेंका था। जिसका कुल वजन 540 ग्राम आका गया। बीएसएफ ने हेरोइन को जब्त करके जांच के लिए भेज दिया। सफलता के बाद सर्च किया शुरू

खेप को जब्त करने के बाद बीएसएफ व पंजाब पुलिस ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। गांव उधर धारीवाल में सरहद के करीब एक घर में दो संदिग्ध मिले। बीएसएफ व पंजाब पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया। इन दोनों से एक मोटरसाइकिल भी बरामद किया गया।

शुरुआती जांच में पता चला कि आरोपी सरहद पर खेप उठाने के लिए आए थे, लेकिन उससे पहले ही वे बीएसएफ के हत्थे चढ़ गए।

दिवाली की रात आईएएस अफसर के घर चली गोली

चंडीगढ़ के सेक्टर-24 में पंजाब कैडर के अधिकारी वीरेंद्र शर्मा की कोठी पर अज्ञात हमलावरों ने की फायरिंग

चंडीगढ़,13 नवंबर (एजेंसियां)। दिवाली की रात चंडीगढ़ के सेक्टर 24 में पंजाब कैडर के आईएएस अफसर की सरकारी कोठी पर बदमाशों ने गोली चलाई। ये गोली कोठी के एक कमरे की खिड़की पर लगी जिसे प्लाई लगाकर बंद किया गया था। गोली की वजह से प्लाई के आर-पार छेद हो गया। दिवाली की रात पंजाब कैडर के एक आईएएस अधिकारी के घर पर गोली चलाई गई। ये घटना चंडीगढ़ के सेक्टर 24 में रहने वाले आईएएस अफसर वीरेंद्र कुमार शर्मा के घर हुई। उनकी सरकारी कोठी पर गोली अज्ञात हमलावरों ने चलाई।

घटना के समय वीरेंद्र कुमार शर्मा अपने पूरे परिवार के साथ घर पर ही मौजूद थे। इस फायरिंग में किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ। वीरेंद्र कुमार शर्मा पंजाब सरकार के स्वास्थ्य विभाग में तैनात हैं और इन दिनों उनकी पोस्टिंग चंडीगढ़ में ही है।

चंडीगढ़ पुलिस के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पंजाब के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी वीरेंद्र कुमार शर्मा दिवाली की रात चंडीगढ़ में अपनी सरकारी कोठी में पूजा करने के बाद परिवार के सदस्यों के साथ बैठे थे। उसी समय सड़क से अज्ञात बदमाशों की तरफ से उनके घर पर फायरिंग की गई।

बदमाशों की ओर से चलाई गई गोली वीरेंद्र कुमार शर्मा की कोठी के एक कमरे की खिड़की पर लगी जिसे प्लाई लगाकर बंद किया गया था। गोली प्लाई में ही अटक जाने के कारण कोई नुकसान नहीं हुआ। हालांकि गोली की वजह से प्लाई के आरपार छेद हो गया।

इस घटना के बाद वीरेंद्र कुमार शर्मा ने खुद रात साढ़े 11 बजे चंडीगढ़ पुलिस को इसकी सूचना दी। मामला वरिष्ठ सरकारी नौकरशाह से जुड़ा होने के कारण रात में ही चंडीगढ़ पुलिस के डीसीपी क्राइम उदयभान सिंह, सेक्टर-11 थाने के एसएचओ और सेक्टर 24 की चौकी के इंचार्ज मौके पर पहुंच गए।

फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया जिसने मौके से गोली का एक खाली खोल बरामद कर लिया। पुलिस इस मामले में अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर रही है।

नीलगिरी जिले में तेंदुए का हमला

घटना में छह लोग घायल, कुत्ते का पीछा करते हुए तेंदुआ घर में घुसा था

चेन्नई, 13 नवंबर (एजेंसियां)। दिवाली के दिन तमिलनाडु के नीलगिरी जिले में तेंदुए ने हमला कर दिया। पालतू कुत्ते का पीछा करते हुए जंगल से निकला एक तेंदुआ एक घर में घुस गया। पता चलते ही निवासियों ने कुन्नूर वन विभाग और अग्नि बचाव दल को सूचना दी। हालांकि इससे पहले ही तेंदुआ दो लोगों पर हमला कर चुका था। बचाव करने गए वन विभाग के लोगों पर भी तेंदुए ने हमला किया। घटना को रिकॉर्ड कर रहा एक पत्रकार भी इसमें घायल हो गया। वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि तेंदुआ अभी भी घर के अंदर है, टीम का तेंदुए को पकड़ने का ऑपरेशन जारी है। हाल ही में नीलगिरी जिले के कुन्नूर क्षेत्र की शहर सीमा के भीतर कई तेंदुए देखे गए हैं।

पाकिस्तान से हथियार तस्करी में एनआईए की कार्रवाई

स्पेशल कोर्ट में तस्कर के खिलाफ चार्जशीट दायर; 5 पिस्टल, 91 जिंदा कारतूस किए जब्त

अमृतसर,13 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान से हथियार तस्करी के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आरोपी के खिलाफ मोहाली की विशेष कोर्ट में आरोप पत्र दायर किया था।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पंजाब के गुरदासपुर जिले के सीमावर्ती इलाकों में ड्रोन के माध्यम से हथियारों और गोला-बारूद की सीमा पार तस्करी से जुड़े मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ चार्जशीट दायर की गई है। एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा कि मलकीत सिंह उर्फ पिस्तौल के खिलाफ आरोप पत्र पंजाब के मोहाली में एनआईए की विशेष अदालत में दायर किया गया था। बीएसएफ के जवानों द्वारा ऑस्ट्रिया निर्मित पांच पिस्तौल, 10 मैगजीन और 91 जिंदा कारतूस सहित गोला-बारूद को जब्त किया था। 24 मार्च को बटाला के डेरा बाबा नानक पुलिस स्टेशन में मामला शुरू में दर्ज किया गया था। प्रवक्ता ने कहा कि 8 अगस्त को एनआईए ने ये मामला अपने हाथों में ले लिया। एनआईए ने आर्म्स एक्ट, एयरक्राफ्ट एक्ट व यूएपीए के अंतर्गत मामला दर्ज किया। अधिकारी का कहना है कि जांच में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन खालिस्तान लिबरेशन फोर्स के सदस्यों और पाकिस्तान स्थित व्यक्तियों के बीच संबंधों का पता चला है। एनआईए प्रवक्ता के अनुसार "इस आतंकी नेटवर्क में पहचाने गए आरोपियों में मलकीत सिंह, तरणजोत सिंह उर्फ 'तन्ना' और गुरजीत सिंह शामिल हैं। इसके अलावा, यह पाया गया कि ये संचालक पाकिस्तानी ड्रग तस्करों, रहमत अली उर्फ 'मियां', पाकिस्तान स्थित केएलएफ और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन के प्रमुख लखबीर सिंह रोडे उर्फ 'बाबाजी' और रणजोत सिंह के साथ सीधे संपर्क में थे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 235 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.1 2080 मंगलवार, 14 नवंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

नामपल्ली में भीषण अग्नि दुर्घटना

9 लोगों की मौत व 12 घायल, सीएम ने जताया दुःख

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर के बीचोबीच नामपल्ली के बाजारघाट इलाके में सोमवार को एक बहुमंजिला इमारत में भीषण आग लगने की घटना से नौ लोगों की मौत हो गई। आग ग्राउंड फ्लोर पर रखे केमिकल्स ड्रम में लगी, जो ऊपरी मंजिलों तक फैल गई। दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। अग्निशमन सेवाओं और आपदा प्रतिक्रिया बल के कर्मियों ने 21 लोगों को बचाया और उन्हें अस्पताल पहुंचाया। दूसरी मंजिल पर रहने वाले सात लोगों और तीसरी मंजिल पर रहने वाले दो लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। धुआं पूरी इमारत में फैल गया था। अग्नि सुरक्षा निदेशक नागी रेड्डी ने मीडियाकर्मियों को बताया कि बचाए गए लोगों में से 10 बेहोशी की हालत में थे। उन्होंने कहा कि कूलरों की फाइबर बॉडी बनाने में इस्तेमाल होने वाला केमिकल आवासीय क्षेत्र में इमारत में संग्रहीत किया गया था। उन्होंने कहा कि संभावना है कि आग केमिकल के कारण लगी और ऊपरी मंजिल तक फैल गई। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच हो रही है। पुलिस उपायुक्त वेंकटेश्वरलू ने कहा कि आग एक कार में चिंगारी से लगी। कार की मरम्मत ग्राउंड फ्लोर पर की जा रही थी। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि ऊपरी मंजिलों पर धुआं फैलने से 9 लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। मृतकों में छह लोग एक ही परिवार के थे। हादसे में मारी गईं बीडीएस डॉक्टर ताहुरा फरहीन रविवार को छुट्टी होने के कारण अपने दो बच्चों के साथ अपने माता-पिता के घर आई थीं। सुबह हुए हादसे में फरहीन समेत उसके दो बच्चों की जान चली गई। अपार्टमेंट के निवासी और कई कर्मचारी आग में फंस गए। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान मोहम्मद आजम (54), रेहाना सुल्ताना (50), फैजा समीन (26), ताहुरा फरहीन (35), तूबा (6), तारूबा (13), मोहम्मद जकीर हुसैन (66), हसीब-उर-रहमान (32) और निकथ सुल्ताना (55) के रूप में हुई है।

पहली, दूसरी और तीसरी मंजिल पर छह फ्लैटों में छह परिवार रहते थे। चौथी मंजिल पर कोई नहीं था। अधिकारियों का कहना है कि चूंकि इमारत हाई राइज कैटगरी में नहीं आती है, इसलिए इसके पास निर्माण की अनुमति थी। हालांकि, केमिकल अवैध रूप से संग्रहित किया गया था। अग्नि सुरक्षा निदेशक ने कहा कि आग कथित तौर पर सुबह 8.30 बजे के आसपास लगी, लेकिन अग्निशमन सेवाओं को सुबह 9.35 बजे कॉल मिली। घायलों को उस्मानिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज किया जा रहा है। एनडीआरएफ और जीएचएमसी के जवान घटना स्थल पर बचाव कार्य जारी रखे हुए हैं। घर का मालिक रमेश फिलहाल फरार है।

नामपल्ली के बाजारघाट इलाके में लगी भीषण आग के बाद राख हुए वाहन व अन्य सामान ।

तेलंगाना सरकार ने की मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये अनुग्रह राशि देने की घोषणा

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने सोमवार को नामपल्ली के बाजार घाट में भीषण आग दुर्घटना में पीड़ितों के परिजनों को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। नगर निगम प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामाराव ने मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के साथ घटनास्थल का दौरा किया और बचाव अभियान कर्मचारियों से घटना का विवरण मांगा। मंत्री केटीआर ने कहा कि घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और मृतकों के परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए केटीआर ने कहा कि घटना की जांच के बाद घटना का कारण पता चलेगा।

उधर, केंद्रीय मंत्री और राज्य भाजपा अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी, कांग्रेस नेता वी. हनुमंत राव और फ़िरोज़ खान ने घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार की लापरवाही के कारण ऐसी घटनाएं हो रही हैं।

सीएम केसीआर ने अग्निकांड पर जताया दुःख

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने सोमवार को हैदराबाद के नामपल्ली में बाजारघाट के पास एक गोदाम में आग लगने की घटना पर दुःख व्यक्त किया। उन्होंने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों से घटना में घायल हुए लोगों को यथासंभव सर्वोत्तम इलाज मुहैया कराने को कहा। वह यह भी चाहते थे कि वे लगातार अपनी स्थिति की निगरानी करें और उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए तत्काल उपाय करें।

एमपी को कांग्रेस से बचाएं : मोदी

वे आलू से सोना बनाने का वादा करते हैं राजस्थान में सिर तन से जुदा के नारे लगे

बड़वानी, 13 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़वानी की चुनावी सभा में कहा, कांग्रेस जैसे-तैसे कुर्सी पाने के लिए मध्यप्रदेश के लोगों से सोने का महल बनाने का भी वादा कर सकती है। सोने का महल देने का वादा करेंगे और फिर कहेंगे कि आलू से सोना निकालूंगा, फिर बनाऊंगा।

राजस्थान में 5 साल में क्या-क्या नहीं हुआ? हम कल्पना भी कर सकते थे कि भारत में हम कभी सिर तन से जुदा, के नारे सुनेंगे। लेकिन, कांग्रेस के कुशासन में वीर धरा राजस्थान में कैमरे के सामने यह हुआ। हमें राजस्थान के साथ एमपी को भी बचाना है। पीएम ने कहा, मैं परसों (15 नवंबर) झारखंड में भगवान बिरसा मुंडा के गांव जा रहा हूं। वहां से पूरे देश के आदिवासी समाज के लिए बहुत बड़ी योजना की शुरूआत होने वाली है।

लिख लीजिए, आपसे किए सारे वादे पूरे होंगे

एमपी भाजपा का संकल्प पत्र मध्यप्रदेश को नई ऊंचाई पर ले जाएगा। गरीबों को मजबूत करेगा। ये भाजपा का ट्रैक रिकॉर्ड है कि भाजपा जो कहती है, वो करके दिखाती है। आप लिखकर रख लीजिए, आपसे किए हुए सारे वादे पूरे होंगे और ये मोदी की गारंटी है।

कांग्रेस सरकार में समृद्ध राज्य भी संकट में घिर गए

कांग्रेस के नेता मध्यप्रदेश को अंधेरे कुएं में धकेलने के जिम्मेदार हैं। भाजपा एमपी को अंधकार से बाहर निकालकर लाई। जहां-जहां से कांग्रेस साफ हुई है, वहां खुशहाली आई है और जहां-जहां कांग्रेस की फिर सरकार बनी है, वहां समृद्ध राज्य भी संकट में घिर गए हैं।

कांग्रेस अपनी खाली तिजोरी भरना चाहती है

आजकल मध्यप्रदेश में एक और नारा गूंज रहा है। यह नारा है- कांग्रेस आई, तबाही लाई। कांग्रेस अपनी खाली तिजोरी भरने के लिए एमपी पर कब्जा जमाना चाहती है। आप छत्तीसगढ़ और राजस्थान में देखिए, कैसे कांग्रेस की काली कमाई से कमाए गए नोटों के ढेर हर रोज निकल रहे हैं।

ट्रैक रिकॉर्ड के कारण कांग्रेस पर भरोसा नहीं

कांग्रेस की बातों और वादों पर आज कोई भरोसा नहीं कर रहा है। इसका कारण है इनका ट्रैक रिकॉर्ड। कांग्रेस ने 60 साल तक पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक सरकार चलाई, लेकिन इस दौरान कांग्रेस ने आदिवासियों का न विकास किया और न ही मान-सम्मान दिया।

भारत-पाक सरहद पर 'त्रिशक्ति प्रहार' शुरू

13 दिन चलेगा तीनों सेनाओं का संयुक्त युद्धाभ्यास, नए हथियारों को परखेंगे 30 हजार सैनिक

जैसलमेर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास सोमवार को तीनों सेनाओं का संयुक्त युद्धाभ्यास 'त्रिशक्ति प्रहार' शुरू हुआ। जैसलमेर के रेगिस्तान में 13 दिन तक चलने वाले युद्धाभ्यास में आर्मी, एयरफोर्स और नेवी के करीब 30 हजार सैनिक हिस्सा ले रहे हैं। इसमें तीनों सेनाएं आपस में तालमेल स्थापित करते हुए अभ्यास कर रही हैं। 'त्रिशक्ति प्रहार' में भारतीय सेना अपनी नई टेक्नोलॉजी को भी परखेगी।

नए हथियारों की होगी टेस्टिंग

सैन्य सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को देखते हुए नई रणनीति के तहत अभ्यास किया जा रहा है, जिसमें नए हथियारों की टेस्टिंग भी की जाएगी। आर्मी के टी-90 एस और अर्जुन टैंक, हॉवित्जर, हेलिकॉप्टर और अन्य हथियार शामिल हैं। लड़ाकू विमान, अटैक हेलिकॉप्टर अपाचे, हेवी-लिफ्ट हेलिकॉप्टर और नेवी के विभिन्न विमान भी भाग लेंगे।

आर्थिक अपराध के आरोपियों को हथकड़ी नहीं लगे

संसदीय समिति का प्रस्ताव- इन्हें जेल में रेप-मर्डर के अपराधियों के साथ नहीं रखें

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। गृह मामलों की संसदीय स्थाई समिति ने प्रस्ताव रखा है कि आर्थिक अपराध के आरोपियों को हथकड़ी ना लगाई जाए। साथ ही इन आरोपियों को जेल में जघन्य अपराधियों (रेप-मर्डर करने वाले) के साथ ना रखा जाए।

गृह मामलों की इस संसदीय स्थाई समिति के अध्यक्ष भाजपा सांसद बृज लाल हैं। समिति ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में आरोपी के पुलिस कस्टडी में पहले 15 दिन रहने के दौरान कुछ बदलावों की सिफारिश की है।

लोकसभा में 11 अगस्त को गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस-2023), भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस-2023) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए-2023) इन तीन बिलों को पेश किया था। ये तीनों बिल कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसीजर एक्ट (सीआरपीसी) 1898, इंडियन पीनल कोड (आईपीसी) 1860 और इंडियन एविडेंस एक्ट 1872 का स्थान लेंगे।

संसदीय समिति का मानना है कि हथकड़ी को कुछ खास तरह के जघन्य अपराधियों के लिए इस्तेमाल करना चाहिए, ताकि वे भागें नहीं और गिरफ्तारी के दौरान पुलिस अफसर सुरक्षित रहें। समिति को ये भी लगता है कि आर्थिक अपराधों के आरोपी जघन्य अपराधियों की कैटेगरी में नहीं आते। दरअसल, आर्थिक अपराध में अपराधों की एक लंबी श्रृंखला शामिल है, जिसमें छोटे से लेकर गंभीर अपराध तक शामिल हैं। और इसलिए इस श्रेणी के अंतर्गत आने वाले सभी मामलों में हथकड़ी लगाना सही नहीं हो सकता।

हथकड़ी किसे लगेगी, यह बीएनएसएस के क्लॉज 43(3) में बताया गया है। संसदीय समिति का सुझाव है कि क्लॉज 43(3) में या तो बदलाव हो या इससे आर्थिक अपराध शब्द हटा दिया जाए। बीएनएसएस के क्लॉज 43(3) में ये भी कहा गया है, किसी भी पुलिस अफसर को अपराध की प्रकृति और उसकी गंभीरता का पता होता है। इसी आधार पर वो हथकड़ी का इस्तेमाल करता है। पुलिस यह देखती है कि क्या अपराधी में भागने की प्रवृत्ति रही है, क्या वह ऑर्गनाइज्ड क्राइम, आतंकी गतिविधि, रेप-मर्डर, मानव तस्करी जैसे संगीन तो नहीं करता रहा है?

सरकार की ओर से कहा गया था कि 18 राज्यों, 6 केंद्र शासित प्रदेशों, सुप्रीम कोर्ट, 22 हाई कोर्ट, न्यायिक संस्थाओं, 142 सांसदों और 270 विधायकों के अलावा जनता ने भी इन विधेयकों को लेकर सुझाव दिए हैं।

विजयेंद्र को कर्नाटक चीफ बना भाजपा ने चला 2024 वाला दांव

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। चुनाव से पहले वह सबकुछ दुरुस्त कर लेना चाहती है। यही कारण है कि उसने कई राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष के चेहरे बदले हैं। अब ऐसा ही एक और बदलाव कर्नाटक में होने जा रहा है। पहली बार विधायक बने बीवाई विजयेंद्र 15 नवंबर को बीजेपी कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष का पद संभालेंगे। विजयेंद्र बीजेपी के दिग्गज नेता बीएस येदियुरप्पा के छोटे बेटे हैं। पार्टी ने 48 वर्षीय नेता की लोकप्रियता दिखाने के लिए अगले दिन बेंगलुरू पैलेस में कार्यकर्ता रैली का आयोजन किया है। विजयेंद्र को कांग्रेस के डीके शिवकुमार के मजबूत प्रतिद्वंद्वी के तौर पर देखा जाता है।

इसके पहले जुलाई में बीजेपी ने झारखंड में पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी को प्रदेश पार्टी प्रमुख की भूमिका सौंपी थी। इसी तरह का बदलाव बीजेपी बिहार में भी कर चुकी है। मार्च में केंद्रीय नेतृत्व ने सम्राट चौधरी को बिहार बीजेपी की कमान सौंपी थी। प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपने में बीजेपी ने कई चीजों का ध्यान रखा है। इसमें जातिगत समीकरण अव्वल है।

बीजेपी ने विजयेंद्र को क्यों चुना

विजयेंद्र को कर्नाटक बीजेपी चीफ बनाना बीजेपी की 2024 लोकसभा चुनाव की रणनीति का हिस्सा है। पार्टी में कई लोगों का मानना है कि मई में हुए विधानसभा चुनाव में उसका 104 सीटों से घटकर 66 सीटों पर आने की बड़ी वजह थी। कई लिंगायत मतदाता दो साल पहले येदियुरप्पा को सीएम पद से हटाने के तरीके से नाराज थे। दूसरी ओर वोक्कालिगाओं ने शिवकुमार के सीएम बनने की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए कांग्रेस को वोट दिया। उन्होंने इस प्रक्रिया में जेडीएस को छोड़ दिया था। कर्नाटक में वोक्कालिगा और लिंगायत दो प्रमुख समुदाय हैं। येदियुरप्पा लिंगायत समुदाय का बड़ा चेहरा हैं।

>14

राहुल बोले- तोमर के बेटे पर कार्रवाई क्यों नहीं?

नीमच/हरदा, 13 नवंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने सोमवार को टिमरनी (हरदा) की चुनावी सभा में कहा, तोमर का बेटा खुलेआम, बिना किसी डर के आपका पैसा चोरी कर रहा है। क्या पीएम मोदी ने मंत्री के बेटे पर कोई कार्रवाई की? उसके पीछे ईडी, सीबीआई, आईटी लगाई? इससे पहले जावद (नीमच) में दावा करते हुए कहा, मध्यप्रदेश में कांग्रेस स्वीप करने जा रही है। भारी बहुमत से हमारी सरकार आएगी।

50 प्रतिशत कमीशन सरकार ने घोटालों पर इंक्वायरी नहीं की :

एमपी में 50 प्रतिशत कमीशन सरकार चल रही है। महाकाल कॉरिडोर में चोरी की। व्यापमं, पटवारी, एमबीबीएस सीट बिकने में कोई इंक्वायरी नहीं की। मध्यप्रदेश में भाजपा नेता आदिवासी पर पेशाब करता है।

भाजपा की सरकारें अडाणी जैसे उद्योगपतियों के लिए चलाई जाती हैं। इसलिए पीएम मोदी और शिवराज सिंह चौहान ने रोजगार देने वाले छोटे दुकानदारों और व्यापारियों को खत्म कर दिया है। हमने 27 लाख किसानों का कर्ज माफ किया, तभी भाजपा और बड़े-बड़े उद्योगपतियों ने आपकी सरकार आपसे चोरी कर ली।

>14

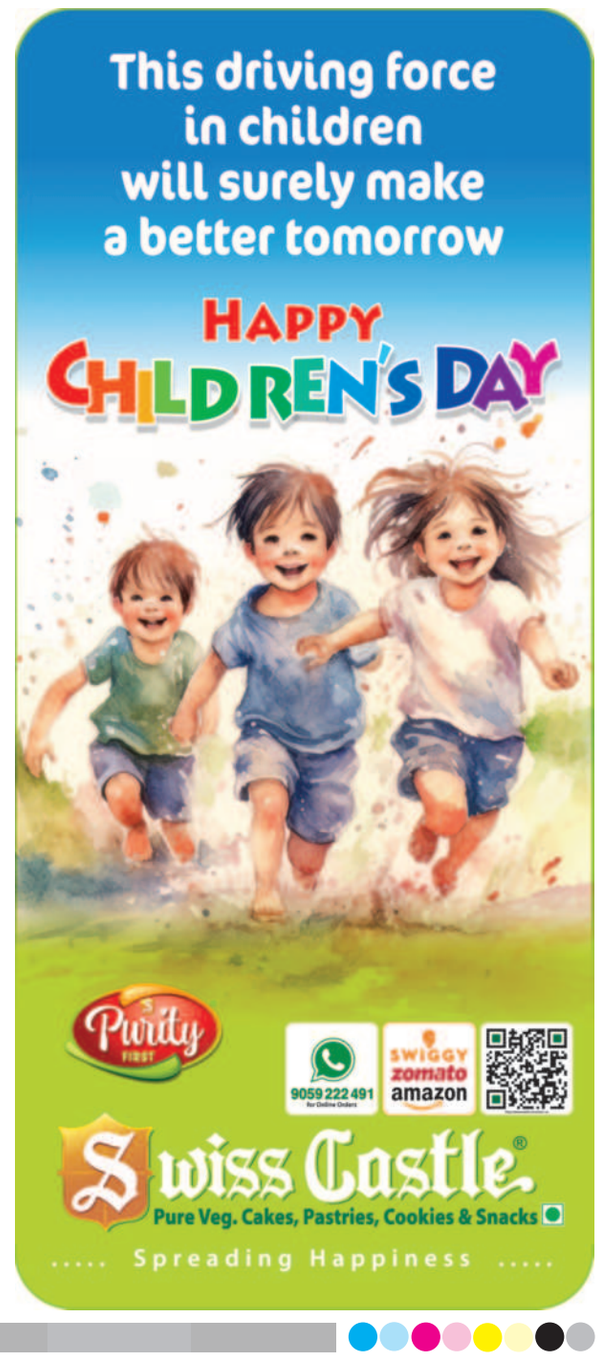

यह पूरी तरह से फर्जी है,

शरद पवार को ओबीसी बताने वाले पत्र पर सुप्रिया सुले ने कही यह बात

पुणे, 13 नवंबर (एजेंसियां)। एनसीपी प्रमुख शरद पवार के जुड़े कथित जाति प्रमाण पत्र को लेकर बवाल हो रहा है। इसी बीच एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने उनकी जाति को ओबीसी बताने वाले प्रमाण पत्र को फर्जी करार दिया। बता दें शरद पवार से जुड़ा एक फर्जी ओबीसी जाति प्रमाण पत्र वायरल हो रहा था। मराठा आरक्षण विवाद के बीच यह दावा किया जा रहा है कि शरद पवार ओबीसी जाति से ताल्लुक रखते हैं।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान सुप्रिया सुले ने कहा, आजकल इस तरह के फर्जी प्रमाण पत्र जमकर वायरल हो रहे हैं। शरद पवार से जुड़ा यह पत्र पूरी तरह से फर्जी है। सुले ने कहा, उन्हें संदेह है कि जब शरद पवार स्कूल में थे तब मार्कशीट और स्कूल छोड़ने के प्रमाणपत्र भी अंग्रेजी में छपते थे या नहीं।

बीते शनिवार को बारामती में एक कार्यक्रम में शरद पवार शारीरिक रूप से असहज दिखे, जिसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की

सलाह दी है। सुले ने कहा, शरद पवार थोड़ा अस्वस्थ थे। डॉक्टरों ने उनकी जांच की है। मुझे लगता है कि लोगों की दुआओं और प्रेम के कारण उनके स्वास्थ्य में सुधार आने लगा है।

वहीं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के पारिवारिक दिवाली समारोह का हिस्सा बनने पर सुप्रिया सुले ने कहा, शरद पवार और अजित गुट के बीच दरार राजनीतिक है, व्यक्तिगत नहीं। उन्होंने कहा, शरद पवार और वरिष्ठ भाजपा नेताओं के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। हमारे बीच राजनीतिक मतभेद हैं। यह विचारधारा की लड़ाई है। हमारे किसी भी परिवार के साथ व्यक्तिगत मतभेद नहीं हैं।

सुनक ने होम मिनिस्टर ब्रेवरमैन को हटाया

फिलिस्तीन समर्थक रैली में हिंसा के लिए भारतवंशी मंत्री ने पुलिस को जिम्मेदार बताया, इसी पर विवाद था

लंदन, 13 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने होम सेक्रेटरी सुएला ब्रेवरमैन को पद से हटा दिया है। अब तक फॉरेन मिनिस्ट्री संभाल रहे जेम्स क्लेवर्ली को होम मिनिस्टर बनाया गया है। जबकि पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरॉन को विदेश मंत्री बनाया गया है। कुछ और बदलाव भी संभव हैं। भारतीय मूल की सुएला ब्रेवरमैन ने हाल ही में कई विवादित बयान दिए थे। सुनक की पार्टी के अंदर से ही कई दिनों से यह मांग उठ रही थी कि सुएला की बयानबाजी ब्रिटेन की मिडिल ईस्ट पॉलिसी के खिलाफ है और वो अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने की कोशिश कर रही हैं। हाल ही में सुएला ने पुलिस को फटकार लगाई थी, जबकि पुलिस उनके अंडर में ही काम करती है।

बाकी यूरोपीय देशों की तरह ब्रिटेन में भी फ्रीडम ऑफ स्पीच पर काफी जोर दिया जाता है।

ममता बनर्जी ने महुआ मोइत्रा को दिया इनाम

टीएमसी में दी यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

कोलकाता, 13 नवंबर (एजेंसियां)। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा को टीएमसी ने कृष्णानगर (नादिया उत्तर) का जिला प्रमुख नियुक्त किया है। टीएमसी का यह फैसला ऐसे वक्त में आया है जब महुआ मोइत्रा कैश-फॉर-क्वेरी मामले में भारी विवाद में फंसी हुई हैं। कृष्णानगर (नादिया उत्तर) उनके लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। महुआ मोइत्रा ने एक्स पर एक पोस्ट में ममता बनर्जी को धन्यवाद दिया। टीएमसी सांसद ने लिखा,मुझे कृष्णानगर (नादिया उत्तर) का जिला अध्यक्ष नियुक्त करने के लिए ममता बनर्जी और एआईटीएमसी (अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस) को धन्यवाद देती हूं, कृष्णानगर के लोगों के लिए पार्टी के साथ हमेशा काम करूंगी।

अब तक चुप दिखाई दी है पार्टी :

टीएमसी ने कैश-फॉर-क्वेरी मामले में सार्वजनिक तौर पर महुआ मोइत्रा को समर्थन देने से परहेज ही किया है। हालांकि तृणमूल सांसद और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने उन्हें संसद से निलंबित करने की सिफारिश करने के लोकसभा आचार समिति के फैसले पर उनका समर्थन किया है।

सांसद महुआ मोइत्रा पर रिश्वत लेकर सवाल पूछने का आरोप लगा है ऐसे में पार्टी जांच पर विश्वास की बात करते हुए कुछ भी साफ तौर पर सामने रखने से बचती ही दिखाई दी है। महुआ मोइत्रा पर आरोप लगे हैं कि उन्होंने कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से पैसे लेकर संसद में अडानी ग्रुप से सवाल पूछे थे। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने इस संबंध में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से शिकायत की थी।

अब उन्हें उनके ही निर्वाचन क्षेत्र में एक जिले का प्रभार देने के पार्टी के कदम को एक संकेत के रूप में देखा जा रहा है कि तृणमूल उन्हें अपने सबसे महत्वपूर्ण नेताओं में से एक मानती है। एथिक्स कमेटी ने एक बंद कमरे में हुई बैठक में महुआ मोइत्रा को सुनने के बाद लोकसभा अध्यक्ष को अपनी 500 पेज की रिपोर्ट में कहा कि उन्हें सांसद के रूप में बने रहने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। और उनकी सदस्यता समाप्त की जानी चाहिए।

जेडीयू विधायक बोले-मांझी का दिमाग काम नहीं करता है

गोपाल मंडल ने कहा- वह राजनीति में चलने लायक नहीं, दिखावे के लिए उछल-कूद करते हैं

भागलपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। जदयू विधायक गोपाल मंडल ने पूर्व सीएम जीतन राम मांझी पर निशाना साधते हुए कहा है कि उनकी खोपड़ी ढीली हो गई है और उनका दिमाग भी खराब हो गया है। उन्होंने कहा कि मांझी राजनीतिक में थे, लेकिन अब नहीं हैं। अब वे राजनीति करने लायक भी नहीं है। वह सिर्फ दिखावे के लिए इधर-उधर उछल-कूद करते रहते हैं। गोपाल मंडल ने कहा कि जब जीतन राम मांझी मुख्यमंत्री थे तो मैं उनसे मिलने कभी नहीं गए।

बायोलॉजी और अंग्रेजी में समझाते तो विवाद नहीं होता

गोपाल मंडल ने नीतीश कुमार के सदन में दिए बयान पर कहा कि अगर नीतीश कुमार बायोलॉजी की भाषा या अंग्रेजी में समझाते तो शायद इतना विवाद नहीं होता। वह जनसंख्या नियंत्रण पर बोल रहे थे, लेकिन लोग दूसरे एंगल से देखकर उनकी छवि खराब करना चाहते हैं।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जब भी खाना दिया जाता है तो उसकी जांच-पड़ताल की जाती है। उनके खाने में कोई भी गलत चीज नहीं डाल सकता है। बता दें कि मांझी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि नीतीश कुमार को खाने में जहर दिया जा रहा है।

9 नवंबर को मांझी-नीतीश के बीच हुई थी नोकझोंक

बिहार विधानसभा में गुरुवार 9 नवंबर को सीएम नीतीश कुमार और पूर्व जीतन राम मांझी के बीच तीखी नोकझोंक हुई। मांझी आरक्षण की समीक्षा की मांग कर रहे थे। तभी सीएम ने उन्हें बीच में ही टोका और कहा- मेरी मूर्खता से ये मुख्यमंत्री बने थे। इसे राज्यपाल बनने की चाहत है। मुख्यमंत्री ने बीजेपी विधायकों की ओर इशारा करते हुए कहा कि इसे गवर्नर क्यों नहीं बना देते हैं।

इन वजहों से लगातार चर्चा में नीतीश

7 नवंबर को नीतीश जनसंख्या नियंत्रण पर विधानसभा में बयान दे रहे थे। उन्होंने सदन में कुछ ऐसा कहा, जिसे हम लिख भी नहीं सकते। इसके बाद नीतीश का देशभर में विरोध शुरू हो गया।

7 नवंबर की सुबह नीतीश बिहार के मंत्री अशोक चौधरी के पिता स्व. महावीर चौधरी की पुण्यतिथि पहुंचे थे। वहां वे महावीर चौधरी को श्रद्धांजलि देने के बाद मंत्री पर ही फूल फेंकने लगे। 9 नवंबर को नीतीश सरकार ने विधानसभा से आरक्षण बिल को पास करवाया। इसे लेकर पूर्व सीएम मांझी ने आपत्ति जताई तो नीतीश आग बबूला हो गए। उन्होंने यहां तक कह दिया कि इसे सीएम बनाना मेरी मूर्खता थी।

18 सितंबर को नीतीश मॉरीशस के पूर्व राष्ट्रपति शिवसागर राम गुलाम की जयंती कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां उन्होंने मंत्री अशोक चौधरी का सिर एक पत्रकार से टकरा दिया। ये तस्वीर भी उन दिनों विवादों में रही थी।

21 सितंबर को नीतीश पूर्व सीएम भोला पासवान की जयंती के कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मंत्री अशोक चौधरी के कंधे पर सिर रख लिपट गए और कहा- मैं इनसे बहुत प्रेम करता हूं।

4 हाथ वाली लक्ष्मी कैसे पैदा हो सकती है?

दिवाली पर स्वामी प्रसाद का विवादित बयान

बोले- आज तक 4 हाथ वाला बच्चा पैदा नहीं हुआ

लखनऊ, 13 नवंबर (एजेंसियां)। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने दीपावली पर मां लक्ष्मी को लेकर विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा- चार हाथ, आठ हाथ, बीस हाथ वाला बच्चा आज तक पैदा नहीं हुआ। ऐसे में चार हाथ वाली लक्ष्मी कैसे पैदा हो सकती है? दीपावली पर मौर्य ने अपनी पत्नी की पूजा की। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया X पर पोस्ट करते हुए लिखा-पूरे विश्व के प्रत्येक धर्म, जाति, नस्ल, रंग व देश में पैदा होने वाले बच्चे के दो हाथ, दो पैर, दो कान, दो आंख, दो छिद्रों वाली नाक के साथ एक सिर, पेट व पीठ ही होती है। चार हाथ, आठ हाथ, दस हाथ, बीस हाथ व हजार हाथ वाला बच्चा आज तक पैदा ही नहीं हुआ। तो चार हाथ वाली लक्ष्मी कैसे पैदा हो सकती है? यदि आप लक्ष्मी देवी की पूजा करना ही चाहते हैं तो अपने घरवाली की पूजा व सम्मान करें।

जो सही मायने में देवी है। क्योंकि आपके घर परिवार का पालन-पोषण, सुख-समृद्धि, खान-पान व देखभाल की जिम्मेदारी बहुत ही निष्ठा के साथ निभाती है।'

रामचरित मानस बकवास, बैन लगना चाहिए

सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने इसी साल 22 जनवरी को रामचरित मानस को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा- कई करोड़ लोग रामचरित मानस को नहीं पढ़ते। यह तुलसीदास ने अपनी खुशी के लिए लिखा है। सरकार को रामचरित मानस के आपत्तिजनक अंश हटाना चाहिए या इस पूरी पुस्तक को ही बैन कर देना चाहिए।

'रामराज में काटा गया था शम्बूक का सिर'

सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने अब रामराज को लेकर सवाल खड़ा किया था। उन्होंने अपने X पर लिखा था- एक रामराज में शम्बूक का सिर काटा गया था, अब आरक्षण खत्म किया जा रहा है' तो कभी एकलव्य का अंगूठा और अब दलितों, आदिवासियों पिछड़ों का आरक्षण काटा जा रहा है, यानी संविधान प्रदत्त आरक्षण खत्म किया जा रहा है। जागो सावधान हो जाओ. रामराज हटाओ-आरक्षण बचाओ. सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने ब्राह्मण समाज और हिंदू धर्म को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने अपने X पर लिखा था- ब्राह्मणवाद की जड़ें बहुत गहरी हैं और सारी विषमता का कारण भी ब्राह्मणवाद ही है। हिंदू नाम का कोई धर्म है ही नहीं। हिंदू धर्म केवल धोखा है। सही मायने में जो ब्राह्मण धर्म है, उसी ब्राह्मण धर्म को हिंदू धर्म कहकर के इस देश के दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों को अपने धर्म के मकड़जाल में फंसाने की एक साजिश है। अगर हिंदू धर्म होता तो आदिवासियों का भी सम्मान होता। दलितों का भी सम्मान होता, पिछड़ों का भी सम्मान होता। लेकिन क्या विडंबना है...

यूपी के आतंकियों को पाकिस्तान से फंडिंग

गाजियाबाद के अकाउंट में 70 लाख ट्रांसफर; रियाजुद्दीन अकाउंट होल्डर, मोबाइल नंबर चंपारण के हुसैन का

लखनऊ, 13 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान से फंडिंग हो रही है। बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश गिरफ्तार 7 संदिग्ध आतंकियों से मिले इनपुट के आधार पर हुआ। इसी इनपुट के आधार पर एटीएस गाजियाबाद के फरीदनगर तक पहुंची। जहां कैनरा बैंक की एक ब्रांच में संदिग्ध अकाउंट का पता चला।

इसमें 30 दिनों में करीब 70 लाख रुपए पाकिस्तान से ट्रांसफर किए गए थे। माना जा रहा है कि ये फंड इंडिया के स्लीपर माड्यूल के लिए भेजा गया। इसके बाद एटीएस ने अज्ञात पाकिस्तानी एजेंट्स के खिलाफ केस दर्ज किया है। इस एफआईआर में गाजियाबाद में मिले बैंक खाता होल्डर के साथ 1 अन्य संदिग्ध शख्स का नाम भी है।

खाता रियाजुद्दीन का, नंबर चंपारण के इजहारुल का मिला

एटीएस सूत्रों के मुताबिक, कैनरा बैंक में खोले गए खाते में एक माह में विदेशों से 70 लाख

रुपया भेजा गया। यह खाता गाजियाबाद के रहने वाले रियाजुद्दीन के नाम से खोला गया था। जिसमें बिहार के पश्चिमी चंपारण के रहने वाले इजहारुल हुसैन का मोबाइल नंबर लिखा है। इस बैंक अकाउंट को इजहारुल ऑपरेट कर रहा था।

जांच में सामना आ रहा है कि यह लोग प्रदेश के सुरक्षा मुख्यालय, धार्मिक स्थल और प्रमुख प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के लिए जासूसी करने में इस पैसे का प्रयोग कर रहे हैं। हालांकि एटीएस के अधिकारियों का मानना है कि पाकिस्तान में बैठे हैंडलर रियादुद्दीन और इजहारउल हुसैन से किसी बड़े हमले की प्लानिंग करा रहे थे।

कॉलिंग एप के जरिए पाकिस्तानी एजेंट से हो रहा संपर्क

एटीएस की जांच में इजहारुल का पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के एजेटों से विभिन्न ऐप्स के जरिए संपर्क करने की बात भी सामने आई है। गाजियाबाद भोजपुर के फरीदनगर के रियाजुद्दीन और बिहार के पश्चिमी चंपारण के सिकारपुर भेड़ी भरवा में रहने वाला इजहारुल हुसैन एक-दूसरे के परिचित हैं।

4 नवंबर से अब तक सात आतंकियों को एटीएस कर चुकी गिरफ्तार

इसके पहले 4 नवंबर को एटीएस ने 3 आतंकियों को गिरफ्तार किया था। जिनमें से 2 आतंकी माज बिन तारिक और वजीउद्दीन को अलीगढ़ से गिरफ्तार किया गया था, जबकि अब्दुल्ला अर्सलान को छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार किया था। इन तीनों आतंकियों से पूछताछ के आधार पर यूपी एटीएस ने 4 और संदिग्धों की गिरफ्तार की है।

चारों आरोपियों के नाम राकिब, नावेद, नुमान, और नाजिम नोमान हैं। इनमें से एक आतंकी को शुक्रवार को अलीगढ़ और 3 आतंकियों को बीते संभल से गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्विद्यालय से ग्रेजुएशन की पढ़ाई की है। एटीएस ने चारों को कोर्ट में पेश कर रिमांड की मांग की है।

एटीएस ने दावा किया है कि स्टूडेंट ऑफ अलीगढ़ मुस्लिम विश्विद्यालय नाम के छात्र संगठन की मीटिंग में देश विरोधी एजेंडा चलाया जा रहा था। आरोप है कि एसएएमयू की मीटिंग में एक-दूसरे से संदिग्ध जुड़े और इसके जरिए आईएसआईएस में भर्ती कराई जा रही थी। सूत्रों के मुताबिक ये संगठन सेंट्रल एजेंसियों के रडार पर भी है।

यूपी एटीएस और खुफिया सतर्क

स्पेशल डीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने दैनिक भास्कर को बताया कि किसी धार्मिक स्थल को निशाना बनाने का सटीक इनपुट नहीं है, लेकिन त्योहार के दौरान सभी धार्मिक स्थलों पर सतर्कता बरती जा रही है। प्रदेश में यूपी एटीएस और खुफिया अलर्ट मोड पर हैं। हमारा अभिसूचना तंत्र है। इसके साथ सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जा रही है। जिससे कोई अफवाह न फैले। जैसे सभी त्योहार सकुशल संपन्न कराते आए हैं, आने वाले त्योहार भी सकुशल संपन्न होंगे।

इंस्पेक्टर की गोली मारकर हत्या

रिश्तेदार से मिलकर घर लौटे थे, गेट खोलते ही मारी गोली; कार में पत्नी-बेटी सोती रहीं

लखनऊ, 13 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में दिवाली पर पीएसी में क्वाटर मास्टर (इंस्पेक्टर) पद पर तैनात सतीश की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह राजाजीपुरम में अपने रिश्तेदार से मिलकर लौटे थे। पत्नी-बेटी कार की पिछली सीट पर सो रही थीं।

कार से उतर कर सतीश घर का गेट खोल रहे थे, तभी बदमाशों ने उनके सिर-कंधे में गोली मार दी। वारदात के बाद बदमाश मौके फरार हो गए। जबकि इंस्पेक्टर वहीं लहूलुहान होकर गिर गए। गोली की आवाज सुनकर पत्नी और बेटी जग गईं। परिवार और पड़ोसी दौड़कर आए गए। इसके बाद इंस्पेक्टर को लोकबंधु अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। फिलहाल, पुलिस ने परिवार के सदस्यों से अलग-अलग बयान लिए हैं। इसके साथ ही हत्यारोपियों की तलाश के लिए 5 टीमों को लगाया है।

डीसीपी साउथ विनीत जायसवाल ने बताया,₹सतीश

कुमार कृष्णानगर के मानस विहार कॉलोनी में रहते थे। वह प्रयागराज में पीएसी की चतुर्थ बटालियन में क्वाटर मास्टर के पद पर तैनात थे। दिवाली पर वह पत्नी और बेटी के साथ राजाजीपुरम में एक रिश्तेदार से मिलने गए थे। वहां से वो घर करीब रात में 2.30 बजे पहुंचे। इस दौरान पत्नी और बेटी कार की पिछली सीट पर सो रही थीं। तभी वारदात को अंजाम दिया गया।"

पत्नी ने बताया कि रास्ते में दो बार कार रुकने का एहसास उन्हें हुआ था। उन्हें लगा कि पान वगैरह खाने के लिए रुके हैं। फिर गन शॉट की आवाज से वह चौंककर उठी। कार का दरवाजा खोलकर बाहर आई, तो सतीश गेट के पास जमीन पर लहूलुहान पड़े थे। उन्हें अचानक कुछ समझ नहीं आया। वह चिल्लाने लगी। पड़ोसी गन शॉट की आवाज और उनके चिल्लाने पर दौड़ आए। इसके बाद सतीश को अस्पताल ले गए।

बदमाश कितनी संख्या में थे? वारदात के बाद वो किस तरफ भागे? मारने के लिए पिस्टल या तमंचा क्या इस्तेमाल किया? ऐसे सवालों को जवाब पुलिस तलाश रही है। इसके अलावा पुलिस की जांच सतीश कुमार की पारिवारिक और विभागीय रंजिश पर चल रही है। पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है कि सतीश की नौकरी के दौरान पोस्टिंग और काम के ठेके को लेकर किसी से विवाद तो नहीं था। पीसीपी साउथ विनीत जायसवाल ने बताया, "सर्विलांस टीम और क्राइम ब्रांच सीसीटीवी और काल डिटेल खंगाल रही हैं। परिजनों की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। जल्द की आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।"

दिवाली पर सजी मंडी...5 राज्यों से आए 6 हजार गधे

95 हजार बेस-प्राइस और 2 लाख तक लगेगी बोली, करोड़ों का कारोबार; 300 साल पुरानी परंपरा

चित्रकूट, 13 नवंबर (एजेंसियां)। चित्रकूट में शाहरुख, सलमान, आमिर और ऋतिक आए हुए हैं। आज यहां इनकी बोली लगाई जाएगी। इनकी बिक्री और खरीदारी के लिए यूपी के अलग-अलग जिलों के अलावा, एमपी, बिहार-राजस्थान और झारखंड से लोग आए हुए हैं। करीब 300 वर्षों से यह ऐतिहासिक अनोखी बोली के लिए मेला लगता आ रहा है। मंदाकिनी तट पर दो दिन लगने वाले मेले में करोड़ों का कारोबार होता है।

अब आप यह सोच रहे होंगे कि बिक्री और खरीदारी किसकी होती है? तो इसका जवाब है गधे और खच्चर हैं। कद काठी, रंग-रूप और व्यवहार के आधार पर इनकी बोली लगाई जाती है। इसके आधार पर ही इनका नाम फिल्मी सितारों के नाम पर रखा जाता है।

चित्रकूट में लगे गधों के मेले में इस बार 6 हजार से ज्यादा गधे और खच्चर की बिक्री होगी। इसके लिए प्रशासनिक स्तर से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पहले दिन करीब सवा करोड़ के कारोबार का अनुमान जताया जा रहा है। यह पूरी तरह ऑफिशियल गधा मेला है, जिसके आयोजन के लिए प्रशासन की ओर से आदेश जारी होता है। पिछले साल यहां दो दिनों में करीब 3 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ था।

गधों के मेले के लिए प्रशासन की ओर से सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाती हैं। इसके साथ ही इस मेले में एंट्री के लिए खरीदारों के साथ-साथ विक्रेताओं से एंट्री फीस ली जाती है। इस बार 300 रुपए एंट्री फीस है। एक विक्रेता यहां करीब आधा दर्जन गधे लेकर पहुंचता है। मेले के लिए नगर पंचायत चित्रकूट इसके लिए स्थान उपलब्ध कराती है। गधे लेकर आने वाले कारोबारियों से टैक्स भी वसूला जाता है। यहां जिस स्थान पर यह ऐतिहासिक मेला सजता है, वह अतिक्रमण की चपेट में है। नगर पंचायत चित्रकूट टैक्स तो वसूलती है।

गधों और खच्चरों की अच्छी कीमत वसूलने के लिए इनके मालिक इनका नाम फिल्मी सितारों के नाम पर रखते हैं। नाम के हिसाब से उनकी कीमत तय की जाती है। इस बार 2 लाख रुपए की सबसे महंगी बोली सलमान की लगने की संभावना जताई जा रही है। इसका बेस प्राइज 95 हजार रुपए है। वहीं, शाहरुख 65 हजार में है। अब बोली पर निर्भर करता है कि ये दोनों कितने में बिकते हैं। पिछली बार करिश्मा नाम की गधी 20 हजार में बिकी, जबकि सैफ 12 हजार में खरीदा गया था। यहां यह भी बता दें कि ज्यादा वजन ढोने की क्षमता वाले गधों की मांग सबसे ज्यादा रहती है।

चित्रकूट में मंदाकिनी तट पर लगने वाले गधों के इस ऐतिहासिक मेले के आयोजन के संबंध में कोई ऐतिहासिक दस्तावेज नहीं है। लेकिन मेले में आने वाले व्यापारी और यहां के लोग पीढ़ियों से यह मेला देखते आ रहे हैं। उन्हें उनके पूर्वजों से ही यह पता चलता रहा है कि मेले की शुरुआत मुगल शासक औरंगजेब ने कराई थी। इनका व्यापार करने वाले लोग इस दिन के लिए साल भर तैयारी करते हैं। अपने गधों का प्रदर्शन इस मेले में करने के लिहाज से उनका पालन-पोषण करते हैं।

मेला आयोजक रमेश कुमार पांडेय ने बताया, "औरंगजेब ने जब मेले की शुरुआत की थी, तब वह गोला-बारूद को लाने-ले जाने के लिए गधों की बोली लगाई थी। जो कमजोर और बीमार गधे थे, उनकी नीलामी की गई। इसके साथ ही अच्छी नस्ल के गधों को खरीदा गया। तब से यहां मेला लग रहा है।"

एशिया के बड़े टेंट गोदाम में आग: वाराणसी में 7 घंटे तक चला रेस्क्यू; पटाखे की चिंगारी से भड़की आग से पूरा गोदाम जल गया

वाराणसी, 13 नवंबर (एजेंसियां)। वाराणसी में सोमवार सुबह पटाखे की चिंगारी से एशिया के बड़े टेंट गोदाम में आग लग गई। आग पहले गोदाम के अंदर ही सुलगती रही, फिर विकराल रूप ले लिया। देखते ही देखते पूरा गोदाम धू-धू करके जलने लगा। आग की पलटें देख इलाके में हड़कंप मच गया।

मोहल्ले के लोगों ने तुरंत गोदाम से एक कर्मचारी को बाहन निकाला। पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। आनन-फानन में चेतगंज फायर स्टेशन से 8 गाड़ियां मौके पर पहुंची। आसपास के मकान खाली कराए गए। करीब 7 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घटना सोमवार सुबह 3 बजे चौक थाना क्षेत्र के पिपरी के ₹लल्लू जी एंड संस₹ गोदाम की है।

लल्लू जी एंड संस के मेन गोदाम में आग

एशिया के बड़े टेंट कारोबारी सुबोध अग्रवाल वाराणसी के चौक थाना क्षेत्र के पिपरी में रहते हैं। वाराणसी समेत देशभर के बड़े शहरों में इनका लल्लू जी एंड संस टेंट हाउस और गोदाम है। इनके घर के पास ही इनका मेन गोदाम है जहां आग लगी।

टेंट हाउस में दीपावली की पूजा के बाद सुबोध अग्रवाल घर चले गए। एक कर्मचारी टेंट हाउस में सो गया। देर रात आग लगने का शोर सुनकर कर्मचारी बाहर निकला। इसके बाद कर्मचारी ने घटना की जानकारी मालिक सुबोध अग्रवाल को दी।

जब तक वह मौके पर पहुंचे चिंगारी ने विकराल आग का रूप ले लिया था। गोदाम में रखे लकड़ी के सामान चारपाई, मेज, पेंट, कपड़ा, गद्दा रजाई सब जल गया। रेस्क्यू के दौरान अंदर धुएं की वजह से दमकल कर्मियों का दम घुटने लगा तो आक्सीजन सिलेंडर लेकर कर्मी अंदर पहुंचे थे। एशिया के बड़े टेंट विक्रेता और राष्ट्रीय स्तर पर टेंट का कारोबार करने वाले 'लल्लू जी एंड संस' के टेंट का कारोबार पूरे देश में न सिर्फ फैला हुआ था। बल्कि बड़े आयोजनों को संपन्न कराता है। प्रयागराज में हर साल लगने वाले माघ मेला व कुंभ मेले को सजाने का काम भी यही करते हैं। प्रयागराज कुंभ में इनका ही टेंट लगाया गया था। इतना ही नहीं देश में लगने वाले अन्य कुंभ समेत टेंट से संबंधित हर बड़े आयोजन बगैर लल्लू जी एंड संस की सप्लाई के पूरे नहीं हुआ करते। सुबोध अग्रवाल ने प्रयागराज समेत देश के कई हिस्सों में अपना फ्रेंचाइजी कार्यालय भी बना रखा है। लल्लू जी टेंट ही नासिक, उज्जैन, हरिद्वार और प्रयागराज के सबसे बड़े ठेकेदार हैं। इसी के चलते इन्हें एशिया का सबसे बड़ा टेंट कारोबारी भी माना जाता है।

टेंट कंपनी के मालिक और उसके साझेदारों पर फर्जी दस्तावेज बना कर फर्जी भुगतान के लिए कुंभ मेला अधिकारियों के नकली सिग्नेचर किए और बिल तैयार करने का आरोप था। वेरिफिकेशन के दौरान 86.38 करोड़ रुपए के ही बिल सही मिले बाकी 109.85 करोड़ रुपए बिना तथ्यों के थोप दिए गए। लल्लू जी एंड संस पांच साल के लिए ब्लैक लिस्ट किए गए, हालांकि बाद में भी उन्हें कई बड़े टेंडर मिले। लल्लू जी एंड संस के संस्थापक बाल गोविंद दास ने प्रयागराज में 1920 में टेंट, तिरपाल के कारोबार की शुरूआत की थी और तभी से माघ मेले और कुंभ में तंबु लगाने का काम भी लेने लगे। संस्था के प्रबंधक विश्वनाथ मिश्र के मुताबिक बाल गोविंददास 1918 में वाराणसी से प्रयागराज आए थे।

बेटी गायब...नाती-नातिन का भी पता नहीं

सास-ससुर और पति फरार, पीड़ित पिता बोले- मर्डर हुआ है

पटना, 13 नवंबर (एजेंसियां)। पटना निवासी गणेश ठाकुर की बेटी आशा कुमारी का 15 दिनों से कुछ पता नहीं चल रहा है। बेटा-बेटी की भी तलाश की जा रही है। वहीं, आशा के पिता का आरोप है कि ससुरालवालों ने बेटी को मारकर शव को गायब कर दिया है। घटना के बाद से सास-ससुर और पति फरार है। बच्चों को भी गायब कर दिया गया है, शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

आशा ने साल 2016 में मुजफ्फरपुर के देवरिया थाना क्षेत्र के धरफरी टोला निवासी शंभु राय के साथ प्रेम विवाह किया था। वैवाहिक जीवन अच्छा चल रहा था, लेकिन अचानक पारिवारिक कलह के कारण आशा के साथ ससुराल वालों ने मारपीट करना शुरू कर दिया। इस बात की जानकारी पटना में रह रहे पिता को लगी और किसी तरह समझा बुझाकर मामले को शांत कराया। कुछ दिन सब ठीक रहा, उसके बाद फिर से मामला बिगड़ गया। परिजनों को 24 अक्टूबर 2023 को बेटी की मौत की खबर मिली। जानकारी मिलते ही पिता समेत अन्य परिजन उसके ससुराल पहुंचे। लेकिन कुछ पता नहीं चला, आखिर हुआ क्या है। पिता गणेश ठाकुर का कहना है सूचना मिली थी कि मेरी बेटी ने फांसी लगा ली है। अगर मेरी बेटी फांसी लगाई थी, तो लाश मिलनी चाहिए। लेकिन हम लोग जब पहुंचे तो वहां ना बेटी थी और ना लाश मिली। मेरे नाती-नातिन को भी गायब कर दिया।

पत्नी की हत्या की,शव भी जला दिया

बेतिया में विदेश जाने के लिए मांग रहा था 50 हजार; नहीं दिए तो मार डाला

बेतिया, 13 नवंबर (एजेंसियां)। बेतिया में एक महिला की हत्या कर दी गई। सबूत छिपाने के बाद ससुराल वालों ने उसके शव को भी जला दिया। पुलिस ने महिला के ससुर को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।घटना के बाद से पति समेत ससुराल के सभी लोग फरार हैं। परिवार का आरोप है कि दामाद को विदेश जाने के लिए 50 हजार रुपए चाहिए थे। पैसे नहीं दिए तो उसने हत्या कर दी। घटना जिले के चनपटिया थाना क्षेत्र के लागुनाहा गांव की है। मृतका की पहचान लागुन्हा पोखरा टोला निवासी अखिलेश राम की 25 साल की पत्नी मनीषा देवी के रूप में हुई है। घटना के बारे में मृतका के चाचा कुमारबाग ओपी क्षेत्र के जबदौल गांव निवासी लालबाबू राम ने बताया कि मेरी भतीजी मनीषा की शादी 6 साल पहले चनपटिया थाना क्षेत्र के लगुन्हा पोखरा टोला निवासी जोगेंद्र राम के बेटे अखिलेश राम के साथ हुई थी। शादी में रुपया पैसा और सामान भी हम लोगों ने दिया था।

दिनदहाड़े 4.21 लाख की लूट: कर्मी के सिर पर पिस्टल से किया वार, बाइक सवार बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम

मुजफ्फरपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में बेलगाम अपराधियों ने दिनदहाड़े 4.21 लाख रुपये की लूट की वारदात को अंजाम दिया है।सोमवार की सुबह 11:30 बजे सीएमएस कर्मी भगवानपुर स्थित इंडसइंड बैंक के सीएफडी ब्रांच से पैसा कलेक्ट कर गाड़ी से नीचे उतरा। तभी बाइक सवार दो अपराधी मौके पर पहुंचे। दोनों हथियार से लैस थे। सीएमएस कर्मी को पैसा देने के लिए बोला। सीएमएस कर्मी ने पैसा देने से इंकार कर दिया। उसके बाद हथियार से उसके सिर पर वार कर 4.21 लाख रुपये लूट कर भाग गए।

ब्रांच मैनेजर रवि रंजन ने बताया कि आज सीएफडी डिपार्टमेंट से सीएमएस कर्मी 4 लाख 21 हजार 219 रुपया लेकर निकले थे। 11:30 बजे सीएमएस कर्मी ने पैसा रिसीव किया था। वो बाहर निकला, उसी समय दो अपराधी बाइक से आया और हथियार से उसके सिर पर वार कर दिया। इसमें कर्मी का सिर फट गया। उसके बाद अपराधी पैसे से भरा बैग लेकर भगवानपुर की तरफ फरार हो गए। हम लोगों ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। पुलिस पहुंच कर मामले की छानबीन कर रही है।

सदर थाना के दरोगा राधे श्याम ने बताया कि सूचना मिली कि एक सीएमएस कर्मी से लूट हुई है। सूचना मिलते ही हमलोग मौके पर पहुंचे। जख्मी कर्मी को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। आस पास के लगे सीसीटीवी को खंगाला जा रहा है।

रेमंड के एमडी गौतम सिंघानिया पत्नी नवाज से अलग हुए : 32 साल से साथ थे, बोले- बच्चों की बेहतरी के काम मिलकर करेंगे

मुंबई, 13 नवंबर (एजेंसियां)। रेमंड लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर गौतम सिंघानिया और उनकी पत्नी नवाज मोदी सिंघानिया 32 साल बाद अलग हो गए हैं। गौतम ने सोमवार को इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस बार की दीपावली पहले जैसी नहीं रहने वाली है। नवाज और मैं यहां से अलग-अलग रास्ते अपनाएंगे...मैं उनसे अलग हो रहा हूं, जबकि हम वह सब कुछ करते रहेंगे जो हमारे दो अनमोल हीरे निहारिका और निसा के लिए बेहतर होगा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नवाज मोदी सिंघानिया को पिछले हफ्ते ठाणे में उनके पति की दीपावली पार्टी में शामिल होने से रोक दिया गया था। वहीं पिछले महीने गौतम ने अपने ब्रीच कैंडी हाउस में नवाज के साथ मारपीट की थी, जिससे उनकी कॉलर बोन टूट गई थी। इसके बाद नवाज मोदी को गिरगांव के सर एच.एन. रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में भर्ती कराया गया। हालांकि इस मामले में पुलिस में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी।

गौतम सिंघानिया का पूरा स्टेटमेंट...

यह दीपावली बीते सालों की तरह नहीं होने वाली है।

एक कपल के तौर पर 32 साल साथ रहकर, माता-पिता के तौर पर ग्रो होकर और हमेशा एक-दूसरे के लिए मजबूती की वजह बने रहकर हमने लंबा सफर तय किया। हमारे कमिटमेंट और भरोसे के सफर में दो सबसे खूबसूरत पड़ाव भी आए।

हाल के दिनों में, हमारे जीवन के इर्द-गिर्द बहुत सी निराधार अफवाहें और गॉसिप फैलाई गई हैं, जिन्हें हमारे कथित शुभचिंतकों ने काफी हवा दी है।

यह मेरा विश्वास है कि नवाज और मैं यहां से अलग-अलग रास्ते अपनाएंगे...

मैं उनसे अलग हो रहा हूं, जबकि हम अपने दो अनमोल हीरे निहारिका और निसा के लिए जो भी बेहतर होगा, वह करते रहेंगे।

कृपया इस निजी फैसले का सम्मान करें और हमें इस रिश्ते के सभी पहलुओं को सेटल करने के लिए स्पेस दें। इस वक्त मैं पूरे परिवार के लिए आपकी शुभकामनाएं चाहता हूं।

गौतम सिंघानिया के क्लॉथ, इंजीनियरिंग और रियल एस्टेट सहित कई बिजनेस

गौतम सिंघानिया रेमंड ग्रुप के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। उनकी नेटवर्थ करीब 11 हजार करोड़ रुपए हैं। रेमंड ग्रुप के पास क्लॉथ, डेनिम, कंज्यूमर केयर, इंजीनियरिंग और रियल एस्टेट सहित अन्य बिजनेस है। रेमंड ग्रुप का रेडी टू वेयर अपैरल स्पेस में स्ट्रॉन्ग प्रजेंस है। डेनिम कैटेगरी में भी लीडिंग मैन्युफैक्चरर है। कंपनी हाई क्वालिटी डेनिम सप्लाई करती है।

गौतम बचपन से ही कारों के लिए क्रेजी रहे हैं। इसी बात को समझते हुए उनके पिता ने उनके 18वें जन्मदिन पर उन्हें प्रीमियर पद्मिनी1100 कार गिफ्ट की थी।गौतम सिंघानिया के पास टेस्ला मॉडल एक्स, लेम्बोर्गिनी, लोटस एलिस कन्वर्टिबल, निसान स्काईलाइन जीटीआर, फेरारी 458 इटालिया और ऑडी Q7 सहित कई कारें हैं।

1999 में गौतम सिंघानिया ने नवाज से शादी की थी। इससे पहले 8 साल तक दोनों लिव इन में रहे थे। नवाज के पिता इस शादी के लिए राजी नहीं थे।2005 में गौतम सिंघानिया ने मुंबई के बांद्रा में 'पॉइजन' नाम से एक नाइट क्लब खोला था। बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन सिंघानिया फैमिली की खास दोस्त हैं।महाराष्ट्र के अलीबाग में गौतम का एक फार्म हाउस भी है, जहां वो हर साल अपने दोस्तों और फैमिली के लिए न्यू ईयर पार्टी ऑर्गेनाइज करते हैं।

नवाज 10 साल की थीं, तब माता-पिता अलग हो गए थे

मुंबई में जन्मीं नवाज के पिता वकील थे। नवाज के पास भी लॉ की डिग्री है।जब नवाज 10 साल की थीं, तब उनके माता-पिता अलग हो गए थे। वह राइटर भी हैं। उनकी टाइम अरेस्ट नाम की बुक भी पब्लिश हो चुकी है।

नवाज के पिता शादी के लिए राजी नहीं थे

गौतम ने एक इंटरव्यू में बताया था कि, पारसी लड़की को पत्नी बनाना आसान नहीं रहा। नवाज के पिता शादी के लिए राजी नहीं थे, लेकिन बेटी की जिद के आगे उन्हें झुकना पड़ा। शादी के बाद भी कल्चरल डिफरेंस होने के कारण गौतम और नवाज को कई एडजस्टमेंट्स करने पड़े। गौतम का उनके पिता विजयपत सिंघानिया से भी विवाद रहा है। गौतम सिंघानिया पर अपने पिता को घर से निकालने तक के आरोप लगे हैं। विजयपत सिंघानिया ने रेमंड्स की नींव रखी थी।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस नेता की गोली मारकर हत्या

समर्थकों ने दो हमलवारों को पकड़ा, एक को पीट-पीटकर मार डाला; कई घर जलाए

कोलकाता, 13 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के जयनगर में सोमवार (13 नवंबर) को तृणमूल कांग्रेस नेता सैफुद्दीन लस्कर (47) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना से आक्रोशित समर्थकों ने दो हमलावरों को पकड़ लिया और उनकी पिटाई कर दी।भीड़ के हमले से एक आरोपी की मौत हो गई। दूसरे को पुलिस किसी तरह बचाकर अपने साथ ले गई। इधर, तृणमूल कांग्रेस नेता की हत्या के बाद इलाके में तनाव फैल गया। गुस्साई भीड़ ने कई घरों में आग लगा दी। तनाव के बीच इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस को तैनात किया गया है। तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि सीपीआई (एम) और भाजपा के गुंडों ने घटना को अंजाम दिया है। वहीं पुलिस ने बताया कि कि सैफुद्दीन सोमवार सुबह नमाज के लिए जा रहे थे, तभी उन पर हमला हुआ।

भीड़ ने लूटपाट और तोड़फोड़ के बाद घरों में आग लगाई

सैफुद्दीन जयनगर के बामुंगाची में तृणमूल कांग्रेस के एरिया प्रेसिडेंट थे। उनकी पत्नी पंचायत प्रधान हैं। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस ने बताया कि घटना के बाद तृणमूल कांग्रेस समर्थकों ने पड़ोस के दलुआखाली गांव में हिंसा की। भीड़ ने लूटपाट और तोड़फोड़ के बाद कई घरों को आग के हवाले कर दिया। बताया गया कि तृणमूल कांग्रेस समर्थकों ने जिन लोगों के घरों में आग लगाई, वे सीपीआई (एम) समर्थक हैं। दलुआखाली में लोगों ने दावा किया कि पुलिस की मौजूदगी में उनके घरों में आग लगाई। इसके बाद दमकल की गाड़ियों को आग बुझाने से रोका गया।

सीपीआई (एम) सेंट्रल कमेटी के मेंबर सुजन चक्रवर्ती ने कहा कि सैफुद्दीन लस्कर की हत्या तृणमूल कांग्रेस पार्टी के भीतर आंतरिक कलह का नतीजा है। सीपीआई (एम) को दोष देने का कोई मतलब नहीं है। सैफुद्दीन की हत्या किसने और क्यों की, पुलिस को इसकी जांच करनी चाहिए।

सुजन ने कहा कि यह घटना बोगटुई नरसंहार की याद दिलाती है। मार्च 2022 में बीरभूम जिले के बोगटुई नरसंहार में तृणमूल कांग्रेस नेता भादु शेख की हत्या के बाद आगजनी और हिंसा में करीब 10 लोग मारे गए थे।

रोहतक कारोर मर्डर केस में अल्टीमेटम : ग्रामीणों ने एसपी से आरोपियों की गिरफ्तारी मांगी; बोले- नहीं तो जाम लगाएंगे

रोहतक, 13 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक में रविवार को दिवाली के दिन गैंगवार हुई। अनिल छिप्पी और छाजू गैंग के बीच हुई इस गैंगवार में एक युवक की मौत हो गई। छाजू गैंग के बदमाशों ने कारोर गांव में 3 युवकों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। इसमें 2 युवकों ने तो भागकर जान बचा ली, लेकिन बदमाशों ने तीसरे युवक का पीछा करते हुए गोलियों से भूनकर उसे मौत के घाट उतार दिया।

मरने वाले की पहचान मोहित (27) के रूप में हुई। मोहित इन दिनों जेल से जमानत पर बाहर आया हुआ था।

सोमवार को गांव कारोर के ग्रामीण SP हिमांशु गर्ग से मिलने पहुंचे। यहां उन्होंने गांव में पुलिस चौकी और हथियारों का लाइसेंस जारी करने की मांग रखी। साथ ही अल्टीमेटम दिया कि अगर एक घंटे में आरोपी पकड़े नहीं गए तो वे जाम लगा देंगे।

छिप्पी गैंग से जुड़ा था अनिल

छाजू गैंग और अनिल छिप्पी गैंग के बीच लंबे समय से रंजिश चलती आ रही है। रविवार की घटना में मारा गया मोहित अनिल छिप्पी गैंग से जुड़ा था। त्योहार पर दिनदहाड़े गोलियां चलने की सूचना मिलते ही रोहतक पुलिस के आला अधिकारी तुरंत कारोर गांव पहुंच गए। गांव के जिस एरिया में यह घटना हुई, वहां की गलियां काफी पतली हैं। पुलिस को घटनास्थल से तकरीबन एक दर्जन गोलियों के खोल बरामद हुए। पुलिस इन्वेस्टिगेशन के दौरान पता चला कि मोहित को कई बार धमकियां मिल चुकी थी। उस पर पहले भी इसी तरह हमला करने की कोशिश की गई थी।

मरा या नहीं, चेक करने दोबारा आए बदमाश

कारोर गांव में रहने वाले नीरज और विकास उर्फ बग्गा ने बताया कि रविवार को वह गांव में अपने चाचा मोहित के साथ थे। उसी समय तकरीबन 8 युवक वहां पहुंचे। ये युवक हथियारबंद थे और मोहित के सामने पहुंचते ही उन्होंने अंधाधुंध फायरिंग करनी शुरू कर दी। गोलियां चलते ही वहां मौजूदा दो लोग भाग खड़े हुए। मोहित ने भी भागना चाहा मगर बदमाश उसका पीछा करते हुए गोलियां मारते चले गए। नीरज ने बताया कि गोलियां लगने के बाद जब मोहित गली में गिर गया तो सभी युवक वहां से चले गए। हालांकि कुछ देर बाद ही वो वापस लौटे और यह चेक करने लगे कि मोहित मर गया है या जिंदा है। जब उन्हें तसल्ली हो गई कि मोहित मर चुका है तो सभी युवक अपने हथियार लहराते हुए वहां से निकल गए।

रोहतक के DSP राकेश कुमार ने बताया कि रविवार दोपहर को कंट्रोल रूम में सूचना मिली कि कारोर गांव में रहने वाले मोहित नामक शख्स की कुछ लोगों ने गोलियां मारकर हत्या कर दी है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम तुरंत गांव पहुंची।

पुलिस की प्राइमरी इन्वेस्टिगेशन के अनुसार, इस घटना में बदमाशों ने 18 से 20 राउंड फायर किए। बचने के लिए गली में भाग रहे मोहित को करीब 12 गोलियां लगी। जिसकी वजह से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गली में कई जगह गोलियों के खाली खोल बिखरे हुए मिले। पुलिस ने इन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भिजवा दिया है।

गांव में पुलिस की टीम तैनात

पुलिस के अनुसार, यह हत्या अनिल छिप्पी और छाजू गैंग के बीच चल रही रंजिश का नतीजा है। मारे गए मोहित के खिलाफ पहले से केस दर्ज है। घटना के बाद गांव में पुलिस की एक टीम तैनात कर दी गई है।

हरियाणा में बनेगा दुनिया का सबसे खतरनाक हथियार : कार्ल गुस्ताफ एम4 से दाग सकेंगे 10 तरह के गोले, 2024 तक पहला वेपन होगा तैयार

चंडीगढ़, 13 नवंबर (एजेंसियां)। स्वीडन की फेमस डिफेंस और एयरोस्पेस कंपनी साब ने भारत की रक्षा परियोजनाओं में 100 फीसदी के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की मंजूरी हासिल कर ली है। जिसके बाद दुनिया का सबसे खतरनाक हथियार हरियाणा में तैयार किया जाएगा। इस हथियार का नाम कार्ल गुस्ताफ एम 4। ये ऐसा हथियार है, जिससे कई अलग-अलग तरह के गोले दागे जा सकते हैं। संभावना है कि यह कंपनी हरियाणा में अपनी फैक्ट्री लगाएगी।

कार्ल गुस्ताफ एम4 में 10 तरह के हथियार लग सकते हैं। यानी एक ही वेपन सिस्टम से दुश्मन के ऊपर दस तरह के हथियार दागे जा सकते हैं। यानी एंटी पर्सनल एचई और एडीएम, सपोर्ट वॉरहेड यानी स्मोक, इल्लम, एचईएटी, एंटी ऑर्मर एचईएटी 551, 551C, 751। इसके अलावा मल्टी रोल एंटी स्ट्रक्चर वॉरहेड में एएसएम 509, MT 756, एचईडीपी 502, 502 आरएम.। इनका वजन 1.7 kg तक हो सकता है।

ये कंपनी तैयार करेगी हथियार

यह हथियार भारत में बनेगा तो कई तरह के फायदे होंगे। कार्ल गुस्ताफ एम 4 रिकॉयललेस राइफल है। इस वेपन सिस्टम को इस साब एफएफवी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड तैयार करेगी। यह कंपनी पहली बार स्वीडन से बाहर कोई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने जा रही है।

पहला हथियार साल 2024 में तैयार हो जाएगा

साब के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट गॉर्जेन जोहान्सन ने कहा कि हम कार्ल गुस्ताफ एम4 रॉकेट लॉन्चर की टेक्नोलॉजी भारत को हस्तांतरित कर देंगे। भारत में पहला हथियार साल 2024 में तैयार हो जाएगा। भारतीय सेना ने साब से पहले ही M4 वैरिएंट मंगा रखे हैं। भारत के प्रोडक्शन का बड़ा हिस्सा पहले भारतीय सेना अर्धसैनिक बलों को मिलेगा।

कंधे पर रख कर दागते गोला

इसके बाद हथियारों को स्वीडन ले जाकर, वहां से उनका अंतरराष्ट्रीय डील किया जाएगा। कार्ल गुस्ताफ एम4 राइफल कंधे पर रख कर दागा जाने वाला हथियार है। इसके चार वैरिएंट हैं। एम1 को 1946 में बनाया गया था। एम2 को 1964 में बनाया गया था। एम3 को 1986 में बनाया गया था।

भारत में होता है एम3 का प्रोडक्शन

एम3 का प्रोडक्शन भारत में ही होता है। एम3 को भारत में म्यूनिशन इंडिया लिमिटेड और एडवांस्ड वेपंस एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड मिलकर बनाते हैं। भारत की ऑर्डनेंस फैक्ट्री बोर्ड कार्ल गुस्ताफ एम3 को भारत में ही बना रही है। उसकी रेंज 1200 मीटर है। उसका उत्पादन भी भारत में जारी रहेगा।

इसे चलाने के लिए दो लोगों की जरूरत

कार्ल गुस्ताफ एम4 को 2014 में बनाया गया है। यह दुनिया के अत्याधुनिक रॉकेट लॉन्चरों में से एक है। इसका वजन 6.6 किलोग्राम है। लंबाई 37 इंच है। इसे चलाने के लिए दो लोगों की जरुरत होती है। एक गनर और दूसरा लोडर। इसमें 84 mm व्यास और 246 mm लंबा रॉकेट लगता है। यह एक मिनट में छह राउंड दाग सकता है।

840 फीट प्रति सेकेंड की गति

इस रॉकेट लॉन्चर से दागे जाने के बाद इसके गोले अधिकतम 840 फीट प्रति सेकेंड की गति से आगे बढ़ते हैं। यानी 918 km प्रतिसेकेंड की गति। अगर दुश्मन चलती फिरती गाड़ी में है तो इसकी सटीक रेंज 400 मीटर है। गाड़ी खाड़ी है तो 500 मीटर। अगर स्मोक और हाईएक्सप्लोसिव गोले का उपयोग करते हैं तो रेंज 1000 मीटर है। अगर रॉकेट बूस्टेड लेजर गाइडेड हथियार दागते हैं तो 2000 मीटर तक गोला जाता है।

कट्टरपंथी मैतेई संगठनों पर 5 साल का बैन

इंफाल, 13 नवंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच केंद्र सरकार ने मैतेई समुदाय से जुड़े कुछ कट्टरपंथी संगठनों पर बैन लगा दिया है। सरकार ने ट्रैक रिकॉर्ड देखते हुए पीपल लिबरेशन आर्मी, यूनाइटेड नेशनल फ्रंट, मणिपुर पीपल आर्मी पर पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। उन्हें ऐसी गतिविधियों में सम्मिलित पाया गया है जो गैर कानूनी है, शांति के खिलाफ हैं और नुकसान पहुंचाने वाली हैं।

मणिपुर में नहीं थम रही हिंसा

इससे पहले भी मणिपुर में हिंसा रोकने के लिए केंद्र सरकार ने कई कदम उठाए हैं। फिर चाहे वो सेना और सीआरपीएफ के जवानों का ज्यादा से ज्यादा तादाद में वहां पहुंचाना हो या फिर जांच सीबीआई को सौंपने का फैसला हो। अभी के लिए जमीन पर मणिपुर में स्थिति कुछ सुधरी जरूर है, लेकिन तनाव अभी भी बना हुआ है। सीएम आवास के पास में जिस तरह से कई मौकों पर प्रदर्शन हो चुके हैं, जिस तरह से जब्त हथियारों को वापस हासिल करने के लिए उपद्रव मचाया गया है, उसने प्रशासन को चिंता में डाल दिया है।

पिछले कई महीनों से इसी तरह से हिंसा का दौर जारी है। एक वायरल वीडियो के बाद से शुरू हुआ बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। वैसे जिस विवाद की वजह से ये मणिपुर जल रहा है, वो कई साल पुराना है। पहले भी उसको लेकर तकरार हो चुकी है, लेकिन इस बार उसने भयंकर हिंसा का रूप ले लिया।

क्यों जल रहा है मणिपुर?

असल में मणिपुर में तीन समुदाय सक्रिय हैं- इसमें दो पहाड़ों पर बसे हैं तो एक घाटी में रहता है। मैतेई हिंदू समुदाय है और 53 फीसदी के करीब है जो घाटी में रहता है। वहीं दो और समुदाय हैं- नागा और कुकी, ये दोनों ही आदिवासी समाज से आते हैं और पहाड़ों में बसे हुए हैं। अब मणिपुर का एक कानून है, जो कहता है कि मैतेई समुदाय सिर्फ घाटी में रह सकते हैं और उन्हें पहाड़ी क्षेत्र में जमीन खरीदने का कोई अधिकार नहीं होगा। ये समुदाय चाहता जरूर है कि इसे अनुसूचित जाति का दर्जा मिले, लेकिन अभी तक ऐसा हुआ नहीं है।

हाल ही में हाई कोर्ट ने एक टिप्पणी में कहा था कि राज्य सरकार को मैतेई समुदाय की इस मांग पर विचार करना चाहिए। उसके बाद से राज्य की सियासत में तनाव है और विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहा है।

एयरफोर्स के बेड़े में शामिल होंगे स्वदेशी विमान

विदेश से फाइटर जेट बनाने की टेक्नोलॉजी लेकर, भारत में निर्माण होगा

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना अब अपने लड़ाकू विमानों के बेड़े में विदेशों में बने जेट शामिल नहीं करेगी। वायुसेना इस वक्त 114 लड़ाकू विमान खरीदने की प्रक्रिया में है। वायु सेना सूत्रों ने बताया कि इन विमानों को टेक्नोलॉजी हस्तांतरण के जरिए भारत में ही बनाना होगा। इस डील में अनिवार्यता की स्वीकार्यता यानी एक्सपेंटेंस ऑफ नेसेसिटी पर रक्षा मंत्रालय की मुहर लगनी बाकी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कई बार आत्मनिर्भरता को लेकर वायुसेना से आग्रह कर चुके हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए तय किया गया है कि आने वाले समय में भारत में ही बने फाइटर जेट्स का उपयोग किया जाएगा।

नौसेना स्वदेशी जेट्स इस्तेमाल करने का फैसला पहले ही कर चुकी

विदेशी सौदों के लिए मंत्रालय यह तय करता है कि ये प्लेटफॉर्म बाहर से मंगाना जरूरी है या नहीं। वायुसेना के सैद्धांतिक फैसले को देखते हुए अब एक्सपेंटेंस ऑफ नेसेसिटी मिलने का रास्ता आसान हो गया है। बता दें नौसेना स्वदेशी

जेट्स इस्तेमाल करने का फैसला पहले ही कर चुकी है उसके जंगी पोत भी देश में ही बनाए जाएंगे।

पिछले सप्ताह मिग-21 के दो स्क्वाड्रन सेवा से बाहर हो गए। इसके बाद वायुसेना ने बेड़े में LCA मार्क-2 के 97 जेट शामिल करना तय किया। इस खरीदी के फैसले में स्पष्ट संकेत हैं कि वायुसेना आत्म निर्भरता के रास्ते पर बढ़ रही है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिकल लिमिटेड इस ऑर्डर को जल्द पूरा करने के लिए नागपुर में सालाना 24 विमान बनाने की क्षमता बढ़ा रही है।

इसके अलावा राफेल फाइटर के 2 स्क्वाड्रन के सौदे के बादवायु सेना ने अपनी ही धरती पर बने फाइटर प्लेन उड़ाने का फैसला लिया है। वायु सेना ने 48 हजार करोड़ रु. के सौदे के तहत 83 तेजस मार्क-1 खरीदने के फैसला किया था। उसके बाद 97 LCA खरीदने को मंजूरी दी गई। भारतीय सेना के पास LCA तेजस का एक एडवांस वर्जन मार्क-1A भी मौजूद है। यह एक फाइटर जेट है। जो 2205 किमी प्रति घंटे की स्पीड से उड़ता है और 6 तरह की मिसाइलों को ले जाने में सक्षम है।

30 जुलाई को एयर फोर्स ने जम्मू-कश्मीर के अवंतीपोरा एयरबेस पर हल्के लड़ाकू विमान तेजस MK-1 को तैनात किया है। सेना का कहना है कि उसके पायलट्स घाटी में उड़ान की प्रैक्टिस कर रहे हैं।

कश्मीर, पड़ोसी देशों चीन-पाकिस्तान के लिहाज से संवेदनशील है। तेजस MK-1 मल्टीरोल हल्का लड़ाकू विमान है जो वायु सेना को कश्मीर के जंगल और पहाड़ी इलाकों में और मजबूत करेगा। भारतीय वायु सेना के पास मौजूदा वक्त में 31 तेजस विमान हैं। सेना जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अपने विमानों को पहले भी ले जाती रही है, ताकि उन्हें हिमालय की घाटियों में उड़ान भरने का एक्सपीरियंस मिलता रहे।

इस समय भारतीय वायु सेना के बेड़े में जो टॉप फाइटर जेट हैं उनमें सुखोई Su-30MKI, राफेल, मिराज, MiG-29 और तेजस का नाम शामिल है। तेजस अपनी इन खूबियों की वजह से बाकी के चारों फाइटर जेट से अलग और खास है...

पहला: इस विमान के 50% कलपुर्जे यानी मशीनरी भारत में ही तैयार हुई है।

दूसरा: इसमें इजराइल के EL/M-2052 रडार को लगाया गया है। इससे यह एक साथ 10 लक्ष्यों को ट्रैक कर उन पर निशाना साधने में सक्षम है।

तीसरा: बेहद कम जगह यानी 460 मीटर के रनवे पर टेकऑफ करने की क्षमता।

चौथा: यह फाइटर जेट सुखोई, राफेल, मिराज और मिग से हल्का है। इसका वजन 6500 किलो है।

रायबरेली में एनटीपीसी की 3 यूनिटें बंद:नहर में पानी न होने से लिया गया फैसला; दिल्ली-मध्य प्रदेश समेत 6 राज्यों की बिजली होगी प्रभावित

रायबरेली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। रायबरेली में एनटीपीसी पावर प्लांट की 3 यूनिटें को 24 घंटे के अंदर बंद कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि शारदा नहर में पानी नहीं आ रहा है। इस वजह से एनटीपीसी ने यूनिट नंबर 1, 2 और 5 को बंद करने फैसला लिया है।

हर यूनिट प्रति घंटे 210 मेगावाट बिजली बनाती थी, यानी 24 घंटे में 15,120 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता था, जो फिलहाल ठप है।

इन यूनिटों के बंद होने से दिल्ली, मध्य प्रदेश, हिमाचल, गुजरात, आंध्र प्रदेश और उत्तराखंड की बिजली सप्लाई प्रभावित होगी। एनटीपीसी के अफसरों ने बताया, ₹ जल्द ही समस्या का हल निकाल लिया जाएगा। इसके बाद दोबारा से सभी यूनिटें चलाई जाएंगी। इसके लिए हर कोशिश की जा रही है।"

हर यूनिट हर घंटे बनाती है 210 मेगावाट बिजली

ऊंचाहार में लगे एनटीपीसी के इस पावर प्लांट में कुल 6 यूनिटें हैं। इनमें से 1,2,3,4 और 5 नंबर की हर यूनिट प्रति घंटे 210 मेगावाट बिजली बनाती है। जबकि 6 नंबर यूनिट अकेले 500 मेगावाट प्रति घंटे की बिजली बनाती है। शारदा नहर में पानी बंद होने से अफसरों ने एनटीपीसी की यूनिट नंबर-1, 2 और 5 को बंद करा दिया है, जबकि 3,4 और 6 नंबर यूनिट अभी चालू हैं, जिनमें बिजली बन रही है। इससे कुल 2,2080 मेगावाट (24 घंटे में) बिजली बन रही है। इतनी ही बिजली की सप्लाई अभी की जा रही है।

पानी न मिला तो बंद हो जाएंगी बाकी यूनिटें

अफसरों का कहना है कि अगर जल्द ही नहर में पानी नहीं आया, तो ये यूनिटें भी बंद करने का फैसला लेना पड़ेगा। जिससे बिजली सप्लाई पूरी तरह से ठप हो जाएगी। नहर विभाग से संपर्क कर पानी को छोड़ने के लिए कहा गया है। पानी आने पर इन यूनिटों को फिर से चालू कर दिया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 14 नवंबर - 2023

सीमा पर बेवजह गोलीबारी

अपना पडोसी मुल्क पाकिस्तान खुद अपनी परेशानियों से जूझने में भले ही नाकाम रहा हो लेकिन सीमा पर से उसकी गंदी हरकतें बराबर जारी हैं। आए दिन बेवजह गोलीबारी कर वह अपनी मंशा भी जाहिर कर रहा है कि उसे चाहे जितना कूटो, लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज आने वाला नहीं है। अब तो दुनिया भी मान गई है कि यही उसकी फितरत है कि वह अनायास ही भारत को उकसाने के लिए भारतीय सीमा में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देता रहता है। जब इसमें असफल होता है तो फिर घुसपैठ जैसी हरकतों से भी बाज नहीं आता। दूसरी ओर भारत है कि वह आए दिन ऐसी समस्याओं से खुद ही निपटता रहता है। आतंकवादियों को उसी की भाषा में उत्तर भी देने में विश्वास करता है। लेकिन लातों का भूत बन चुका पाकिस्तान, भारत की इसी सहनशीलता का फायदा उठाने की कोशिश में लगा रहता है। अब तो उसका दुस्साहत इतना बढ़ गया है कि वह बिना किसी उकसावे के भी भारतीय सीमा पर अनायास ही गोलीबारी शुरू कर देता है। देखा जाए तो कभी-कभी वह एक तरह से युद्ध जैसे हालात पैदा करने की कोशिश करता है। बीते हप्ते की बुधवार को देर रात सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तानी रेंजरों ने अनायास ताबडतोड गोलियां बरसाई। उसकी गोलीबारी का हमारे बीएसएफ के जवानों ने मुंहतोड जवाब दिया। बहरहाल पाकिस्तानी गोलीबारी की जद में आने से एक भारतीय हेड कांस्टेबल की मौत हो गई। बता दें कि यह कोई पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने इस तरह की बेलगाम और अराजक हरकत की है। द्विपक्षीय सहमति के बावजूद पिछले चौबीस दिनों में यह तीसरी बार है जब अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की ओर से नियमों को ताक पर रख कर युद्ध विराम का उल्लंघन किया गया है। जाहिर है जवाबी कार्रवाई के तहत उसे इसका परिणाम भी भुगतना पडेगा। बता दें कि 25 फरवरी 2021 को भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम समझौते पर हस्ताक्षर किया गया था। तब से बिना किसी उकसावे के पाकिस्तान की सीमा के भीतर से भारत की ओर गोलीबारी की यह छठी घटना है। हाल ही में जम्मू के अरनिया और सुचेतगढ़ सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान ने करीब सात घंटे तक लगातार गोलीबारी की थी। तब भी बीएसएफ के जवानों ने मुंहतोड़ जवाब देकर उसे सबक सिखाया था। बार-बार मुंह की खाने और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आए दिन बुरी तरह लताडे जाने के बावजूद पाकिस्तान अपनी आदत से बाज नहीं आ रहा है। दुनिया के ताकतवर देशों के सामने और संयुक्त राष्ट्र के मंचों पर वह भारत पर जब-तब अंगुली उठा कर खुद पीडित होने का नाटक करता रहता है। पड़ोसी देशों के साथ संबंधों और सीमा पर स्थिति को लेकर अंतरराष्ट्रीय नियम-कायदों का खयाल रखना उसने कभी गवारा नहीं समझा। इसके बाद भी वह आए दिन दुनिया भर में खुद को एक पीड़ित देश के रूप पेश कर भारत पर निराधार आरोप लगाता है। सीमा पर नाहक गोलीबारी की लगातार घटनाओं के बावजूद न तो उसे किसी को इसका कारण बताने की जरूरत महसूस होती है और न ही वह इस बारे में कोई सफाई देता है। सवाल है कि अगर बिना किसी वजह के पाकिस्तान की ओर से ऐसी लगातार हरकतों के बाद भारत उसे उकसावे की कार्रवाई बताए और इस पर उचित प्रतिक्रिया दे, तब इसे कैसे देखा जाएगा? भारत अपनी ओर से अति संयम बनाए रखता है और पाकिस्तान के चरित्र और उसकी हरकतों के बारे में संयुक्त राष्ट्र को बताता रहता है। जगजाहिर तथ्य है कि कई आतंकी संगठनों का पनाहगार खुद पाकिस्तान बना हुआ है जहां से वह आतंकी गतिविधियां संचालित करता रहता है। अब घोषित तौर पर युद्ध विराम को धता बताते हुए भारत की ओर नाहक गोलीबारी करके क्या पाकिस्तान आतंकवादी संगठनों के समांतर ही दिखना चाहता है? यह बेवजह नहीं है कि पाकिस्तान की शिकायतों को अब आमतौर पर निराधार ही माना जाने लगा है। उसकी साख इतनी गिर गई है कि अब तो शायद ही कोई देश उसकी बात पर विश्वास करता है।

विनम्रता,सज्जनता को कमजोरी ना समझिए

संजीव ठाकुर

समाजीकरण की प्रक्रिया में मानवता का प्रथम कदम विनम्रता के साथ शुरू हो तो सफलता उसके कदम चूमना शुरु करती है। विनम्रता मनुष्य के जीवन का वह सद्गुण है जो उसे हर मुसीबत से विजयी होना सिखाता है। सदाशयता भी यदि विनम्रता के साथ जुड़ जाए तो मनुष्य को ऊंचाइयों पहुंचने से कोई रोक नहीं सकता है। प्रत्येक मनुष्य जीवन में उस ऊंचाई को अर्जित करना चाहता है, जिसका उसने जीवन में कभी स्वप्न देखा हो, यह जीवन का आवश्यक अंग भी है क्योंकि जीवन की सफलता और सार्थकता एक दूसरे पर आश्रित आवश्यक अंग है। मनुष्य मूल प्रवृत्ति से स्वार्थी, अंहकारी होता है, किंतु जैसे जैसे अपने आसपास के वर्तमान संपर्क में आता है उसकी मूल प्रवृत्ति का लोप होते जाता है तथा नए विचारों का प्रभाव उस पर ज्यादा से ज्यादा होने लगता है। समाज के सामाजिक ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए सहिष्णुता, करुणा ,सदाशयता आदि गुणों का विकास होता है और इन्हीं गुणों के मिश्रण से विनम्रता रूपी सद्गुण का समन्वय के साथ विकास होता है। विनम्रता के मामले में हम यह कह सकते हैं कि यह वह गुण है जिसे प्रकृति में महान लोगों को ही नवाजा है,या यह कहना चाहिए कि विनम्रता, संयम,सहजता आदि गुणों से ही सामान्य व्यक्ति महानता की ओर अग्रसर होता है। तुच्छ और अंहकारी व्यक्ति विनम्रता को ग्रहण नहीं कर सकता और कूप मंडूक ही बना रहता है। थोड़ा ज्ञान लेकर व्यक्ति 'अधजल गगरी छलकत जाए' की भांति विनम्रता को त्याग देता है ऐसे में वह ना आधा रह पाता है ना ही पूरा हो पाता है। क्योंकि बड़ा और महान व्यक्ति अपनी प्रशंसा को भी सामान्य ढंग से अंगीकृत करता है और प्रशंसा सुनकर फूल कर कुप्पा नहीं हो जाता है। महान सुकरात ज्ञानी होकर भी कहते थे कि मैं अभी कुछ नहीं जानता मैं अज्ञानी हूं, इस संदर्भ में कबीर ने बहुत अच्छी सूक्ति कही बड़ा भया तो क्या भया जैसे पेड़ खजूर, पंथी को छाया नहीं फल लागे अति दूर यदि व्यक्ति कोई उपलब्धि हासिल कर ले तो उसका अंहकार करने की बजाय समाज के हित में उसका उपयोग करना चाहिए ना कि केवल अपने तक सीमित रखना चाहिए क्योंकि बिना सार्वजनिक हित व उपलब्धि निरर्थक है। फ़ल आने पर वृक्ष झुक जाते हैं उसी प्रकार उपलब्धि पाने पर व्यक्ति को विनम्र हो जाना चाहिए। विनम्रता,सदाशयता वह गुण हैं जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारती है और अहंकार व्यक्तित्व को रसातल पर ले जाता है, क्योंकि अहंकारी व्यक्ति की किसी ज्ञान के प्रति स्वीकारोक्ति लगभग शून्य होती है। विनम्रता को आत्मसात करने वाला व्यक्ति सदा नए विचारों के प्रति आकर्षित रहता है और विनम्रता के साथ नए ज्ञान को आत्मसात करते हुए उसके व्यक्तित्व में स्वतः निखार आने लगता है।

मुफ़्त अनाज और चुनावी रेवड़ियाँ जनता का मुँह बंद करने के लिए हैं ?

श्रवण गर्ग

देश के अस्सी करोड़ ग़रीब अगर चाहें तो इस चुनाव-पूर्व घोषणा को प्रधानमंत्री की तरफ़ से दीपावली के तोहफ़े के तौर पर भी स्वीकार कर सकते हैं कि आने वाले पाँच और सालों तक उन्हें मुफ़्त के अनाज की सुविधा प्राप्त होती रहेगी। सरकार को इस वक्त चिंता सिर्फ़ दो ही बातों की सबसे ज़्यादा है ! पहली ग़रीबों की और दूसरी हिंदुत्व की। चिंता को यूँ भी समझा जा सकता है कि हिंदुत्व की रक्षा के लिए ग़रीबों को बचाए रखना ज़रूरी है ! सत्तारूढ़ दल जानता है कि सक्षम और अमीर लोग तो भारत देश की नागरिकता त्याग कर अन्य मुल्कों में बसने जा सकते हैं पर जिस ग़रीब आबादी को सरकार उसकी ज़रूरत का अनाज स्वयं ख़रीद पाने में सक्षम नहीं बना पाई उसे तो यहीं रहना पड़ेगा। वैसे भी 142 करोड़ से ज़्यादा की आबादी वाले देश में पासपोर्ट धारकों की संख्या दस करोड़ से भी कम है। अतः भारत को 'हिंदू राष्ट्र' घोषित करने के लिए ग़रीब आबादी पर निर्भरता हमेशा क़ायम रहने वाली है। ग़रीबी को बनाए रखना सत्ताओं के लिए चुनावी कारणों से भी ज़रूरी हो जाता है।('ग़रीबी हटाओ' का नारा बावन साल पहले 1971 के लोकसभा चुनावों के दौरान इंदिरा गांधी ने पहली बार दिया था और 1984 में जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने तब इसी नारे का उपयोग पाँचवीं पंचवर्षीय योजना में किया गया)।अपने चुनावी वायदे के मुताबिक़ मोदी सरकार अगर हर वर्ष दो करोड़ नए रोज़गार उपलब्ध करवाती रहती तो पिछले नौ सालों के दौरान अठारह करोड़ लोग अपने पैरों पर खड़े हो जाते और वे सोच-समझकर वोट देने की क्षमता प्राप्त कर लेते। राजनीतिक रूप से समझदार सत्ताएँ नागरिकों का इस तरह से समझदार हो जाना क़तई पसंद नहीं करतीं। साल 2011 में हुई आख़िरी जनगणना के अनुसार देश की आबादी 121 करोड़ थी। इतनी आबादी के 81.35 करोड़ लोगों को ज़रूरतमंद मानते हुए जुलाई 2013 से मुफ़्त अनाज वितरित किया जा रहा है। योजना जब चालू की गई तब मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार सता में थी। भाजपा ने तब इस योजना का विरोध किया था। योजना के प्रारंभ होने के तत्काल बाद ही मई 2014 में मोदी सरकार सत्ता में आ गई। किसी ने सवाल नहीं किया कि यूपीए सरकार की जिस योजना का विरोध भाजपा ने किया था उसे क्यों चालू रखा जा रहा है ? इतना ही नहीं, 2011 से 2023 की अवधि के बीच जो ग़रीब देश में बढ़ गए होंगे वे अपने अनाज का इंतज़ाम किस तरह कर रहे होंगे ?ग़रीबों को मुफ़्त अनाज देने की योजना की अवधि लोकसभा चुनावों के पहले दिसंबर में समाप्त होना थी। चूँकि ग़रीबों के हितों को लेकर सरकार लगातार चिंतित रहती है और संयोग से पाँच राज्यों में विधानसभा चुनाव भी इसी बीच हो रहे हैं, पीएम ने छत्तीसगढ़ की एक चुनावी सभा में योजना को पाँच और सालों के लिए बढ़ाने की घोषणा नवम्बर के पहले सप्ताह में ही कर दी। पीएम की घोषणा पर लाभार्थियों ने इसलिए ज़्यादा तालियाँ नहीं बजाई होंगी कि न तो वर्तमान हुकूमत और न ही आगे कभी सत्ता में आने वाली कोई सरकार ही योजना को बंद करने की हिम्मत दिखा पाएगी। मुफ़्त अनाज वितरण की योजना पाँच साल के लिए आगे बढ़ाने की घोषणा करते हुए पीएम ने छत्तीसगढ़ की चुनावी सभा में कहाः ' ग़रीबी से निकला हुआ मोदी जो ग़रीबी को जी कर आया है ग़रीबों को ऐसे ही असहाय नहीं छोड़ सकता। कितने भी संकट आ जाएँ, ग़रीबों के बच्चों को भूखा नहीं सोने दूँगा। ग़रीब का चूल्हा नहीं बुझने दूँगा।' मुफ़्त अनाज बाँटने की योजना पर हर साल 4,00,00,00,00,000 (चालीस हज़ार करोड़ रुपए) या पाँच साल में दो लाख करोड़(20,00,00,00,00,000) रुपए खर्च होंगे। चुनावों के दौरान की रेवड़ियों के खर्च अलग से है। साठ हज़ार करोड़ रुपये के वार्षिक खर्च का बजट प्रावधान 'मनरेगा' के लिए है। मुफ़्त अनाज वितरण की योजना का लाभ लेने वाले अग्रणी राज्यों में यूपी, असम, गुजरात, एमपी, महाराष्ट्र (सभी भाजपा शासित) के अलावा पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, राजस्थान, कर्नाटक और झारखंड आदि हैं। विकास के रोल मॉडल के रूप में प्रचारित गुजरात में 74.64 प्रतिशत ग्रामीण और 48.25 प्रतिशत शहरी आबादी इस योजना का लाभ ले रही है। 125 देशों के लिए जारी किए गए वैश्विक भुखमरी सूचकांक-2023(Global Hunger Index-2023) में भारत 111 वें स्थान पर है। सूची के अनुसार श्रीलंका 60वें, नेपाल 69वें, बांग्लादेश 81वें और पाकिस्तान 102वें स्थानों पर हैं। कल्पना ही की जा सकती है कि मुफ़्त में अनाज वितरण की योजना अगर बंद कर दी जाए या उसमें कोई कटौती कर दी जाए तो परिणाम क्या होंगे ? ग़रीब जनता शायद घरों के दरवाज़ों पर थाली-कटोरियाँ बजाना बंद करके सड़कों पर अपने ख़ाली पेट बजाना प्रारंभ कर देगी। पिछले साल आईआईएम कलकत्ता के दीक्षा समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख आशीष कुमार चौहान ने कथित तौर पर सुझाव दिया था कि कोविड के दौरान मुफ़्त भोजन कार्यक्रम के विस्तार में भूमिका के लिए पीएम को नोबेल शांति पुरस्कार दिए जाने पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। कांग्रेस सहित किसी भी विपक्षी दल में सवाल करने की हिम्मत नहीं कि बजाय रोज़गार के नए अवसरों का निर्माण करने के ग़रीबों की सुरक्षा के नाम पर मुफ़्त की सुविधाओं का विस्तार कहीं नागरिकों को अकर्मण्य बनाने, उनके मुँह बंद करने, प्रतिरोध की आवाज़ को दबाने और सरकार की ख़ुद की राजनीतिक सुरक्षा के लिए तो नहीं किया जा रहा है ? बिहार की जाति जनगणना और आर्थिक सर्वेक्षण के आँकड़ों ने ग्यारह करोड़ की आबादी वाले राज्य में पचहत्तर सालों में हुए विकास की खाल उधेड़ कर रख दी है। बिहार की एक तिहाई आबादी आज़ादी के इतने सालों के बाद भी आज सिर्फ़ दो सौ रुपए रोज़ की आय पर ज़िंदगी बसर कर रही है और इसमें सामान्य वर्ग भी शामिल है। जिस दिन पूरे देश की जाति जनगणना के साथ आर्थिक असमानता के आँकड़े भी उजागर हो जाएँगे हो सकता है दस-बीस करोड़ सक्षम लोगों की सीमित संख्या को छोड़ पूरे देश को मुफ़्त की सुविधाओं का लाभ प्रदान करने की ज़रूरत पड़ जाए।

http://shravangarg1717.blogspot.com

भारत की चाणक्य नीति में छटपटाता पाकिस्तान

राज सक्सेना

अफगानिस्तान से तेरा मेरा रिश्ता क्या, 'ला इलाहो इल्लिल्लाह' की हमेशा दुहाई देने वाला पाकिस्तान अब तालिबानी हमलों से बीसियों वर्षों से पीड़ित होकर पाकिस्तान में शरण लिए हुए लाखों विस्थापित अफगानियों को जो पूरी तरह से पाकिस्तानी रंग में रंग चुके थे और पाकिस्तान में व्यापार या नौकरी के माध्यम से अपना जीवनयापन कर रहे थे, को अचानक विभिन्न बहानों से निकाल रहा है। वे बीस-बीस साल तक के बच्चे जिनका जन्म ही पाकिस्तान की गलियों में हुआ था और जो अफगानी भाषा और संस्कृति से सर्वथा अनभिज्ञ हैं, को भी अंतराष्ट्रीय कानूनों और कश्मीर में मानवीय नियमों जिनकी माला प्रतिदिन जपने का काम जो पाकिस्तान करता था, अब उन्हें ताक पर रखकर उन्हें बेदर्दी से पाकिस्तान से खदेड़ रहा है। भारत सरकार पिछले कुछ वर्षों से देशहित में चकित कर देने वाले कदम उठा रही है जिनके बारे में पहले सोचा ही नहीं जाता था। शायद हम अपनी विदेश नीति को वोट बैंक की तुष्टिकरण की नीति पर चलते हुए, एक ऐसे सांचे में ढाल चुके थे जिसमें किसी मुस्लिम देश को छूने से भी हमें डर लगता था। हम राष्ट्रहित और जनहित के सर्वथा विरुद्ध जाकर कोई ऐसा काम करने से डरने लगे थे जिससे देश का एक तथाकथित थोक वोट बैंक नाराज हो जाये मगर यह सरकार देश हित और जनहित को आगे रख कर ऐसे ऐसे कदम उठा रही है जो आश्चर्यजनक परिणाम दे रहे हैं। मुस्लिम भाईचारे के नाम पर पाकिस्तान ने तालिबानी प्रकरण में दोहरी चाल चली। एक ओर तो उसने तालिबानी आतंकियों को पाकिस्तान में पूरी छूट देकर अफगानिस्तान की अमेरिकी और भारत समर्थित सरकार को नुकसान पर नुकसान पंहुचाकर परेशान करना जारी रखा। वहीं दूसरी ओर आतंकवादियों से स्वयं पीड़ित होने का ढोंग कर भरपूर अमरीकी और संयुक्तराष्ट्र सहायता भी प्राप्त की। मगर यह सब देर तक नहीं चल सका और अमेरिका पाकिस्तान की चालों को समझ गया। 15 अगस्त, 21 को जब पूरा भारत आजादी के जश्नों में डूबा था, तालिबानी कंट्रोल के नाम पर आतंकवादियों से लड़ रही अमेरिकी फ़ौज और उसके समर्थन पर राज कर रही अफगान सरकार के बड़े पदाधिकारी रातोंरात सैन्य साज सामानों को वैसा ही छोडकर पलायन कर गये और बड़ी शान के साथ पाकिस्तानी फ़ौज के एक बड़े पदाधिकारी के नेतृत्व में तालिबानी लड़ाकों ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया। एकाध जगह विरोध हुआ भी मगर उसे पाकिस्तानी वायु सेना के सहयोग से दबा दिया गया। पाकिस्तान सरकार ही नहीं, भारत के भी कुछ 'तेरा मेरा रिश्ता क्या' विचारधारा के लोगों ने खुले आम जश्न मनाया। अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान का फिर से कब्ज़ा हो गया था। पूरे पाकिस्तान में जश्न मनाया जा रहा था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान तो जैसे फूले नहीं समा रहे थे। उनके अनुसार उन्होंने भारत से बंगलादेश की हार का बदला ले लिया था। मगर वे यह भूल गये थे कि अब भारत पुराना भारत नहीं रहा है। अब वहां 'मोदी राज' है जो 'छेड़ो तो छोड़ता नहीं है'। भारत के लिए यह सचमुच एक बहुत बड़ा झटका था। अरबों डालर की योजनायें फंस गयीं थीं। विश्व की राजनीति में चाणक्य बन चुके मोदी चुप रहे और अपनी शतरंजी चालों को चलते रहे। भारत के अधिकारियों और विदेश मंत्री ने कतर की मदद से दोहा में तालिबान के सदस्यों के साथ कई गुप्त मुलाकातें कीं। तालिबान के अफ़ग़ानिस्तान कब्जा करने के बाद की स्थिति पर विचार विमर्श किया गया। क्या फायदे नुकसान हो सकते हैं। सब पर बात हुई। यह ख़बरें मीडिया में भी आई लेकिन उन्हें दबा दिया गया। भारत की ओर अफगानिस्तानी रुझान का कारण भी था। अफ़ग़ानिस्तान को पाकिस्तान ने हमेशा से अपने हित के सामरिक शक्ति मात्र के तौर पर इस्तेमाल किया था। अफ़ग़ानिस्तान में सोवियत आक्रमण के बाद से ही अफ़ग़ानिस्तान को एक सामरिक और भू-राजनैतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जाता रहा था। जब रूस विभाजित हो गया और उसके टुकड़े हो गये तो इस्लामिक जिहाद को भारत की ओर मोड़ कर जम्मू कश्मीर को अशांत कर दिया गया। भारत हमेशा अफगानिस्तान के मामले में पीछे रह जाता था। हम अपने अच्छे रिश्तों का इस्तेमाल कर ही नहीं पाते थे। हमारी अजीबोगरीब नीतियों के चलते तालिबान हमारे लिए त्याज्य ही रहा। उसके साथ रिश्ते रखना हमारे लिए नैतिक रूप से सही नहीं माना जा रहा था। इसका दुष्परिणाम यह हो रहा था कि इसका फायदा पाकिस्तान तो उठा ही रहा था, चीन भी उठाने लगा। अगस्त 2021 में फिर वही स्थिति आ गई थी। अफ़ग़ानिस्तान में भारत के पक्ष वाली सरकार चली गई और फिर से वहाँ आतंकवादियों की सरकार बन गई। वैसे यह तो होना ही था क्योंकि अमेरिका के जाने के बाद जो शक्ति शून्यता होनी थी, उसे भरने में केवल और केवल तालिबान ही सक्षम था। इस घटनाक्रम से अफगानिस्तान में लगे हमारे तीन बिलियन डालर डूब रहे थे जो भारत ने वहाँ इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण में लगाए थे। पाकिस्तान के एक मंत्री तो यह भी कहने लगे कि तालिबान उन्हें कश्मीर दिला ही देगा। काबुल के पतन के बाद आइएसआई प्रमुख और पाकिस्तानी सेना के कई वरिष्ठ अफसर काबुल में बैठ कर मौज मना रहे थे। ऐसा लग रहा था बाजी फिर एक बार फिर भारत के हाथों से निकल गई है और कश्मीर में एक बार फिर से आतंकवाद का वही खौफनाक दौर शुरू होने ही वाला है लेकिन आज का भारत जुझारू भारत है। वह पर्वत काट कर रास्ते बनाता है। एक वर्ष बीतते बीतते स्थिति पूरी तरह बदलने के आसार नजर आने लगे। इसी सप्ताह पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने कहा है कि अगस्त 2021 के बाद पाकिस्तान पर तालिबान के हमले बढ़ गए हैं। एक हजार से अधिक पाकिस्तान के सैनिक और अफसर मारे जा चुके हैं। वज़ीरिस्तान, एफएटीए, बिलोचिस्तान और अन्य जनजाति क्षेत्रों में जबरदस्त हिंसा हो रही है।कश्मीर का सपना देखने वाले पाकिस्तान को अब टीटीपी एटॉक तक का हिस्सा वापस लेने की धमकी दे रहा है। उसने डुरंड रेखा को तो कभी माना ही नहीं है। भारत और पाकिस्तान की नीति में मूलभूत अंतर यही है कि जहां पाकिस्तान अफगानिस्तान को धमकाने की नीति पर चल रहा है तो भारत उसकी सहायता कर रहा है। अफगानिस्तान में गेहूं की कमी हुयी तो भारत गेहूँ भेजने की कूटनीति अपना रहा है। पाकिस्तान ने जब भारत को रास्ता देने से मना कर दिया तो भारत ने ईरान के रास्ते सामान भेज दिया।

अन्नकूट पर्व के दिन गौपूजा का है विशेष महत्व

योगेश कुमार गोयल

पांच दिवसीय दीवाली पर्व की शुरूआत धनतेरस से होती है और चौथे दिन कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को गोवर्धन पूजा की जाती है लेकिन इस वर्ष गोवर्धन पूजा की तिथि को लेकर लोगों में भ्रम की स्थिति है। दरअसल इस बार कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 13 नवम्बर को दोपहर 2 बजकर 56 मिनट से हो रही है और समापन 14 नवम्बर को दोपहर 2 बजकर 36 मिनट पर होगा। चूंकि हिन्दू धर्म में उदया तिथि को विशेष महत्व दिया जाता है, इसीलिए द्रिक पंचांग के अनुसार गोवर्धन पूजा का पर्व 14 नवम्बर को मनाया जाएगा। हालांकि कुछ ज्योतिषाचार्यों के अनुसार 13 नवम्बर को भी गोवर्धन पूजा की जा सकती है लेकिन 14 नवम्बर को गोवर्धन पूजा करने का शुभ मुहूर्त प्रातः 6.43 से प्रारंभ होकर 8.52 तक सर्वोत्तम है। 14 नवंबर 2 बजे के बाद भाई दूज की तिथि शुरू जाएगी। कार्तिक मास की शुक्ल प्रतिपदा को मनाए जाने वाले इस पर्व को 'अन्नकूट पर्व' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन घर में गाय के गोबर से गोवर्धन की मानव रूपी आकृति बनाकर उसकी पूजा की जाती है तथा तरह-तरह के व्यंजन बनाकर गोवर्धन को भोग लगाया जाता है। इन व्यंजनों को 'छप्पन भोग' की संज्ञा दी जाती है। अन्नकूट पर्व के दिन गौपूजा का भी विशेष महत्व है। इसी कारण इस दिन बहुत से लोग गाय, बैल तथा अन्य पशुओं की सेवा करते हैं और गायों की आरती भी उतारी जाती है। इस दिन शाम के समय गोवर्धन पूजन के समय भगवान विष्णु, भगवान श्रीकृष्ण के साथ-साथ दैत्यराज महाप्रतापी एवं महादानवीर बलि का भी पूजन किया जाता है। माना जाता है कि इस पर्व का प्रचलन द्वापर युग से शुरू हुआ था और तभी से हर वर्ष कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को यह पर्व मनाया जाता रहा है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने देवराज इन्द्र के अहंकार को चूर-चूर कर गोकुलवासियों को गोधन के महत्व से परिचित कराया था। इस दिन गोबर से गोवर्धन बनाकर उसकी पूजा की जाती है। वेदों में इस दिन वरूण, इन्द्र और अग्निदेव के पूजन का भी विधान है। पुराणों में बताया गया है कि इस दिन भगवान विष्णु ने लक्ष्मी सहित समस्त देवी-देवताओं को बलि की कैद से मुक्त कराया था। इस पर्व के संबंध में द्वापर युग की एक कथा प्रचलित है। एक बार भगवान श्रीकृष्ण अपने बाल सखाओं के साथ गायों को चराते हुए गोवर्धन पर्वत की तराई में पहुंच गए। वहां उन्होंने देखा कि हजारों गोप-गोपियां बड़े उत्साह से नाच-गाकर कोई उत्सव मना रहे हैं और 56 प्रकार के व्यंजन वहां रखे हैं। श्रीकृष्ण के पूछने पर गोपियों ने बताया कि आज के दिन वृत्रासुर नामक राक्षस का वध करने वाले मेघों व देवों के राजा इन्द्र का पूजन किया जाता है क्योंकि उनकी कृपा से ही ब्रज में वर्षा होती है और अन्न पैदा होता है। यह सुनकर श्रीकृष्ण ने वहां उपस्थित समस्त ब्रजवासियों से कहा कि अगर देवराज इन्द्र स्वयं यहां आकर भोग लगाएं, तभी तुम्हें यह उत्सव मनाना चाहिए। ब्रजवासी श्रीकृष्ण की बात से सहमत नहीं हुए। गोपियों ने श्रीकृष्ण से कहा, 'अगर इन्द्र को प्रसन्न करने के लिए 'इन्द्रोज' नामक यह यज्ञ नहीं किया गया तो समस्त ब्रजवासियों को इन्द्र के कोप का सामना करना होगा और समूचा ब्रज अकाल या बाढ़ की चपेट में आ जाएगा। इसलिए हमें यह यज्ञ हर हाल में करना ही चाहिए।' इस पर श्रीकृष्ण ने कहा, 'इन्द्र में क्या शक्ति है? उससे ज्यादा शक्तिशाली तो हमारा यह गोवर्धन पर्वत है और ब्रज में इसी के कारण वर्षा होती है। इसलिए हमें इन्द्रोज यज्ञ करने के बजाय गोवर्धन की पूजा करनी चाहिए।' काफी वाद-विवाद के पश्चात ब्रजवासी इन्द्र के बजाय गोवर्धन की पूजा करने के लिए तैयार हो गए। सभी अपने घरों से पकवान लाकर श्रीकृष्ण द्वारा बताई विधि के अनुसार गोवर्धन का पूजन करने लगे। श्रीकृष्ण ने तब गोवर्धन पर्वत में अपना दिव्य रूप प्रविष्ट कराकर स्वयं गोवर्धन के रूप में समस्त व्यंजनों का भोग लगाया और ब्रजवासियों को आशीर्वाद दिया। ब्रजवासी गोवर्धन को प्रसन्न करने के लिए किए गए अपने यज्ञ को सफल मानकर बड़े प्रसन्न हुए। नारद मुनि ने इन्द्र को इस घटना की जानकारी दी तो इन्द्र इसे अपना अपमान मानकर क्रोध के मारे फुफकार उठा और मेघों के जरिये ब्रज में तबाही शुरू कर दी। ब्रजवासियों की घबराहट देख श्रीकृष्ण ने उन्हें गोवर्धन पर्वत की शरण में चलने को कहा और गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठ उंगली पर उठा लिया। इस प्रकार पूरे सात दिन तक ब्रजवासी गोवर्धन के नीचे सुरक्षित रहे।

प्याज का रोना

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

वैश्विक संकटों, राजनीतिक घोटालों और आर्थिक मंदी से भरी दुनिया में, इन दिनों प्याज गरमागरम मुद्दों के बीच सिरताज बना बैठा है। हाँ, यह सही है दोस्तों, प्याज की कीमत आसमान छू रही है, जिससे हर जगह उपभोक्ताओं के दिल और जेब को झटका लग रहा है। अपने आप को संभालें क्योंकि हम प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी की इस दिल दहला देने वाली कहानी में गहराई से उतरेंगे, जो सचमुच आपको आंसू बहाने पर मजबूर कर देगी। जब हम प्याज की कीमतों में वृद्धि के विनाशकारी परिणामों से जूझने का प्रयास करते हैं तो शब्द हमारे लिए कम पड़ जाते हैं। अचानक, हमारी पसंदीदा सब्जी एक विलासिता की वस्तु बन गई है, जिससे प्याज प्रेमी निराशा की स्थिति में हैं। वे दिन गए जब हम कीमत पर नज़र डाले बिना ही प्याज को अपनी शॉपिंग कार्ट में डाल देते थे। अब, हमें एक प्याज खरीदने के लिए किए जाने वाले बलिदानों के मुकाबले एक प्याज के मूल्य को ध्यान में रखते हुए, वैकल्पिक निर्णय लेने की जरूरत आ पड़ी। आइए एक पल के लिए उस साहसी यात्रा के प्रति सहानुभूति रखें जो हमारे प्यारे प्याज हमारी प्लेटों तक पहुंचने से पहले शुरू करते हैं। जमीन की गोद से निकलने के बाद से ही प्याज को अनगिनत बाधाओं का सामना करना पड़ता है। वे तंग ट्रकों में ले जाए जाने का साहस करते हैं, शायद पाक जगत में प्याज के अनुचित लाभों के बारे में पड़ोसी आलू की शिकायतें सुन रहे हैं। फिर, वे खुद को किराने की दुकानों में प्रदर्शन पर पाते हैं, उत्सुकता से उस दिन का इंतजार करते हैं जब कोई खरीदार उन्हें चुनेगा, लेकिन बढ़ी हुई कीमत के कारण उन्हें धोखा दिया जाता है। ओह, उन पाक प्रेमियों को कितनी पीड़ा होती है जो प्याज के बिना स्वादिष्ट व्यंजन बनाने का सपना देखने का साहस करते हैं! चाहे वह प्याज आधारित सब्जी की स्वादिष्ट सुगंध हो या प्याज के छल्लों का स्वादिष्ट कुरकुरापन, इस साधारण सब्जी की अनुपस्थिति व्यंजन को अधूरा छोड़ देती है, उस जादू से रहित जो केवल एक प्याज प्रदान कर सकता है। हमें इस ऐतिहासिक त्रासदी का गवाह बनना चाहिए, जहाँ रसोइयों और घरेलू रसोइयों के हाथों से प्याज छीन लिया जाता है, जिससे वे रसोई में अपने गुप्त हथियार से वंचित हो जाते हैं। जैसे-जैसे कीमतें अकल्पनीय ऊंचाइयों तक पहुंचती हैं, हम प्याज बाजार के अंधेरे हिस्से में प्रवेश करते हैं - कुख्यात प्याज काला बाजार। हम नहीं जानते थे कि प्याज में एक छिपी हुई शक्ति होती है, जो आम नागरिकों को रातों-रात गुप्त व्यापारी बनाने में सक्षम होती है। भूमिगत प्याज साम्राज्य की बीजदार दुनिया से पता चलता है कि हम इन कीमती, तीखे क्षेत्रों को हासिल करने के लिए कितनी दूर तक जाएंगे। मंद रोशनी वाली गलियों में छिपी छायादार आकृतियों की तस्वीर लें, जो गुप्त पासफ्रेज़ और अचिह्नित बिलों के लिए प्याज का आदान-प्रदान करने के लिए तैयार हैं।

भाई दूज 14 या 15 नंवबर को

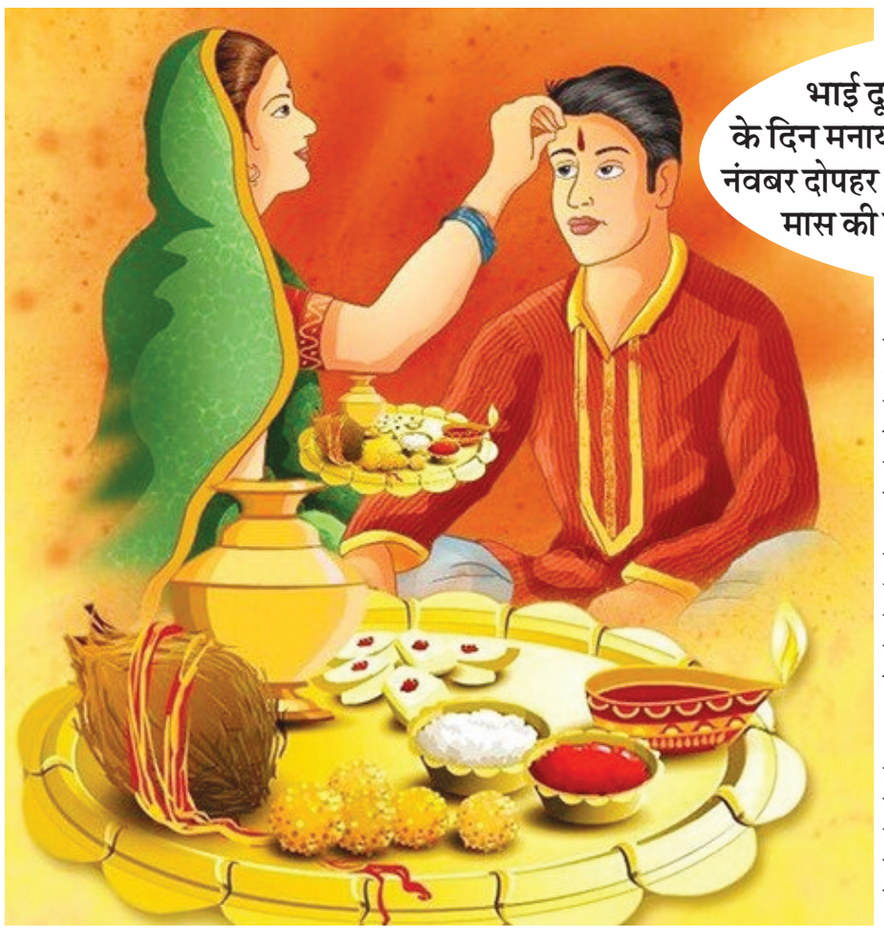

भाई दूज का पर्व 15 नंवबर, 2023 बुधवार के दिन मनाया जाएगा। कार्तिक मास की द्वितीया तिथि 14 नंवबर दोपहर 2. 36 मिनट से शुरु हो जाएगी। वहीं कार्तिक मास की द्वितीया तिथि का समापन 15 नंवबर को 1. 47 मिनट पर होगा।

भाई दूज का पर्व कार्तिक मास में दिवाली के बाद मनाया जाता है। कार्तिक मास में हिंदू धर्म में बहुत से त्योहार पड़ते हैं। करवाचौथ, धनतेरस, दिवाली, छठ पूजा आदि। इसी मास में भाई दूज का पर्व भी पड़ता है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। भाई दूज को यम द्वितीया भी कहा जाता है।

साल 2023 में किस दिन मनाई जाएगा भाई दूज का पर्व आइये जानते हैं। भाई दूज भाई बहन का पवित्र त्योहार है। इस दिन बहने अपने भाईयों को टीका करती हैं और उनकी लंबी उम्र की कामना करती है। साल 2023 में भाई दूज 15 नंवबर के दिन मनाया जाएगा।

इस लिहाज से आप दोनों ही दिन भाई दूज का पर्व मना सकते हैं। 14 नंवबर को दोपहर के बाद से आप टीका कर सकते हैं। ये पर्व भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है। इस दिन भाई अपने बहन के पास जाकर टीका करवाते हैं।

कैसे करें भाई दूज पर पूजा ?

भाई दूज पर बहने अपने भाईयों को टीका लगाती है। टीका लगाने के बाद भाई की आरती उतारती हैं। ऐसा माना जाता है कि कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर यमुना जी ने यमराज को अपने घर पर टीका किया और भोजन कराया था और इसी पूजा के बाद यमराज को सुख की प्राप्ति हुई। तभी से भाई दूज मनाने की परंपरा चली आ रही है। इसीलिए इस दिन को यम द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है।

बाणासुर कुंड में गंगा और यमुना की जलधाराओं का होता है मिलन

कभी बाणासुर ने यहां खुद को ही कर दिया था भस्म!

कहते हैं ना वरदान कब अभिशाप बन जाए और जान ले जाए यह कहना थोड़ा सा मुश्किल है। यह रिपोर्ट भी कुछ ऐसी ही है। पौराणिक कथाओं में जिक्र आता है कि बाणासुर एक राक्षस था, जो भगवान शिव का परम भक्त था उसने भगवान शिव से यह वरदान मांगा था कि वह जिसे भी छुए वह भस्म हो जाए और यही वरदान उसकी मृत्यु का कारण भी बना। इसी बाणासुर का कुंड रुद्रप्रयाग जिले में स्थित है। जहां वह नाचते नाचते भस्म हो गया था।

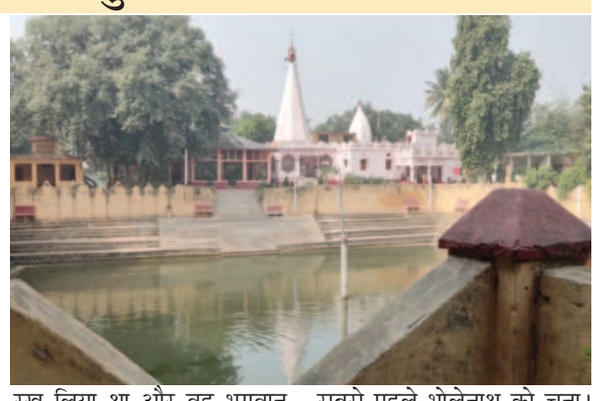

रुद्रप्रयाग जिले के गुप्तकाशी से 3 किलोमीटर की दूरी पर नारायण कोटी नामक गांव में बाणासुर का कुंड स्थित है। जिसमें गंगा और यमुना की जलधाराएं प्रवाहित होती है। कुंड के नजदीक नवग्रहों का मंदिर स्थित है।

जहां स्थानीय ग्रह शांति के लिए पहुंचते हैं। कहा जाता है कि भगवान विष्णु ने मोहनी (स्त्री) रूप धर कर भस्मासुर को यहां खूब नचवाया था। और नाचते नाचते उसने अपने ही सिर में हाथ रख लिया था और वह भगवान शिव के आशीर्वाद के अनुसार भस्म हो गया।

नवग्रह मंदिर के नजदीक है बाणासुर कुंड

स्थानीय जबर सिंह बताते हैं कि नवग्रह मंदिर के नजदीक ही भस्मासुर कुंड स्थित है। मान्यता के अनुसार, भस्मासुर ने भगवान शिव से वरदान लिया था कि वह जिसके भी सिर में वह हाथ रखेगा वह भस्म हो जाएगा।

क्योंकि भस्मासुर को इस वरदान को किसी पर आजमाना था इसलिए उसने इस काम के लिए सबसे पहले भोलेनाथ को चुना। साथ ही बताते हैं कि जब पूरा संसार उससे परेशान हो गया था तब भगवान विष्णु ने सुंदरी रूप धारण किया और भस्मासुर को नाचने के लिए प्रोत्साहित किया। जिसके बाद भस्मासुर ने नाचते नाचते अपने ही सिर पर हाथ रख दिया और वह इसी स्थान पर भस्म हो गया।

बताते हैं कि इसी भस्मासुर कुंड में आज भी गंगा और यमुना दो जल धाराएं प्रवाहित होती हैं। जिसका उल्लेख केदारखण्ड में भी मिलता है।

दिवाली के बाद दीए का क्या करें?

99% लोग करते हैं गलती करें 4 आसान उपाय

हिंदू धर्म के बड़े त्योहारों में से एक दिवाली 12 नवंबर को धूमधाम से मनाई गई। यह हर साल कार्तिक माह की अमावस्या तिथि को मनाई जाती है। इस त्योहार का इंतजार लोग सालभर करते हैं। 5 दिन तक चलने वाले इस त्योहार का हर दिन बेहद खास होता है। माना जाता है कि अमावस्या तिथि के दिन मां लक्ष्मी रात्रि में खुद धरती पर पधारती हैं और घर-घर में विचरण करती हैं। साथ ही कर्मों के अनुसार लोगों को फल देती हैं। यही वजह है कि लोग मां को प्रसन्न करने के लिए कई उपाय करते हैं। वैसे तो लोग कई उपाय करते ही हैं, लेकिन कई लोगों का एक सवाल रहता है कि दिवाली के बाद आखिर दीए का क्या करें? हालांकि, दीए के कुछ उपाय बताए गए हैं, जिन्हें करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में हमेशा सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। दिवाली के बाद दीए का क्या करना चाहिए?-

दिवाली में जलाए दीए के 4 चमत्कारी उपाय

5 दीए घर में रखें: ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, दिवाली के बाद दीए के उपाय करने से घर से नकारात्मक शक्तियां नष्ट होती हैं। ऐसे में दिवाली के बाद जलाए गए दीए में से 5 दीया घर में रखें और बाकी बच्चों में बांट दें। इस उपाय को करने से घर में सुख-शांति और समृद्धि का वास होता है और व्यक्ति के जीवन में आ रहे सभी दुख दूर हो सकते हैं।

नदी में प्रवाहित करें: दिवाली के बाद जलाए गए दीयों को आप नदी या बहते हुए पानी में प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि, ज्यादातर लोग घर में भी कई दीए रख लेते हैं, जोकि गलत है। दरअसल, पुराने दीए घर में निगेटिविटी बढ़ाते हैं। इसके साथ ही घर से सुख-शांति भी

छिन सकती है। यही वजह कि दिवाली के बाद दीयों को नदी में प्रवाहित कर देना चाहिए।

घर में छिपाकर रखें दीए: ज्यादातर लोग दिवाली में जलाए गए दीए नदी में प्रवाहित नहीं कर पाते हैं। यदि ऐसा है तो इन दीयों का घर में छिपाकर यानी ऐसी जगह रखें जहां किसी की नजर ना पड़े। कहते हैं कि घर में रखे दीए देखकर घर से निकला शुभ नहीं होती है। बना बनाया काम भी बिगड़ सकता है। इसके लिए बेहतर है कि इन दीपों को घर में छिपाकर रखें। ऐसा करने से आपको लाभ हो सकता है।

दीए दान करें: दिवाली में जलाए दीयों को दान करना शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि इससे व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है और उसके जीवन में हमेशा खुशियों बनी रहेंगी और मां लक्ष्मी (मां लक्ष्मी मंत्र) का भी वास होता है। इसके अलावा, सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं।

नौकरी की राह होगी आसान! 17 नवंबर को होगा सूर्य का गोचर, सफलता के लिए इस राशि वाले करें ये उपाय

हिंदू धर्म में हर व्रत का पालन करने से मन की इच्छा पूरी होती है और परिवार में सुख-शांति का वातावरण बना रहता है। वहीं, हर ग्रह गोचर किसी न किसी शुभ या अशुभ संकेत को लेकर आता है। ऐसे में सूर्य गोचर को लेकर भी खास मान्यताएं हैं। ऐसा माना जाता है कि इस गोचर में कोर्ट-कचहरी के मामले सुलझाने के लिए तो शुभ होता ही है, इसके अलावा सरकारी नोकरी का भी मार्ग प्रशस्त करता है। इस गोचर को 17 नवंबर को मनाया जाएगा। पंडित रिपुसूदन ठाकुर के मुताबिक जब सूर्य एक राशि को छोड़कर दूसरे राशि में प्रवेश करता है तो इसे सूर्य गोचर या फिर संक्रांति कहते हैं।

सूर्य के गोचर को साधारण शब्दों में समझें तो इसका मतलब है कि सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करना। इसे सूर्य का गोचर के साथ सूर्य संक्रांति भी कहा जाता है।

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य को नव ग्रहों के राजा माना जाता है। यह एक राशि में करीब एक माह तक रहते हैं। ऐसे में यह एक साल के दौरान 12 राशियों में प्रवेश कर जाते हैं। गोचर के दौरान सूर्य हर राशि के अलग-अलग भावों में स्थित होकर उन्हें प्रभावित करता है।

सरकारी नौकरी का सपना हो सकता है साकार

मेष राशि से छठे शत्रु भाव में गोचर करते हुए सूर्य का प्रभाव बेहतरीन रहेगा। काफी दिनों से लंबित पड़े हुए कोर्ट कचहरी के मामले सुलझेंगे। गुप्त शत्रु परास्त होंगे। यात्रा देशाटन का भी लाभ मिलेगा। किसी भी तरह की सरकारी सर्विस के लिए आवेदन करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से भी ग्रह गोचर अनुकूल रहेगा। उन्होंने बताया कि सोची-समझी रणनीति कारगर सिद्ध होगा।

वेद व्यास और शुकदेव की सीख

वेद व्यास और शुकदेव से जुड़ा प्रसंग है। चारों वेदों का संपादन करने वाले वेद व्यास के यहां शुकदेव का जन्म हुआ था। शुकदेव जन्म लेते ही ज्ञानी और वैरागी हो गए थे।

शुकदेव बहुत प्रतिभाशाली थे। जन्म लेने के तुरंत बाद शुकदेव अपना घर छोड़कर जा रहे थे। उस समय पुत्र मोह में फंसे वेद व्यास उन्हें रोकने की कोशिश करने लगे।

वेद व्यास ने शुकदेव से कहा कि तुम हमारी संतान हो। बड़ी तपस्या के बाद तुम्हारा हमारे यहां जन्म हुआ है। जन्म लेते ही तुम अपने माता-पिता को छोड़कर कैसे जा सकते हो?

शुकदेव ने कहा कि आप पुत्र मोह की वजह से ये बातें कह रहे हैं। मेरे जन्म का एक उद्देश्य है। आप मुझे जाने दीजिए। मुझे मेरे ज्ञान से, वैराग्य से सभी लोगों का भला करना है।

व्यास जी ने शुकदेव को समझाते हुए कहा कि संतान से ही माता-पिता को सुख मिलता है। संतान की वजह से माता-पिता की सभी दिक्कतें दूर होती हैं। लोग इसलिए बच्चे की कामना करते हैं।

शुकदेव ने कहा कि पिता जी आप मोह में फंसे हुए हैं, इसलिए मुझे रोक रहे हैं। आप मुझे जाने दें, मेरे जन्म का उद्देश्य सिर्फ माता-पिता की सेवा करना नहीं, बल्कि समाज कल्याण करना है।

व्यास जी को ये बातें समझ आ गईं और उन्होंने शुकदेव को खुशी-खुशी जाने दिया।

वेद व्यास और शुकदेव की सीख पिता-पुत्र की ये बातचीत हमें ये संदेश दे रही हैं कि हमेशा बड़े ही सही बोलते हैं, ऐसा नहीं है। कभी-कभी बच्चे भी सही बात कह देते हैं। बड़ों की जिम्मेदारी है कि अपने बच्चों की बातें भी ध्यान से सुनें और जो बातें सही हों, उन्हें स्वीकार भी करें। बच्चों की बातों पर भी ध्यान देंगे तो कई समस्याएं दूर हो सकती हैं।

गोवर्धन पर्वत का महत्व, 7 कोस की परिक्रमा करने से पूरी होती हैं मनोकामना

दिवाली के अगले ही दिन भक्तों को इंतजार रहता है गोवर्धन पूजा का। लेकिन इस बार सूर्यग्रहण की वजह से गोवर्धन पूजा दिवाली के तीसरे दिन मनाई जा रही है। मुख्य रूप से यह त्योहार उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब और हरियाणा जैसे उत्तरी राज्यों में मनाया जाता है।

इस पूजा में गोवर्धन पर्वत, गोधन यानि गाय और भगवान श्री कृष्ण की पूजा का विशेष महत्व है। इसके साथ ही वरुण देव, इंद्र देव और अग्नि देव देवाताओं की पूजा का भी विधान है।

लेकिन जिस गोवर्धन पर्वत को समर्पित करते हुए यह पूजा की जाती है, क्या आपको उसके बारे में पता है? जी हां, गोवर्धन पूजा, मथूरा के गोवर्धन पर्वत के लिए की जाती है, जिसे भगवान श्रीकृष्ण की महिमा के कारण देवता के रूप में पूजा जाता है। श्रीकृष्ण का एक नाम गिरिराज के रूप में भी प्रसिद्ध है।

श्री कृष्ण और गोवर्धन पर्वत

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, गोकुल के लोग इंद्र देव (वर्षा के देवता) के सम्मान में उत्सव मनाते थे। वे हर मानसून के अंत में इंद्र देव की पूजा करते थे। इस कारण इंद्र देव को घमंड होने लगा कि उनसे ज्यादा ताकतवर कोई नहीं है। उनके घमंड को तोड़ने के लिए श्रीकृष्ण ने युवावस्था में लीला रची।

उन्होंने गोकुल के लोगों को भगवान इंद्र की पूजा करने से रोक दिया। और उन्हें गोवर्धन पर्वत की पूजा करने के लिए कहा, जिनकी वजह से गायों को

चारा मिलता था, मेघ बारिश लेकर आते। इससे क्रोधित इंद्र देव ने जलप्रलय किया। पूरा गोकुल जलमग्न हो गया। ऐसे में, श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत से मदद मांगी और उन्होंने अपनी छोटी उंगली से गोवर्धन पर्वत को उठा लिया। इस पर्वत के नीचे मनुष्यों और जानवरों को आश्रय मिला।

यहीं से कृष्ण का एक नाम गोवर्धनधारी पड़ा। इसके बाद, इंद्र ने भगवान कृष्ण की महानता को स्वीकारा और अपने अहंकार का त्याग किया।

गोवर्धन परिक्रमा का है महत्व

गोवर्धन पहाड़ी या गिरि राज वृंदावन से 22 किमी की दूरी पर स्थित है। पवित्र भागवत गीता में कहा गया है कि भगवान कृष्ण के अनुसार गोवर्धन पर्वत उनसे अलग नहीं है। इसलिए, उनके भक्त गोवर्धन को पूजते हैं। आज भी गोवर्धन की परिक्रमा का बहुत महत्व है।

कहते हैं कि गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा करने से सबके दुख दूर होते हैं। हालांकि, यह परिक्रमा आसान नहीं है क्योंकि गोवर्धन की परिक्रमा सात कोस यानी की 21 किमी की है। इसे पूरा करने में लोगों को 10 से 12 घंटे लगते हैं और यह परिक्रमा नंगे पैर पैदल चलकर करनी होती है। इसलिए इसका महत्व और बढ़ जाता है क्योंकि हर कोई यह परिक्रमा नहीं कर सकता है।

कैसे होती है गोवर्धन पूजा

गोवर्धन पूजा के दिन गोबर से गोवर्धन बनाकर उसे फूलों से सजाया जाता है। पूजन के दौरान गोवर्धन पर धूप, दीप, नैवेद्य, जल, फल चढ़ाये जाते है। इसी दिन गाय-बैल और कृषि काम में आने वाले पशुओं की पूजा की जाती है। गोवर्धन जी गोबर से लेटे हुए पुरुष के रूप में बनाए जाते हैं। उनकी नाभि के स्थान पर एक मिट्टी का दीपक रख दिया जाता है। इस दीपक में दूध, दही, गंगाजल, शहद, बताशे पूजा करते समय डाल दिए जाते हैं और बाद में प्रसाद के रूप में बांटा जाता हैं।

पूजा के बाद गोवर्धन जी की सात परिक्रमाएं लगाते हुए उनकी जय बोली जाती है। परिक्रमा के वक्त हाथ में लोटे से जल गिराते हुए और जौ बोते हुए परिक्रमा पूरी की जाती है। गोवर्धन गिरि भगवान के रूप माने जाते हैं और उनकी पूजा घर में करने से धन, संतान और गौ रस की वृद्धि होती है।

तलाक के बाद फिर एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं कल्लिरोई-गुलशन, दोबारा शादी पर क्या बोले अभिनेता?

हाड़ अभिनेता गुलशन देवैया अपनी पूर्व पत्नी कल्लिरोई तजियाफेटा के साथ अपने रिश्ते को लेकर इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। उन्होंने इस बारे में बात करते हुए बताया कि वह कैसे तलाक के बाद भी बहुत अच्छे दोस्त बने हुए हैं। गुलशन ने कल्लिरोई को डेट करने का खुलासा करते हुए कहा कि दोस्ती से अब वे वापस कोर्टशिप पर आ गए हैं। गुलशन देवैया और कल्लिरोई तजियाफेटा की शादी 2012 में हुई थी। दोनों का 2020 में तलाक हो गया था। हाल ही में एक बातचीत में गुलशन ने अपनी और कल्लिरोई की कहानी को बेहद दिलचस्प बताया है। उन्होंने बताया कि उन्हें इस बारे में बात करने में कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि वह चाहते हैं कि लोगों को पता चले कि भले ही लोगों के बीच बुरी चीजें होती रहती हैं, लेकिन जो बचाने लायक है, उन

चीजों को हमेशा सुधारा भी जा सकता है।

गुलशन से उनकी पूर्व पत्नी को डेट करने को लेकर सवाल किया गया और इसके पीछे की कहानी पूछी गई। गुलशन ने शुरुआत से इसके बारे में बताते हुए कहा कि जब वह यात्रा कर रहे थे, तब उनकी मुलाकात कल्लिरोई तजियाफेटा से हुई थी और उन्हें प्यार हो गया था। इसके बाद दोनों ने शादी कर ली, लेकिन एक समय बाद चीजें मुश्किल होने लगी थीं। अभिनेता ने कहा, 'सिर्फ प्यार में होना ही काफी नहीं था। हम एक-दूसरे के साथ लगातार बातचीत करने के इच्छुक नहीं थे और फिर मैं एक ऐसे पेशे में भी काम कर रहा था जो बेहद अस्थिर और अप्रत्याशित है। तो आप ऐसा कुछ चाहते हैं, जो आपके जीवन में उसे संतुलित करने के लिए हो। मैं निराश था कि मेरी शादी मुझे वह स्थिरता नहीं दे रही थी।' इसके बाद उन्होंने तलाक लेने का फैसला लिया था।

उन्होंने बताया कि उन्हें बाद में एहसास हुआ कि एक-दूसरे के लिए उनका प्यार अभी भी कायम है। गुलशन देवैया ने कहा, 'हमने इसे दोस्ती के रूप में बदल दिया, और हम ऐसा कर सके। मैं वास्तव में उसका भी आभारी हूं कि उसने प्रयास किए और मैं अपने प्रयासों से काफी खुश हूं। तो दोस्ती से और यह कोर्टशिप तक वापस आ गया है।' वहीं उन्होंने शादी के सवाल पर कहा, 'मुझे नहीं पता। मैं ज्यादा सोचना नहीं चाहता। मैं बस यहीं रहना चाहता हूं और अभी इस पल का आनंद लेना चाहता हूं।'

सलमान खान ने ऐश्वर्या राय बच्चन को लगाया गले? फैंस का चकराया सिर

फैशन डिजाइनर मनीष मलहोत्रा ने हाल ही में बॉलीवुड स्टार्स के लिए दिवाली पार्टी रखी थी, जिसमें बड़े बड़े सितारे शामिल हुए. इसी पार्टी की एक तस्वीर इंटरनेट पर जमकर वायरल हो रही है. इसी बीच में एक फोटो सामने आई है जिसने हर किसी को सोचने पर मजबूर कर दिया है. दरअसल सलमान खान की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी पसंद की जा रही है.

इस तस्वीर में सलमान एक लड़की को गले लगते हुए दिख रहे हैं. तस्वीर में लड़की का फेस नहीं दिख रहा है लेकिन उनके कुछ हाव-भाव और कपड़े बॉलीवुड ऐश्वर्या राय से काफी मैच कर रहे हैं. ऐसे में लोगों ने अंदाजा लगाना शुरू कर दिया कि इस पार्टी में सलमान खान और

ऐश्वर्या राय बच्चन ने पुराने गिले शिकवे मिटाकर एक दूसरे को गले लगाया है और यह तस्वीर उन्हें दोनों की है? अगर आप भी तस्वीर का सच जानना चाहते हैं कि आखिर वो पिंक सूट वाली लेडी कौन हैं जिन्हें सलमान खान हग कर रहे हैं तो चलिए आपको सच से रूबरू कराते हैं.

बता दें कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रही ये तस्वीर मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी की. जहां बॉलीवुड के कई सारे सितारे शामिल हुए थे. पार्टी में सलमान खान और ऐश्वर्या राय भी मौजूद थे. पार्टी में ऐश्वर्या लाल सूट में देखी गई थी, जबकि सलमान खान ग्रे टी-शर्ट जींस में दिखे. हालांकि एक नए वीडियो में दावा किया गया है कि पार्टी छोड़ने से पहले सलमान खान और ऐश्वर्या राय गले मिले थे. रेडिट पर शेयर किए गए एक वीडियो में सलमान पार्टी में लाल जोड़ा पहने एक लेडी को गले लगाते नजर आ रहे हैं.

जानें क्या है पूरा सच

ऐसा इसलिए कहा जा रहा कि पार्टी के दौरान ऐश्वर्या रेड आउटफिट में शामिल हुई थी. ऐसे में नेटिजंस ने अनुमान लगाया कि सलमान ऐश्वर्या को गले लगा रहे थे. हालांकि यह जल्द ही स्पष्ट हो गया कि वीडियो में दिख रही महिला ऐश्वर्या नहीं बल्कि सूरज पंचोली की बहन सना पंचोली हैं. जी हां. पार्टी में रेड ड्रेस में सूरज पंचोली की बहन सना भी शामिल हुई थी. इसके साथ ही सना सलमान के काफी करीब भी है. ऐसे में पार्टी में सलमान ने सना को गले लगाया था न कि ऐश्वर्या को. सोशल मीडिया पर वायरल हो रही क्रॉप्ड फोटो सना की ऐश्वर्या राय की नहीं.

'मॉडलिंग को बनाया था सहारा', करियर के शुरुआती संघर्षों को याद कर भावुक हुईं सामंथा

साउथ सिनेमा की खूबसूरत और टैलेंटेड अभिनेत्रियों में शुमार सामंथा रुथ प्रभु अपनी फिल्मों के साथ ही अपनी निजी जिंदगी के लिए सुर्खियों में रहती हैं। काम से ब्रेक लेकर इन दिनों सामंथा अपनी हेल्थ पर पूरा ध्यान दे रही हैं। लेकिन इसके बाद भी अभिनेत्री अपने फैंस के साथ अक्सर अपडेट साझा करती हैं। अब हाल ही में, सामंथा ने अपने संघर्ष के दौर को याद किया और बताया कि उन्होंने कैसे इन परिस्थितियों से गुजर कर खुद को मजबूत बनाया है।

हाल ही में, एक इंटरव्यू में सामंथा रुथ प्रभु ने उन दिनों को याद किया जब मॉडलिंग ने उन्हें उस समय सहारा दिया, जब चीजें सच में काफी मुश्किल थीं। सामंथा को उस समय यह बिल्कुल समझ नहीं आ रहा था कि उनका करियर कैसे आगे बढ़ेगा । ऐसे में अभिनेत्री

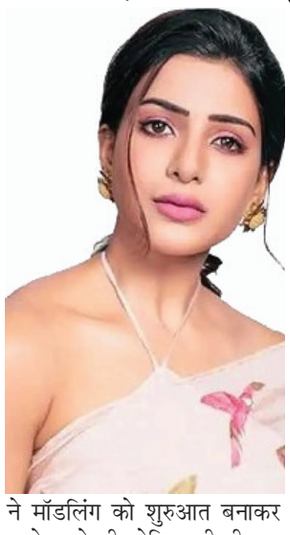

ने मॉडलिंग को शुरुआत बनाकर आगे बढ़ने की कोशिश की थी।

इंटरव्यू में सामंथा ने बताया कि उनका ध्यान हमेशा भारतीय घर के किसी भी सामान्य बच्चे की तरह अपनी शिक्षा पर था। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह उन बच्चों में से एक थीं, जिन्हें कड़ी मेहनत से पढ़ाई करना पसंद था। उनके लिए अभिनय कभी भी प्रकार का कोई विकल्प नहीं था। मॉडलिंग ने उन्हें उस समय एक उद्देश्य दिया जब उनके घर में हालात कठिन थे और वह आगे की पढ़ाई नहीं कर सकीं।

इंटरव्यू में सामंथा ने बताया कि उनका ध्यान हमेशा भारतीय घर के किसी भी सामान्य बच्चे की तरह अपनी शिक्षा पर था। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह उन बच्चों में से एक थीं, जिन्हें कड़ी मेहनत से पढ़ाई करना पसंद था। उनके लिए अभिनय कभी भी प्रकार का कोई विकल्प नहीं था। मॉडलिंग ने उन्हें उस समय एक उद्देश्य दिया जब उनके घर में हालात कठिन थे और वह आगे की पढ़ाई नहीं कर सकीं।

सामंथा ने कहा कि वह शुरुआत में मॉडलिंग में खराब थीं और उन्हें खुशी है कि वह अब उन दिनों की किसी भी चीज का उपयोग नहीं करती हैं। अभिनेत्री को लगता है कि अगर वह अपने पूरे करियर में ऐसी ही बनी रहती तो एक बड़ी मुश्किल बन जातीं। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि जब भी उन्हें टीवी पर अपने करियर के शुरुआती दौर से कोई विज्ञापन या कोई अन्य काम मिलता है, तो वह हमेशा घबरा जाती हैं और चैनल बदलने के लिए दौड़ती थीं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो सामंथा रुथ प्रभु को आखिरी बार फिल्म 'खुशी' में देखा गया था। इस फिल्म में अभिनेत्री विजय देवरकोंडा के साथ नजर आई थीं। दर्शकों ने फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स दिया था। इससे पहले वह 'शाकुंतलम' में नजर आई थीं। हालांकि, यह फिल्म दर्शकों को लुभाने में नाकाम रही थी।

क्या वाकई रवीना टंडन ने की थी अजय देवगन के प्यार में सुसाइड करने की कोशिश?

कहा जाता है कि अजय के साथ जब करिश्मा कपूर की नजदीकियां बढ़ गई थी तब रवीना टंडन ने सुसाइड करने की कोशिश की थी । रवीना टंडन अपने टाइम में बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक थीं. 90 के दशक में रवीना का रुतबा एक अलग ही लेवल पर था. उन्होंने उस दौर में हर बड़े हीरो के साथ काम किया था. अक्षय कुमार के साथ भी उनकी कई फिल्म आई थी. रवीना टंडन और अक्षय कुमार के प्यार के चर्चे भी उन दिनों खूब हुआ करते थे. हालांकि क्या आप जानत हैं कि मस्त-मस्त गर्ल का दिल एक बार अजय देवगन के लिए भी धड़का था. 90 के दशक की शुरुआत में जब कई एक्ट्रेस के साथ अजय के लिंक-अप की अफवाहें आया करतीं थी, जिसमें से एक नाम रवीना टंडन का भी था. इस बीच अजय और रवीना टंडन की तगड़ी फाइट भी चली, जिसके कारण एक्टर ने यहां तक कह दिया था कि उनको साइकाइट्री की जरूरत है.

'दिलवाले' के सेट पर आए करीब

अजय देवगन की फिल्म 'दिलवाले' साल 1994 में रिलीज हुई थी, जिसमें उनके अलावा सुनील शेट्टी और रवीना टंडन का अहम रोल था. फिल्म के गाने के अलावा रवीना टंडन के साथ अजय देवगन की केमिस्ट्री ने लोगों का दिल जीत लिया था. रवीना टंडन के साथ उनके अफेयर की चर्चाएं होने लगी थीं. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, तो अजय देवगन और रवीना टंडन ने तब तक एक-दूसरे को डेट किया, जब तक एक्टर करिश्मा कपूर के प्यार में नहीं पड़ गए. ब्रेकअप के तुरंत बाद, दोनों सितारों के बीच झगड़ा हो गया.

रवीना है सबसे बढ़ी झूठी

शायद की अजय के फैंस को मालूम होगा कि अपने फिल्मी करियर के दिनों में अजय देवगन के कई एक्ट्रेसेस के साथ लव अफेयर के चर्चों ने जोर पकड़ा था. हालांकि रवीना का किस्सा सबसे अधिक मशहूर हुआ था, क्योंकि जुलाई 1994 में फिल्मफेयर मैंगजीन को दिए अपने एक इंटरव्यू में अजय देवगन अपना आपा खो बैठे थे और इस दौरान रवीना टंडन की जमकर क्लास लगाई थी. अजय देवगन ने उस दौरान कहा था कि रवीना टंडन पूरी इंडस्ट्री में सबसे बड़ी झूठी हैं और उन्हें एक अच्छे मनोचिकित्सक को देखने की जरूरत है.

रवीना टंडन ने अजय को डेट करने की बात स्वीकारी है. कहते हैं कि दोनों एक-दूसरे को प्यार भरे खत लिखा करते थे, लेकिन अजय देवगन ने इन सब बातों को झुठला दिया और एक्ट्रेस को मानसिक इलाज की सलाह दे डाली. जब रवीना ने उन लव लेटर्स का जिक्र किया, तो अजय ने उन्हें पब्लिश करने के लिए कहा. इतना ही नहीं, रवीना ने बताया कि वे ब्रेकअप से इतना टूट गई थीं कि उन्होंने खुदकुशी करने की कोशिश की थी. रवीना ने यह सब सिर्फ लाइमलाइट और पब्लिसिटी के लिए किया\ अजय ने अपने इस इंटरव्यू में कई सारी बातें कही थी और उन्होंने कहा था का कि 'मैं उसके बेबुनियाद आरोपों को बर्दाश्त करता रहा हूं, अगर मैं उसके राज उजागर करना शुरू कर दूं तो रवीना किसी का सामना नहीं कर पाएगी.

भारत के अकेले एक्टर जिनकी 7 फिल्में ऑस्कर गईं : शूटिंग में कमल हासन की रिकॉर्ड 38 हड्डियां टूटीं

इंडियन सिनेमा के इतिहास के सबसे बेहतरीन एक्टर में से एक कमल हासन आज 69 साल के हो चुके हैं। उम्र के इस पड़ाव में भी कमल फिल्म इंडियन 2 में बतौर लीड एक्टर नजर आने वाले हैं। ये उन्हीं की ऑस्कर में नॉमिनेट हुई फिल्म इंडियन (1996) का सीक्वल है। इस फिल्म ने 3 नेशनल अवॉर्ड जीते थे।

कमल हासन भारत में सबसे ज्यादा एक्सपेरिमेंट करने वाले अपनी तरह के इकलौते एक्टर हैं। चाहे वो 4 मिनट की रिवर्स लिपसिंकिंग हो, या प्रोस्थेटिक मेकअप। महज 6 साल की उम्र से एक्टिंग में अपनी छाप छोड़ रहे कमल की 7 फिल्में ऑस्कर भेजी जा चुकी हैं, जो अपने आप में भारतीय सिनेमा का एक बड़ा रिकॉर्ड है।

साउथ और हिंदी फिल्मों के लिए कमल को 19 बार बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला, जिसके बाद उन्होंने खुद अपना नाम इन अवॉर्ड से अलग कर लिया, जिससे दूसरे कलाकारों को भी ये अवॉर्ड मिल सके। 60 सालों के एक्टिंग करियर में ऐसे ही कमल हासन ने न जाने कितने रिकॉर्ड बनाए, जिन्हें आज भी कोई तोड़ नहीं सका।

1 करोड़ फीस लेने वाले भारत के पहले एक्टर कमल हासन के जन्मदिन पर जानिए उनके हीरो बनने की कहानी और उनके ऐसे बेहतरीन रिकॉर्ड्स जो कोई तोड़ नहीं सका-

रिकॉर्ड के बाद कर दिया था आगे अवॉर्ड लेने से इनकार

साल 2000 में जब 19वीं बार कमल हासन को तमिल फिल्म हे राम के लिए बेस्ट एक्टर का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला तो उन्होंने फिल्मफेयर ऑर्गेनाइजेशन को एक लेटर लिखा कि आगे उनका नाम किसी भी कैटेगरी में नॉमिनेट न किया जाए, जिससे नए और यंग सितारों को ये अवॉर्ड दिया जा सके। इसके बावजूद उन्हें नॉमिनेट किया जाता है।

वर्ल्ड सिनेमा में शूटिंग के दौरान सबसे ज्यादा हड्डी टूटने का रिकॉर्ड

स्टंट के मामले में कमल हासन जैकी चैन को कड़ी टक्कर देते हैं। वो अपनी फिल्मों में स्टंट करने के लिए बॉडी डबल का इस्तेमाल करने की बजाय खुद स्टंट करते हैं। अब तक स्टंट करते हुए उनकी 34 हड्डियां टूटी हैं। जबकि स्टंट के लिए मशहूर जैकी चैन की अब तक स्टंट करते हुए 20 हड्डियां टूटी हैं।

1997 में क्वीन एलिजाबेथ ने की थी कमल की फिल्म लॉन्च

साल 1997 में इंग्लैंड की क्वीन एलिजाबेथ तीसरी बार भारत आई थीं। उन्हें कमल हासन की फिल्म मरुध्यानागम के लॉन्च इवेंट में बतौर चीफ गेस्ट बुलाया गया था। क्वीन फिल्म के सेट पर पहुंचीं और उन्होंने फिल्म मरुध्यानागम की लॉन्चिंग की। उन्होंने कमल की फिल्म के सेट पर करीब 20 मिनट बिताए थे। इस फिल्म को ब्रिटिश कंपनी को-प्रोड्यूस कर रही थी, हालांकि कंपनी के बैकआउट करने से ये फिल्म कभी बन ही नहीं सकी।

6 साल की उम्र में एक्टिंग के लिए जीता था राष्ट्रपति अवॉर्ड

कमल ने महज 6 साल की उम्र में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट कलाथुर कनम्मा से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए कमल हासन को राष्ट्रपति अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। इसके बाद कमल ने 5 अन्य फिल्मों में बतौर चाइल्ड एक्टर काम किया।

1981 से फिल्में बना रहे हैं कमल हासन

बतौर यंग कलाकार डेब्यू करने से पहले कमल कई फिल्मों में बैकग्राउंड डांसर भी रह चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने साउथ की कई फिल्में असिस्ट की हैं। लंबे स्ट्रगल के बाद साल 1974 में उन्हें फिल्म कन्याकुमारी में पहली बार लीड रोल निभाने का मौका मिला, जिसके लिए उन्हें पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला था। उनकी बतौर लीड दूसरी फिल्म अपूर्वा रागंगल थी जिसके लिए उन्हें दूसरा फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला।

तमिल सिनेमा में बतौर एक्टर नाम बनाने के बाद कमल हासन ने प्रोडक्शन हाउस राजकमल फिल्म इंटरनेशनल की शुरुआत की और पहली फिल्म राजा पारवई (1981) प्रोड्यूस की। इस फिल्म में कमल हासन ने खुद लीड रोल निभाया था। विक्रम, चाची 420, थेवर मगम, हे राम और विश्वरूपम जैसी हिट फिल्में, कमल हासन के प्रोडक्शन हाउस ने ही बनाई हैं।

अपनी ज्यादातर फिल्में खुद करते हैं डायरेक्ट

1997 की फिल्म चाची 420 से कमल हासन ने बतौर डायरेक्टर करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म को पहले शांतनु शोरे डायरेक्ट कर रहे थे, हालांकि उनके काम से नाखुश होकर कमल ने खुद फिल्म डायरेक्ट की। इसके बाद कमल ने हे राम, वीरूमंडी, विश्वरूपम, विश्वरूपम-2 भी खुद डायरेक्ट की है। इन सभी फिल्मों में वो खुद ही लीड रोल में थे।

किस्से कमल हासन के परफेक्शन के-

बिना स्क्रिप्ट पढ़े साइन नहीं करते फिल्म, मनमोहन देसाई को कर दिया था नाराज

आ गले लग जा, अमर अकबर एंथनी, कुली, मर्द जैसी कल्ट फिल्में बना चुके मनमोहन देसाई सालों पहले कमल हासन को अपनी फिल्म में कास्ट करना चाहते थे। उन्होंने जब कमल को फिल्म ऑफर की तो उन्होंने स्क्रिप्ट पढ़ने की मांग की। मनमोहन देसाई से स्क्रिप्ट मांगने वाले शायद कमल पहले एक्टर थे। ऐसे में वो कमल से इतना नाराज हो गए कि उन्हें अपनी फिल्म में ही नहीं लिया।

प्रोस्थेटिक मेकअप सीखने खुद हॉलीवुड जाकर मेकअप आर्टिस्ट बन गए थे

साल 1996 में कमल हासन ने फिल्म इंडियन में 70 साल के बूढ़े का रोल प्ले किया था, जबकि उस वक्त ये 40 साल के थे। इस रोल के लिए कमल ने प्रोस्थेटिक मेकअप के बारे में सोचा। उस समय भारत में प्रोस्थेटिक मेकअप नहीं आया था। ऐसे में परफेक्शन के लिए कमल खुद हॉलीवुड गए और उन्होंने हॉलीवुड फिल्म रैम्बो 3 के सेट पर ट्रेनिंग ली और सेट पर खुद मेकअप आर्टिस्ट बन गए। कमल पहले इंडियन एक्टर हैं, जिन्होंने इंडियन फिल्मों का परिचय प्रोस्थेटिक मेकअप से करवाया।

डायरेक्टर से नाखुश होकर खुद डायरेक्ट कर दी फिल्म

1997 की फिल्म चाची 420, कमल हासन के प्रोडक्शन हाउस राजकमल इंटरनेशनल फिल्म्स ने प्रोड्यूस की थी। जब 5 दिनों की शूटिंग होने के बाद कमल डायरेक्शन से खुश नहीं हुए तो उन्होंने डायरेक्टर को हटाकर खुद

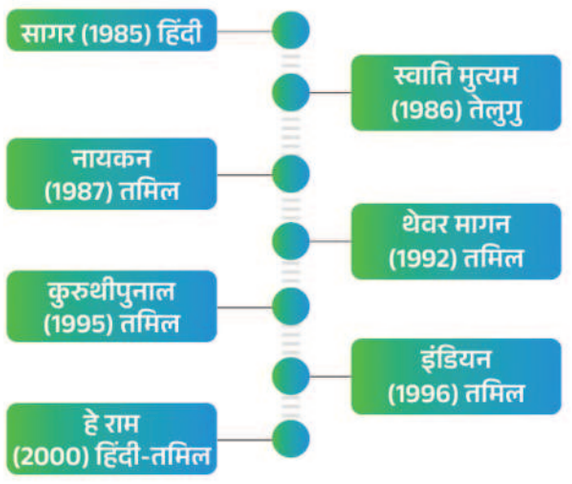

फिल्म डायरेक्ट की। ये बतौर डायरेक्टर कमल की पहली फिल्म थी।

फिल्म में किसिंग सीन देने के लिए छोड़ दी स्मोकिंग

साल 2000 में रिलीज हुई फिल्म हे राम में को-स्टार रानी मुखर्जी के साथ किसिंग सीन देने के लिए कमल हासन ने स्मोकिंग छोड़ दी थी। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, कमल नहीं चाहते थे कि किसिंग सीन शूट करते हुए उनके मुंह से सिगरेट की बदबू आए।

दशावतारम में 10 रोल निभाने के लिए 9 घंटे सिर्फ मेकअप करवाते थे

2008 में रिलीज हुई फिल्म दशावतारम में कमल हासन ने एक साथ 10 रोल निभाकर बड़ा रिकॉर्ड बनाया था। इन रोल्स के लिए उन्हें रोजाना 9 घंटों तक बिना हिले मेकअप करवाना पड़ता था। इसके बावजूद उनके हिलते ही मेकअप बिगड़ने के डर से उन्हें बिना फेस मसल हिलाए घंटों बैठे रहना पड़ता था। मेकअप बचाने के लिए कमल सिर्फ स्ट्रॉ से लिक्विड ही पी पाते थे।

फिल्म देखकर प्रेमी जोड़ों ने की थी आत्महत्या, बदलना पड़ा क्लाइमैक्स

5 जून 1981 को रिलीज हुई फिल्म एक दूजे के लिए में रति और कमल ने सपना और वासु नाम के प्रेमी जोड़े की भूमिका निभाई। जाति भेद के कारण समाज और परिवार उनके रिश्ते के खिलाफ हो जाता है और दोनों को अलग करने की पूरी कोशिश करता है। दोनों अलग तो हो जाते हैं, लेकिन जब कोई रास्ता नहीं बचता तो दोनों एक साथ पहाड़ से कूदकर आत्महत्या कर लेते हैं।

आत्महत्या के मामले रोकने के लिए सरकारी संस्थाओं ने मेकर्स से इस फिल्म का क्लाइमैक्स बदलने को कहा। मेकर्स ने बात मानते हुए क्लाइमैक्स बदला तो जरूर, लेकिन दर्शकों की डिमांड पर उनको पुराना क्लाइमैक्स ही दिखाना पड़ा।

हॉलीवुड डायरेक्टर भी करते हैं फिल्मी नॉलेज की सराहना

मशहूर डायरेक्टर मणिरत्नम का मानना है कि कमल हासन वो हर चीज कर सकते हैं, जो दूसरा कोई एक्टर नहीं कर सकता। हॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर बैरी एम. ऑसबर्न भी कमल हासन के फिल्मी, लिटरेचर और इतिहास के ज्ञान को एन्साइक्लोपीडिया कहते हैं। कमल की फिल्मों से प्रेरित होकर कई हॉलीवुड फिल्में भी बन चुकी हैं। अमिताभ बच्चन, ममूटी, वेंकटेश, शाहरुख खान भी कमल हासन की एक्टिंग के फैन हैं। शाहरुख खान, कमल के इतने बड़े फैन हैं कि उन्होंने 2000 की फिल्म हे राम में कमल के साथ काम करने के लिए फीस नहीं ली थी।

एक फिल्म की 1.50 करोड़ फीस लेते हैं कमल हासन

कमल हासन ने अपनी अपकमिंग फिल्म इंडियन 2 के लिए 150 करोड़ रुपए फीस चार्ज की है। इससे पहले कमल हासन ने 2022 की फिल्म विक्रम के लिए 50 करोड़ लिए थे। कोईमोई वेबसाइट के मुताबिक फिल्म कल्कि 2898AD के लिए कमल ने 40 करोड़ रुपए चार्ज किए हैं।

1994 में 1.5 करोड़ रुपए फीस लेकर एक करोड़ से ज्यादा फीस लेने वाले कमल पहले इंडियन एक्टर हैं। रिपोर्ट के अनुसार कमल की नेटवर्थ 100 मिलियन डॉलर यानी 832 करोड़ रुपए है। कमल अपने चेन्नई स्थित घर में रहते हैं, जिसकी कीमत 30 करोड़ रुपए बताई जाती है।

24 साल की उम्र में की थी पहली शादी

साल 1978 में कमल हासन ने डांसर वाणी गणपति से शादी की थी। उस समय कमल महज 24 साल के थे। हालांकि, कुछ सालों बाद दोनों ने तलाक ले लिया।

तलाक के बाद कमल हासन एक्ट्रेस सारिका के साथ लिव इन रिलेशनशिप में थे, जिससे 1986 में उन्हें बेटी श्रुति हासन हुई। बेटी के जन्म के बाद कमल ने सारिका से शादी कर ली।

इस शादी से उन्हें एक और बेटी अक्षरा भी है। शादी के बाद सारिका ने फिल्मों से दूरी बना ली थी। हालांकि, 2004 में कमल से तलाक लेने के बाद उन्होंने दोबारा फिल्मों में वापसी कर ली। सारिका से अलग होने के बाद कमल ने 13 सालों तक एक्ट्रेस गौतमी को डेट किया था। 2016 में दोनों अलग हो चुके हैं।

ओपनिंग डे पर टॉप 5 से चूकी टाइगर 3

यशराज फिल्म्स की ताजा तरीन पेशकश फिल्म 'टाइगर 3' ने रिलीज के पहले दिन शुरुआती रुझानों के अनुसार सलमान खान की ही फिल्म 'भारत' के पहले दिन के कलेक्शन के आंकड़े को तो पार कर लिया लेकिन फिल्म पहले दिन के कलेक्शन की टॉप फाइव फिल्मों में जगह बनाने से फिर भी चूक गई है। फिल्म का दूसरे दिन का कलेक्शन काफी अहम रहने वाला है। सोमवार की फिल्म की एडवांस बुकिंग भी काफी कमजोर है और अगर ये फिल्म इतवार के मुकाबले सोमवार को उसका आधा भी कारोबार नहीं कर पाई तो 'टाइगर 3' और यशराज स्पाई यूनिवर्स के लिए ये हफ्ता काफी मुश्किल भरा गुजरने वाला है।

वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स फ्रेंचाइजी की पिछली 'पठान' ने रिलीज के पहले दिन 57 करोड़ रुपये की शानदार ओपनिंग ली थी। इस फिल्म के बाद आई शाहरुख खान की अपनी कंपनी की फिल्म 'जवान' का तो ओपनिंग डे रिकॉर्ड ही ऐसा बना है कि जिस तक पहुंचने में अब आने वाली फिल्में हांफ जाया करेंगी। फिल्म 'जवान' ने रिलीज के पहले दिन पूरे देश में करीब 75 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली थी। सलमान खान की सिनेमाघरों मे रिलीज अब तक की फिल्मों में सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्म 'भारत' की 42.30 करोड़ रुपये की रही है, और वहां तक पहुंचने में फिल्म 'टाइगर 3' कामयाब रही। फिल्म 'टाइगर 3' का पहले दिन का कलेक्शन सोमवार सुबह तक आए अनंतिम आंकड़ों के अनुसार 44.50 करोड़ रुपये रहा है। रविवार को रिलीज हुई फिल्म 'टाइगर 3' के तमिल और तेलुगु संस्करणों को दर्शकों ने बिल्कुल तवज्जो नहीं दी है। खबरें ये भी थीं कि यशराज फिल्म्स ने इसके हिंदी संस्करण के सोमवार के शोज आधी रात से ही शुरू कर दिए लेकिन ऐसा कोई शो मुंबई में होता दिखा नहीं। रविवार को फिल्म का पहला शो मुंबई में सुबह छह बजे शुरू हुआ था लेकिन इस शो में फिल्म 'पठान' जैसा जोश दर्शकों में नजर नहीं आया। दक्षिण भारत से मिली जानकारी के अनुसार वहां इस फिल्म को लेकर कहीं कोई क्रेज नहीं है। रिलीज के पहले दिन वहां 'टाइगर 3' ने सिनेमाघरों मालिकों को काफी निराश किया। फिल्म के तमिल संस्करण की पहले दिन की कमाई 15 लाख रुपये और तेलुगु संस्करण की कमाई सवा करोड़ रुपये ही रही है।

गौरतलब है कि सलमान खान की पिछली फिल्म 'किसी का भाई किसी का जान' को भी दर्शकों ने नकार दिया था। यशराज स्पाई यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म 'टाइगर 3' भी उसी रास्ते जाते दिख रही है। करीब 300 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस फिल्म की ओपनिंग फिल्म को सुपरहिट करने के लिए कम से कम 60 करोड़ रुपये होनी चाहिए थी। लेकिन फिल्म का पहले दिन का कलेक्शन करीब 44.50 करोड़ रुपये ही रहा। फिल्म की सोमवार की दोपहर तक की बुकिंग भी काफी निराशाजनक है और फिल्म का मंडे टेस्ट को लेकर कड़ा संघर्ष जारी है। अगर ये फिल्म सोमवार को 25 करोड़ रुपये के आसपास भी नहीं कमा सकी तो इसकी आगे की राह बहुत कठिन होने वाली है।

सलमान खान की सिनेमाघरों में रिलीज फिल्मों में सबसे ज्यादा ओपनिंग लेने का रिकॉर्ड अब 'टाइगर 3' के पास आ गया है। इसके पहले तक ये तमगा फिल्म 'भारत' के पास था जिसने साल 2019 में रिलीज के दिन 42.30 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली थी। फिल्म 'टाइगर 3' के सामने पहले चुनौती इस आंकड़े को ही पार करने की है। टॉप 10 के रिकॉर्ड के मुताबिक सबसे ज्यादा ओपनिंग लेने वाली हिंदी फिल्मों में सलमान खान की फिल्म 'टाइगर 3' छठे नंबर पर है।

सबसे ज्यादा ओपनिंग लेने वाली हिंदी की टॉप 10 फिल्में

जवान (2023)	75.00
पठान (2023)	57.00
वॉर (2019)	53.35
ठग्स ऑफ हिंदोस्तान (2018)	52.25
हैप्पी न्यू ईयर (2014)	44.97
टाइगर 3 (2023)	44.50*

जहरीली हवा सिर्फ फेफड़े नहीं, दिमाग को भी नुकसान पहुंचा रही

एयर पॉल्यूशन से केवल आपके फेफड़े नहीं, बल्कि दिमाग को भी खतरा होता है। जामा जर्नल में दो हालिया स्टडीज के मुताबिक, लंबे समय तक जहरीली हवा में सांस लेने पर आपको डिप्रेशन हो सकता है। यानी वायु प्रदूषण आपकी मेंटल हेल्थ खराब कर रहा है।

क्या कहती हैं दोनों रिसर्च?

पहली स्टडीः नेटवर्क ओपन जर्नल की रिसर्च के अनुसार, लंबे समय तक खराब हवा से एक्सपोज होने से लोगों में डिप्रेशन के लक्षण आ रहे हैं। यह ज्यादातर बुजुर्गों में देखा जा रहा है।

दूसरी स्टडीः जामा साइकियाट्री जर्नल की रिसर्च में वैज्ञानिकों ने कहा है कि हवा में मौजूद दूषित कणों की कम मात्रा से भी आपको डिप्रेशन और एंग्जाइटी हो सकती है।

बुजुर्गों पर हुई रिसर्च

दूसरी रिसर्च में 64 साल से ज्यादा के बुजुर्गों को शामिल किया गया। ये सभी अमेरिका के रहने वाले थे। रिसर्चर्स के मुताबिक, 2005 से 2016 के बीच में 90 लाख में से 15.2 लाख बुजुर्गों में डिप्रेशन के लक्षण देखे गए। ऐसा लंबे समय तक जहरीली हवा में रहने से हुआ। वैज्ञानिकों का कहना है कि लोगों में एक उम्र के बाद ये लक्षण देखने को मिल रहे हैं।

ट्रैफिक, पावर प्लांट का पॉल्यूशन खतरनाक

जिन दूषित कणों के कारण लोगों में डिप्रेशन देखने को मिल रहा है, उनमें ट्रैफिक से निकालने वाला प्रदूषण, धूल, धुआं, नाइट्रोजन डाई-ऑक्साइड, पावर प्लांट से निकलने वाला प्रदूषण आदि शामिल है। रिसर्चर्स का कहना है कि युवाओं में भी इसका असर देखने को मिल सकता है। एयर पॉल्यूशन से उनकी मेमोरी कमजोर होने, शारीरिक बीमारी होने और मौत तक का खतरा है।

एयर क्वालिटी से मेंटल डिसऑर्डर का खतरा

पहली स्टडी में ब्रिटेन और चीन के 3 लाख 90 हजार लोगों को शामिल किया गया। इनकी सेहत को 11 साल तक मॉनिटर किया गया।

वैज्ञानिकों ने पाया कि ब्रिटेन में एयर क्वालिटी खराब होने पर लोगों में डिप्रेशन और एंग्जाइटी के लक्षण देखे गए। यानी बढ़ती उम्र के साथ लोगों को खराब हवा से मेंटल डिसऑर्डर्स का रिस्क होता है।

आलू की सब्जी दोबारा गर्म करना खतरनाक

खाना हमेशा गर्म और ताजा होना चाहिए। लेकिन वह इतना भी गर्म न हो कि शरीर को नुकसान पहुंचाए। हल्का गर्म खाना, पाचन तंत्र में मौजूद एंजाइम को तेजी से रिलीज करता है। जिसके चलते खाना जल्दी पचता है और सेहत बनी रहती है। आयुर्वेदाचार्य पं. अभिषेक उपाध्याय बताते हैं कि गर्म खाना स्वाद में भी बेहतर होता है। लेकिन आजकल की भागदौड़ वाली जिंदगी में लोगों को तीनों टाइम गर्म खाना मिल पाना मुश्किल है। इसके लिए लोग बासी खाने को बार-बार गर्म करते हैं। लेकिन ऐसा करना बहुत खतरनाक है। खासतौर से आलू, अंडा, चिकन और हरी सब्जियों के लिए।खाने को बार-बार गर्म करने से उसके भीतर केमिकल रिएक्शन होता है। जो पोषक तत्वों को जहर में बदल देता है। ऐसे में यह जान लेना जरूरी है कि खाना कब खतरनाक हो जाता है और इसे नेचुरली कैसे गर्म रखा जा सकता है।

खाने में कई तरह के तत्व मिले होते हैं; जब उसे बार-बार गर्म करते हैं तो हीट के चलते खाने के अंदर केमिकल रिएक्शन होने लगता है और कई बार वह जहरीला हो जाता है।

आलू में पनपते हैं बैक्टीरिया, खत्म हो जाते हैं विटामिन और मिनरल्स

लंच में आलू से बना कोई न कोई आइटम होता ही है। जिसे हम बार-बार गर्म करके खाते हैं। लेकिन जानकारों का कहना है कि आलू को दोबारा गर्म नहीं किया जाना चाहिए। क्योंकि ऐसा करने से आलू में मौजूद विटामिन सी, बी-6 और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं।

उबले या पके हुए आलू में नॉर्मल टेम्प्रेचर पर क्लोस्ट्रीडियम बोटुलिनम नाम का बैक्टीरिया पनपने लगता है। जो फूड पॉइजनिंग का कारण बन सकता है। इसीलिए जानकार आलू को पकाने को कुछ घंटों के भीतर ही खाने की सलाह देते हैं। पके या उबले हुए आलू को फ्रिज में रखना भी खतरनाक है। इससे इसमें बैक्टीरिया ज्यादा तेजी से पनपते हैं।

दोबारा गर्म करने पर अंडे का नाइट्रोजन जहरीला हो जाता है

कई लोग सुबह नाश्ते में अंडा या ऑमलेट बनाते हैं और उसे लंच के लिए भी रख लेते हैं। फिर दोपहर में गर्म करके खाते हैं। लेकिन ये सेहत के लिए नुकसानदेह है।

अंडा में नाइट्रोजन होता है। जो दोबरा गर्म करने पर कार्सिनोजेनिक में बदल जाता है। लंबे समय में कार्सिनोजेनिक कैंसर का कारण बन सकता है। यही वजह है कि अंडा को ज्यादा पकाए बगैर पहली बार में ही खा लेना चाहिए।

प्रोटीन और नाइट्रेट वाले खाने को गर्म करना ज्यादा खतरनाक

वैसे तो कमोबेश हर तरह के खाने को दोबारा गर्म करने से उसमें केमिकल रिएक्शन होता है। लेकिन नाइट्रेट और प्रोटीन वाले खाने के साथ ऐसा करना ज्यादा खतरनाक है।

चिकन और सोयाबीन में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन होता है। दोबारा गर्म करने पर ये प्रोटीन टूटकर जहरीला बन जाता है। जिससे फूड पॉइजनिंग हो सकती है।

हरी सब्जियों, साग, चुकंदर और गाजर में नाइट्रेट पाया जाता है। जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। लेकिन बार-बार गर्म करने से ये नाइट्रेट ऐसे केमिकल में बदल जाता है, जो कैंसर का कारण बन सकता है।

ठंडे खाने में पनपे कीटाणु गर्म करने के बाद भी नहीं मरते

बिना पके हुए चावल, आलू और दूसरी सब्जियों में कई सूक्ष्मजीव होते हैं; जो पकाने के बाद खत्म हो जाते हैं। लेकिन खाना जैसे ही ठंडा होता है, ये सूक्ष्मजीव पहले से ज्यादा तेजी से पनपने लगते हैं। क्योंकि खाना को पहली बार पकाते हुए उसके पोषक तत्व कुछ हद तक टूट जाते हैं।

ये बैक्टीरिया जैसे सूक्ष्मजीवों के पनपने के लिए मुफीद स्थिति होती है। खाना के ठंडे होने के बाद उसमें जो सूक्ष्मजीव पनपते हैं, वो उस खाने को कई बार गर्म करने के बाद भी खत्म नहीं होते। क्योंकि वो अपने आप को उस टेंपरेचर के हिसाब से ढाल लेते हैं। यही वजह है कि चावल को भी दोबारा गर्म करने की सलाह नहीं दी जाती।

इस तरह से नेचुरली गर्म रख सकते हैं खाना

खाने को नेचुरल तरीके से गर्म रखना संभव है। इसके लिए बाजार में तमाम बर्तन उपलब्ध हैं। ये बर्तन 8 से 10 घंटे तक खाने को गर्म रख सकते हैं। ऐसे लंच बॉक्सेज भी अवेलेवल हैं।

मगर इन बर्तनों को खरीदते हुए ध्यान रखें कि यह किस मेटल से बने हैं। नकली और पतले किस्म के मेटल खाने के साथ रिएक्शन करते हैं, जिससे खाना खराब हो जाता है। इसके लिए प्लास्टिक भी सही ऑप्शन नहीं है। आजकल गर्म पानी के सहारे खाने के गर्म रखने वाले बर्तन भी मिलने लगे हैं।

कॉफी पीने के स्वास्थ्य लाभ हैं कई, गंभीर रोगों के जोखिम को करती है कम

कॉफी ताजगी और ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने वाला पेय पदार्थ होता है। कई लोगों की नींद बिना कॉफी के खुलती ही नहीं। हालांकि कई रिपोर्ट्स में कॉफी के अधिक सेवन को नुकसानदायक बताया गया है। कॉफी में कैफीन नाम का मुख्य घटक पाया जाता है, जिस के अधिक सेवन से गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन अगर सही मात्रा में कॉफी का सेवन किया जाए तो शरीर के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, कॉफी कई तरह की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

कॉफी पर हुए कुछ अध्ययनों के मुताबिक, कॉफी का सेवन अगर सही मात्रा में किया जाए तो गंभीर रोगों में लाभ मिल सकता है। कॉफी के उच्च स्तर के एंटीऑक्सीडेंट और पोषक तत्व सेहत के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। कई तरह की गंभीर बीमारियों का खतरा भी कॉफी पीने से कम हो सकता है। चलिए जानते हैं सही मात्रा में कॉफी के सेवन से होने वाला स्वास्थ्य लाभ।

कॉफी मधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद

साल 2014 स्टडी के मुताबिक, कॉफी का सेवन लोगों में टाइप-2 मधुमेह के खतरे को कम करता है। शोधकर्ताओं ने 48,000 से अधिक लोगों के डेटा अध्ययन में पाया कि जिन लोगों ने चार सालों में रोजाना कम से कम एक बार कॉफी का सेवन किया है, उनमें मधुमेह का खतरा 11 फीसदी तक कम हुआ है। लेकिन डायबिटीज रोगियों को डॉक्टर की सलाह से ही कॉफी का सेवन करना चाहिए।

कॉफी से लिवर कैंसर का जोखिम होता है कम

2019 में हुए एक अध्ययन के निष्कर्ष में कहा गया कि कॉफी के सेवन से लिवर कैंसर का खतरा कम हो सकता है। इसके पहले साल 2015 में अमेरिका में भी शोधकर्ताओं ने पाया था कि रोजाना दो से तीन कप कॉफी का सेवन करने से प्रतिभागियों में हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा और क्रोनिक लिवर रोग होने का जोखिम करीब 38 फीसदी तक कम हो सकता है।

कॉफी ब्लड प्रेशर को करती है नियंत्रित

कॉफी में पाया जाने वाला कैफीन का सही मात्रा में सेवन फायदेमंद भी होता है। कैफीन के सेवन से रक्तचाप और हृदय स्वास्थ्य को लाभ मिलता है। साल 2018 में हुए एक अध्ययन के मुताबिक, प्रतिदिन तीन से पांच कप कॉफी पीने से हृदय रोग का जोखिम 15 फीसदी तक कम हो सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि रोजाना एक से चार कप कॉफी पीने से दिल की बिमारी के कारण होने वाली मृत्यु दर में भी कमी आती है।

कॉफी चर्बी कम करने में मददगार

कैफीन से शरीर की चर्बी कम होती है। इन दिनों फैट बर्निंग सप्लीमेंट्स में कैफीन पाया जाता है। कैफीन मेटाबॉलिज्म की दर को 3-11% तक बढ़ा सकता है। मोटे व्यक्तियों के फैट को कम करने में कॉफी असरदार है।

सुबह नहीं तो दफ्तर से लौटकर करें इन योगासनों का अभ्यास

योगासन मानसिक और शारीरिक सेहत के लिए लाभकारी है। हालांकि कई बार लोगों के पास सुबह के समय योगाभ्यास का समय नहीं रहता। शाम के वक्त जब कॉलेज या दफ्तर से घर वापस आते हैं तो वह योगासन करना चाहते हैं लेकिन इस असमंजस में रहते हैं कि क्या शाम या रात में योगासन करना लाभकारी होगा। इसका अच्छा असर पड़ेगा? योग विज्ञान के मुताबिक, दिन को चार भागों में बांटा गया है, ब्रह्म मुहूर्त, सूर्योदय, दोपहर और सूर्यास्त। वैसे तो सुबह के समय योगाभ्यास को सबसे बेहतर समय माना जाता है लेकिन अलग अलग समय पर भी योग कर सकते हैं। सुबह के बजाए आप शान को भी योग कर सकते हैं। शाम के समय योग करते समय आपको उतनी दिक्कत भी नहीं होती, जितना सुबह के समय होती है। इसका कारण है कि दिनभर आप कई तरह की एक्टिविटी करते हैं, जिससे शरीर का वार्म अप हो जाता है। वार्म अप के बाद योग या व्यायाम करना आसान हो जाता है। इससे रात में अच्छी नींद भी आती है और शरीर अच्छे से डिटॉक्सीफाई हो जाता है। आइए जानते हैं कि सुबह समय न मिलने पर शाम को कौन से योगासनों को कर सकते हैं और इसके क्या लाभ हैं।

पश्चिमोत्तानासन

शाम के समय आसानी से पश्चिमोत्तानासन का अभ्यास किया जा सकता है। इस योग के अभ्यास से हड्डियों में लचीलापन और पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। पेट की चर्बी कम करने और पाचन तंत्र को सही रखने के लिए यह योगासन असरदार है। अनिद्रा व तनाव की समस्या भी दूर होती है। दिन भी दफ्तर पर लगातार कुर्सी पर बैठकर काम करने वाले लोगों की पीठ व रीढ़ की हड्डी को मजबूत करने के लिए पश्चिमोत्तानासन का अभ्यास किया जा सकता है।

त्रिकोणासन

दफ्तर में काम करते करते अक्सर लोगों की गर्दन, पीठ, कमर में दर्द होने लगता है। शरीर अकड़ जाता है। वहीं महिलाएं भी दिनभर के काम के बाद थकान व पैरों में दर्द की शिकायत से परेशान हो जाती हैं। ऐसे लोगों के लिए शाम के वक्त त्रिकोणासन का अभ्यास काफी फायदेमंद हो सकता है। इस योग से पाचन तंत्र भी ठीक हो सकता है। पेट की चर्बी और मोटापा कम करने के लिए शाम को वक्त निकालकर त्रिकोणासन का अभ्यास करें।

उत्तानासन

शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत रखने के लिए उत्तानासन फायदेमंद है। इस आसन के अभ्यास से पीठ, कमर, पिंडली और टखनों को अच्छे से स्ट्रेच किया जाता है जो शरीर को लचीला बनाता है और दिमाग को शांत रखने व तनाव से राहत दिलाने में मदद करता है।

शाम को योगाभ्यास करते समय रखें इन बातों का ध्यान

अगर आप शाम के वक्त योगासन का अभ्यास करते हैं तो ध्यान रखें कि योग करने के समय और भोजन के बीच कम से कम एक घंटे का समय हो। खाना खाने के तुरंत बाद योग करने से पेट दर्द या अपच की शिकायत हो सकती है। योग के एक घंटे बाद ही कुछ खाना चाहिए।

शाम में योग करते समय पानी पीने का भी नियम है। योगाभ्यास से आधे या एक घंटे पहले पानी पी लें। योग के तुरंत पहले, बीच में या तुरंत बाद बहुत सारा पानी नहीं पीना चाहिए। अगर बहुत अधिक प्यास लगे तो दो से तीन घूंट पानी पी सकते हैं लेकिन इससे अधिक पानी न पीएं।

शाम को योग करना चाहते हैं तो तीन से पांच बजे का समय परफेक्ट होता है। क्योंकि अधिक देरी से योग करने पर आप अभ्यास के तुरंत बात सो जाते हैं, जिससे शरीर को फायदा नहीं मिल पाता।

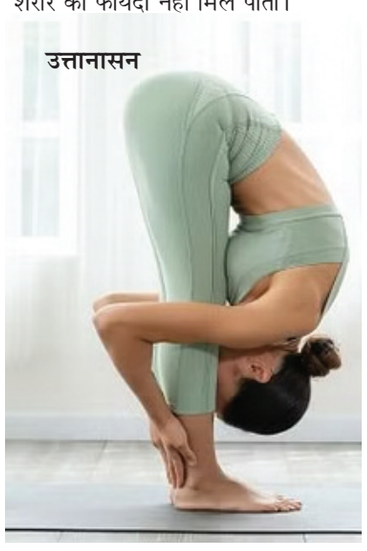

क्या हल्दी में औषधीय गुण भी है?

प्रश्न : मेरी उम्र 52 वर्ष है। मुझे बहुत तकलीफ से पेशाब आता है। इसका आयुर्वेदिक उपचार बताइए।
- आदेश यादव, हैदराबाद

उत्तर : कष्ट के साथ पेशाब आने को आयुर्वेद में 'मूत्रकृच्छ्रता' कहते हैं। इसमें रोगी को मूत्र बड़ी मुश्किल से आता है। यह बीमारी मिर्च मसालेदार भोजन अधिक खाने, खून में विषैला माद्दा भर जाने तथा मूत्राशय में रुकावट उत्पन्न होने के कारण होता है। मूत्र करते समय पीड़ा और जलन होती है पेशाब बूंद बूंद आता है पेड़ों में दर्द और एक प्रकार की अकड़न होती है काम कभी के साथ बुखार भी आ सकता है। इसका आयुर्वेद में उपचार है। घरेलू उपचार में :

* गोखरू का काढ़ा बनाकर उसमें जरा सी जवाखार मिलाकर सेवन करने से आराम मिलता है।

* जवाखार तथा मिश्री पीसकर ठंडे पानी से सेवन करने पर लाभ मिलता है।

* आधा चम्मच जीरा तथा 2 ग्राम गुड़ दोनों को मिलाकर उपयोग करने पर लाभ मिलता है।

आयुर्वेद के प्रसिद्ध योगो में ऊंझा चंद्रप्रभा वटी, गोक्षुरादि गुग्गुलु की दो-दो गोलियों का सेवन दिन में तीन बार करें और भोजन के बाद ऊंझा चंदनासव एवं उशीरासव आधे कप निवाई पानी में 15-15 मिलीलीटर दवा को मिलाकर प्रयोग करने से कष्ट से पेशाब आना बंद हो जाता है। पथ्य में बार्ली का पानी, नारियल का पानी और सुराही का पानी पीने से आराम मिलता है।

प्रश्न : मुझे पिछले दो महीने से हल्का सा बुखार रहता है। एलोपैथिक दवाओं से बुखार नहीं जा रहा है। शरीर दिन प्रतिदिन कमजोर होता जा रहा है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- श्रीमती प्रभा राव, वरंगल

उत्तर : लंबे समय तक हल्का ज्वर बना रहना आंत्रिक ज्वर, राजयक्ष्मा, नाड़ी ज्वर, धातुगत ज्वर आदि के लक्षण है। इसलिए पहले निश्चयात्मक निदान आवश्यक है । रोग का निदान हो जाने पर चिकित्सा आसान हो जाती है। वैसे पुराने ज्वरों में ऊंझा ब्राम्ही स्वर्ण वटी, वसंत मालती रस एवं औरा गिलोय घनवटी को सुबह शाम गुनगुने पानी से देवें। हल्के भोजन के बाद ऊंझा अमृतारिष्ट 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में आधे कप गुनगुने पानी में मिलाकर पिलाएं। ऊंझा संशमनी वटी, तुलसी घनवटी एवं स्वर्ण मालिनी वसंत रस भी दिया जा सकता है। यह चिकित्सा क्रम कम से कम एक मंडल (40 दिन) देवें। पुराने से पुराने ज्वर भी अवश्य शांत होगा।

प्रश्न : रसोई और पूजा में हल्दी का महत्वपूर्ण स्थान है। क्या हल्दी में औषधीय गुण भी है? कृपया कर समझाएं!
- करुणाकर पांडे, हैदराबाद

उत्तर : भारत में हल्दी का हजारों वर्ष से प्रयोग होते रहा है। अपने विशेष गुणों के कारण ही यह रसोई और पूजा का अभिन्न अंग रही है। हर मंगल कार्य में हल्दी का उपयोग होते रहा है। शादी- ब्याह से लेकर मातृशक्ति की पूजा में हल्दी एक प्रधान मांगलिक द्रव्य के रूप में प्रयोग में आती रही है। यह औषधि, मसाला, और भोज्यपदार्थो को रंगने के लिए प्राचीन काल से प्रयोग में आती रही है। आज इस पर हो रहे शोधों ने साबित किया है कि यह एक प्रमुख एंटीऑक्सीडेंट। शोथहर, शूलहर, पाचक , कैंसर- रोधक, एंटीप्लेटलेट, रोग प्रतिरोधक, कृमिघ्न व मधुमेहारी है।

* हल्दी में पाया जाने वाला कुरकुमिन नामक रसायन कैंसर को मात देता है। शरीर की व्याधिक्षमत्व शक्ति को बढ़ाता है।

* अपने शॉर्ट हर फूल हर गुण के कारण यह जोड़ों के दर्द में कष्टार्तव, श्वास - कास, संक्रमण में ,दाद - खाज में ,सोरियासिस में, मोच चोटो में व अन्य दर्द की स्थितियों में समान रूप से उपयोगी साबित हुआ है।

*यह एक उत्तम कोलेस्ट्रॉल नियंत्रक के रूप में , हृदय व रक्त परिवहन संस्थान के लिए परम उपयोगी साबित हुआ है।

* लगभग हर प्रकार की एलर्जी व शीतपित्त की स्थितियों में इससे बना योग गुरु हरिद्रा खंड बहुत ही उपयोगी साबित हुआ है।

* दाद- खाज व विभिन्न त्वचा के रोगों में हल्दी के लेप लगाने से राहत वह पूरी तरह से रोग से छुटकारा मिलता है।

* तमक श्वास और प्रतिश्यायय से तुरंत राहत के लिए हल्दी, चाय पत्ती, तुलसी व उड़द दाल को जलाकर इसका धुआं देने से तुरंत राहत मिलती है।

* मोच आने पर हल्दी और चूने का लेप या हल्दी, प्याज व गुड़ को पोटिस लगाने या बांधने पर तुरंत दर्द से छुटकारा मिलता है।

* प्राचीन काल से आज तक हल्दी का सौंदर्य वृद्धि के लिए भी उपयोग होते रहा है। हल्दी, दूध की मलाई, चंदन का चूर्ण व मसूर की दाल का बेसन बनाकर चेहरे पर ₹फेस पैक₹ जैसे लगाने से चेहरे का सौंदर्य निखरता है। यह चेहरे को गोरा बनाने का सबसे सस्ता व सरल नुस्खा है ।

* नीम तेल में हल्दी मिलाकर लगाने से यह एक उत्तम संक्रमण रोधक के रूप में कार्य करता है। इसे पुराने फोड़ो, दाद- खाज, सोरियासिस आदि में लगाने से कालांतर में पूर्ण लाभ मिलता है।

* यह विषाणु रोधक होने के कारण वायरल रोगों में विशेष रूप से उपयोगी है। लगभग सभी विषाणु जनित संक्रमण में, विसर्पिणी, हरपीज आदि में भी इसे नारियल के तेल या नीम तेल के साथ मिलाकर बाहरी प्रयोग में लाभकर है। तथा हल्दी का चूर्ण 1 से 3 ग्राम सुबह शाम गुनगुने पानी से लेने पर वायरल इन्फेक्शन से बचाव व उपचार दोनों ही होते हैं। हल्दी इसी कारण एक परम उपयोगी जड़ी बूटी है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

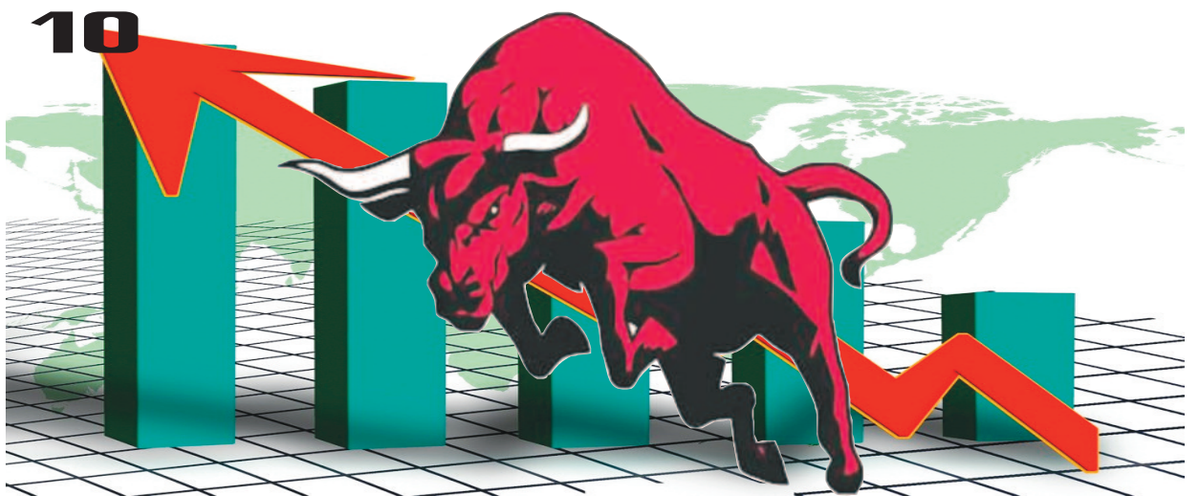

आदिवासियों को सशक्त बनाने के लिए पीएम कल करेंगे योजना की शुरुआत,24000 करोड़ रुपये होंगे खर्च

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। आदिवासियों को सशक्त बनाने के लिए एक बड़े कदम के तहत प्रधानमंत्री 15 नवंबर को पीएम पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) विकास मिशन शुरू करेंगे। आजादी के बाद अपनी तरह के इस पहले मिशन में मोदी सरकार ने जनजातीय गौरव दिवस पर पीवीटीजी के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए 24,000 करोड़ रुपये की योजना शुरू करेगी। भारत सरकार के सूत्रों के हवाले से यह बात कही गई है। मिशन को 9 मंत्रालयों के 11 हस्तक्षेपों के अभिसरण के माध्यम से कार्यान्वित किया जाएगा। उदाहरण के लिए, पीएमजीएसवाई, पीएमजीएवाई, जल जीवन मिशन आदि के तहत। दूरस्थ बसावटों को कवर करने के लिए कुछ योजना मानदंडों में ढील दी जाएगी। इसके अलावा, पीएमजेएवाई, सिकल सेल रोग उन्मूलन, टीबी उन्मूलन, 100% टीकाकरण, पीएम सुरक्षित मातृत्व योजना, पीएम मातृ वंदना योजना, पीएम पोषण, पीएम जन धन योजना आदि का कार्यान्वयन भी सुनिश्चित किया जाएगा।

जीईएम का जीएमवी दो लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा

सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) चालू वित्त वर्ष के 8 महीने से भी कम समय के भीतर सकल मर्चेंडाइज वैल्यू (जीएमवी या सकल वस्तु मूल्य) के मामले में दो लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। यह पिछले वित्त वर्ष (2022-23) के अंत में अंकित कुल जीएमवी को पार कर गया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार प्रति दिन औसत जीएमवी में भी महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है और चालू वित्त वर्ष में प्रति दिन 850 करोड़ से अधिक तक पहुंच गया है।

दिवाली में देसी कारोबार के साथ इनकी भी हुई जमकर कमाई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन ने तोड़े रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। दिवाली का त्योहार खत्म हो गया, लेकिन दिवाली-धनतेरस के चलते लाखों-करोड़ों का कारोबार देश में हुआ है। इसमें लोकल कारोबारियों से लेकर ऑनलाइन ई-कॉमर्स ने जमकर कमाई की है। दिवाली पर ऑनलाइन कंपनियों के व्यापार में भी जबरदस्त उछाल आया है। साल की पहली छमाही में धीमी शुरुआत के बाद फेस्टिव सीजन की बिक्री ने ऑनलाइन शॉपिंग में तेजी ला दी है। वहीं, इस दौरान ऑनलाइन ई-कॉमर्स पर खाने-पीने, किराना और आभूषण जैसी चीजों की खूब बिक्री हुई है। भले ही ऑफलाइन रिटेल पूरी ताकत से काम कर रहा है, कंसल्टिंग फर्म ग्रांट थॉर्नटन भारत के डेटा का अनुमान है कि 2022 में 45% के मुकाबले कुल फेस्टिव सेल का 50% से ज्यादा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए आया है। ई-कॉमर्स कंपनियों और ऑनलाइन ब्रांड्स ने इलेक्ट्रॉनिक्स, फूड, ग्रॉसरी और ज्वेलरी सेगमेंट में पिछले साल के मुकाबले अच्छी सेल की। दिवाली पर लोगों ने ऑफलाइन शॉपिंग के साथ ही ऑनलाइन रिटेल को भी खूब पसंद किया। इस साल लगभग 50 फीसदी शॉपिंग ऑनलाइन की गई। इस महीने लगभग 10 से 11 करोड़ डॉलर का कारोबार हुआ।ईएमआई के चलते बढ़ी ऑनलाइन शॉपिंगऑनलाइन शॉपिंग में महंगे स्मार्टफोन और होम एप्लायंस बिजनेस सेगमेंट का बड़ा योगदान है। आसानी से मिलने वाले ईएमआई ऑप्शन के चलते लोग इन्हें ऑनलाइन खरीदना ही पसंद करने लगे हैं। इसके साथ ही उन्हें अच्छे डिस्काउंट और कैशबैक के ऑप्शन भी मिल जाते हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि फेस्टिव सीजन में लगभग 14 करोड़ लोग ऑनलाइन शॉपिंग करेंगे।फेस्टिव सीजन में बढ़ी ऑनलाइन सेल के चलते डिजिटल पेमेंट कंपनियों को भी फायदा हुआ है। फूड, ग्रॉसरी, घरेलू सामान और ज्वेलरी सेगमेंट में डिजिटल पेमेंट में पिछले साल के मुकाबले लगभग 50 फीसद का उछाल आया है।

दिवाली धूमधाम से मनी, अब शादियों के सीजन के लिए कर लें सोने-चांदी की सस्ती खरीदारी

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। दिवाली का मुख्य पर्व बीत चुका है और अब भाई दूज का त्योहार आने वाला है। निकट समय में शादियों का सीजन भी आएगा और लोगों को सोने-चांदी की खरीदारी करनी होगी। आज अगर आप बाजार में गोल्ड-सिल्वर खरीदने के लिए निकलने वाले हैं तो आपको कम खर्च करना होगा। सोने और चांदी के दाम में आज गिरावट देखी जा रही है जिससे गोल्ड और सिल्वर प्राइस घटे हैं।

कमोडिटी बाजार में कैसे हैं सोने के दाम

वायदा बाजार में आज सोना और चांदी के दाम में गिरावट देखी गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना आज 85 रुपये या 0.14 फीसदी सस्ता हुआ है। सोना आज 59685 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर मिल रहा है। सोने के ये रेट इसके दिसंबर वायदा के लिए हैं।

चांदी की चमक फीकी

एमसीएक्स पर चांदी के दाम में भी कमी आई है और चांदी आज करीब 500 रुपये सस्ती मिल रही है। एमसीएक्स पर सिल्वर दिसंबर वायदा 487 रुपये या 0.70 फीसदी की गिरावट के साथ 69545 रुपये प्रति किलो के रेट पर मिल रही है। आज नीचे में चांदी रुपये तक सस्ती हुई है।

आपके शहर में कैसे हैं सोने-चांदी के दाम

दिल्लीः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 100 रुपये सस्ता होकर 60,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर है।मुंबईः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 100 रुपये सस्ता होकर 60,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर है। चेन्नईः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 100 रुपये सस्ता होकर 60,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर है।कोलकाताः 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 100 रुपये सस्ता होकर 60,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर है।

ग्लोबल बाजार में सोना महंगा-चांदी सस्ती

आज ग्लोबल बाजार में सोना और चांदी के दाम ऊपर चढ़े हैं। कॉमैक्स पर गोल्ड के रेट 4.75 डॉलर की बढ़त के साथ 1942.45 डॉलर प्रति औंस के रेट पर हैं। ये रेट दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट के हैं।

सिल्वर के रेट आज नीचे आए हैं और ये 0.168 डॉलर प्रति औंस की गिरावट के साथ 22.113 डॉलर प्रति औंस पर है। इसके ये रेट दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट के लिए हैं।

2 वर्ष में कोल इंडिया के स्टॉक ने शेयरहोल्डर्स को दिया 218% का मल्टीबैगर रिटर्न

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। कोयला उत्पादन करने वाली देश की दिग्गज कंपनी कोल इंडिया ने थर्मल पावर स्टेशनों को कोयले की सप्लाई लगातार जारी रखते हुए देश में घर-घर तक बिजली पहुंचाने में मदद की है। वहीं कोल इंडिया के स्टॉक ने शानदार तेजी की बदौलत अपने शेयरहोल्डर्स की दिवाली को शानदार बना दिया है। कोल इंडिया का स्टॉक 7 सालों के हाई पर जा पहुंचा है। महज ढाई महीने के भीतर के शेयर में 49 फीसदी के करीब उछाल आ चुका है। कंपनी ने अपने निवेशकों को मौजूदा वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 15.25 रुपये के हिसाह से अंतरिम डिविडेंड देने का फैसला किया है इसके चलते भी स्टॉक में तेजी है।

ढाई महीने में 49 फीसदी चढ़ा शेयर

एक सितंबर 2023 को कोल इंडिया का स्टॉक 237 रुपये पर क्लोज हुआ था। इस लेवल से हर एक शेयर पर निवेशकों को 113 रुपये का फायदा हो रहा है। यानि शेयरहोल्डर्स को 49 फीसदी का रिटर्न मिला है। अगर 2023 में होली से दिवाली के बीच की 10 महीनों की अवधि को देखें तो 27 मार्च 2023 को स्टॉक 208 रुपये के करीब ट्रेड कर रहा था जिस लेवल से निवेशकों को हर शेयर पर 142 रुपये का मुनाफा हो रहा है। यानि इस अवधि में स्टॉक में 68 फीसदी का उछाल आ चुका है।

2 सालों में 218 फीसदी का मल्टीबैगर रिटर्न

अगस्त 2015 में कोल इंडिया के स्टॉक ने 447 रुपये के हाई को छूआ था।

इसके बाद स्टॉक ने ऐसा गोता लगाया कि 15 अक्टूबर 2020 को 109.55 रुपये तक नीचे जा लुढ़का। पर पिछले दो वर्षों में कोयले के उत्पादन बढ़ने, बेहतर वित्तीय नतीजों के दम पर स्टॉक ने यूटर्न लिया। जो आज 13 नवंबर 2023 को 350 रुपये तक जा पहुंचा।

करीब इन दो वर्षों में कोल इंडिया के स्टॉक ने निवेशकों को 218 फीसदी का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है।

ब्रोकरेज हाउस अभी भी बुलिश

ब्रोकरेज हाउस हैं स्टॉक पर बुलिश

पर निवेशकों अभी भी कोल इंडिया के स्टॉक पर बुलिश हैं। विदेशी ब्रोकरेज हाउस जेफ्फरीज ने 385 रुपये के टारगेट के साथ निवेशकों को शेयर खरीदने की नसीहत दी है।

वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 13 फीसदी के उछाल के साथ 6800 करोड़ रुपये रहा है।

चीन पर घटा और भारत पर बढ़ा गोल्डमैन शैश का भरोसा, बढ़ाया अपना निवेश

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। गोल्डमैन शैश जैसी ग्लोबल रेटिंग एजेंसी ने भारत पर अपना भरोसा जताया है। वहीं चीनी को लेकर उसके विश्वास में कमी आई है। गोल्डमैन शैश ने हांगकांग शेयर मार्केट में ट्रेड होने वाले चीनी कंपनियों के स्टॉक्स की रेटिंग गिरा दी है, साथ ही उनमें अपना निवेश भी कम किया है। जबकि इसके उलट गोल्डमैन शैश ने भारत में अपना निवेश बढ़ाया है।गोल्डमैन शैश ने चीनी कंपनियों के शेयरों से कमाई में कम ग्रोथ के अनुमान को देखते हुए उनकी रेटिंग गिराई है। जबकि भारत में उसका निवेश बढ़ाने की वजह भारतीय मार्केट का तेजी से ग्रोथ करना है।

पहली बार नहीं घटा चीन पर भरोसा

एशियाई बाजारों को लेकर गोल्डमैन शैश के स्ट्रेटेजिस्ट्स का कहना है कि मैक्रो लेवल पर बड़े बैकड्रॉप को देखते हुए ये सामान्य वैल्यूएशन के आधार पर किया गया फैसला है। इसलिए गोल्डमैन शैश ने हांगकांग में लिस्टेड चीनी कंपनियों में अपने निवेश को घटाया है। ये पहली बार नहीं है जब गोल्डमैन शैश ने चीनी कंपनियों के शेयर को लेकर इस तरह का रुख दिखाया हो। इससे पहले भी अगस्त में गोल्डमैन शैश ने चीनी कंपनियों के शेयर में निवेश से अपनी आय के अनुमान को 14% से घटाकर 11% किया था।

इंडिया में दिख रही बढ़िया ग्रोथ

इस बीच, ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक गोल्डमैन शैश को भारत में पूरे एशिया क्षेत्र की सबसे स्ट्रक्चरल ग्रोथ दिख रही है। इससे अगले दो साल में अच्छी आय बढ़ने का अनुमान है।

दिवाली के अगले ही कारोबारी सत्र में बाजार में लौटी मुनाफावसूली

भारी गिरावट के साथ बंद हुआ सेंसेक्स-निफ्टी

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। रविवार 12 नवंबर, 2023 को दिवाली के मुहूर्त ट्रेडिंग पर शानदार तेजी के साथ क्लोजिंग के बाद उसके अगले ही दिन 13 नवंबर और नए संवत 2080 के पहले कारोबारी सत्र में निवेशकों को बेहद निराशा हुई है। भारतीय शेयर बाजार मुनाफावसूली के चलते गिरावट के साथ बंद हुए। आईटी और एफएमसीजी स्टॉक्स में गिरावट के चलते बाजार में ये गिरावट रही। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 325 अंकों की गिरावट के साथ 64,934 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 82 अंकों की गिरावट के साथ 19,443 अंकों पर बंद हुआ है।

सेक्टर का हाल

आज के ट्रेड में बैंकिंग, आईटी, ऑटो, फार्मा, एफएमसीजीमीडिया, इंफ्रा, ऑयल एंड गैस, हेल्थकेयर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि एनर्जीस मेटल्स स्टॉक के शेयर तेजी के साथ बंद हुए। निफ्टी का मिड कैप इंडेक्स फ्लैट बंद हुआ है तो स्मॉल कैप इंडेक्स हरे निशान में बंद हुआ है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 14 शेयर तेजी के साथ और 16 गिरकर बंद हुए। निफ्टी के 50 शेयरों में 14 शेयर तेजी के साथ 36 गिरकर बंद हुए।

निवेशकों को नुकसान

शेयर बाजार में गिरावट के चलते बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैपिटलाईजेशन 322.08 लाख करोड़ रुपये रहा है। आज के ट्रेड में 3975 शेयरों की ट्रेडिंग हुई जिसमें 1739 शेयर तेजी के साथ बंद हुए जबकि 2087 शेयरों में गिरावट रही। 149 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

आज के ट्रेड में महिंद्रा एंड महिंद्रा का स्टॉक 0.90 फीसदी, जेएसडब्ल्यु स्टील 0.56 फीसदी, एनटीपीसी 0.43 फीसदी, पावर ग्रिड 0.38 फीसदी, इंडसइंड बैंक 0.21 फीसदी, टाटा स्टील 0.08 फीसदी, एसबीआई 0.03 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि बजाज फाइनेंस 1.32 फीसदी, इंफोसिस 1 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.96 फईसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.80 फीसदी, टीसीएस 0.79 फीसदी नेस्ले 0.79 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

त्योहारी सीजन में महंगाई से मिली राहत

4.87 फीसदी रही अक्टूबर में रिटेल इंफ्लेशन

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। जुलाई 2023 के बाद लगातार तीसरे महीने खुदरा महंगाई दर में गिरावट आई है। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में गिरावट के चलते अक्टूबर 2023 में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स घटकर 4.87 फीसदी पर आ गई है जो सितंबर महीने में 5.02 फीसदी रही थी। इससे पहले अगस्त महीने में 6.83 फीसदी और जुलाई में खुदरा महंगाई दर 15 महीने के हाई 7.44 फीसदी पर जा पहुंची थी। बीते साल अक्टूबर 2022 में खुदरा महंगाई दर 6.77 फीसदी रही थी।

खाद्य महंगाई दर में गिरावट

सांख्यिकी मंत्रालय ने खुदरा महंगाई दर का डेटा जारी किया है। इस डेटा के मुताबिक खाद्य महंगाई दर में भी मामूली गिरावट आई है। अक्टूबर महीने में खाद्य महंगाई दर 6.61 फीसदी रही है जो सितंबर में 6.62 फीसदी रही थी। जबकि अक्टूबर 2022 के दौरान खाद्य महंगाई दर 7.01 फीसदी रही थी। ग्रामीण इलाकों में खुदरा महंगाई दर 5.12 फीसदी है तो खाद्य महंगाई दर 6.71 फीसदी रही है। जबकि शहरी इलाकों में महंगाई दर अक्टूबर 2023 में 4.62 फीसदी पर आ गई है जबकि खाद्य महंगाई दर 6.35 फीसदी रही है। यानि खुदरा महंगाई दर हो या खाद्य महंगाई दर ग्रामीण इलाकों में दोनों ही ज्यादा है।

दालों की महंगाई दर में उछाल

अक्टूबर महीने में दालों की महंगाई में इजाफा देखने को मिला है। दालों की महंगाई दर 18.79 फीसदी रही है जबकि सितंबर में दालों की महंगाई दर16.38 फीसदी रही थी। अनाज और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स की महंगाई दर 10.65 फीसदी रही है जो सितंबर में 10.95 फीसदी रही थी। अंडों की कीमतों में उछाल आया है और अक्टूबर में अंडों की महंगाई दर 9.30 फीसदी रही है। मसालों की महंगाई दर 2.76 फीसदी रही है जो सितंबर में 23.06 फीसदी रही थी।

फलों की महंगाई दर 9.34 फीसदी रही है। सब्जियों की महंगाई दर घटकर 2.70 फीसदी पर आ गई है जो पिछले महीने 3.39 फीसदी रही थी।

महादेव बेटिंग मामले में बड़ा खुलासा, बॉलीवुड के बाद अब क्रिकेट मैच-फिक्सिंग से भी जुड़े तार

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। महादेव बेटिंग ऐप मामले में जैसे-जैसे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच का दायरा बढ़ता जा रहा है। ये मामला कई गहरे राज खोल रहा है। अभी तक इस मामले में सिर्फ बॉलीवुड सेलिब्रिटीज का कनेक्शन सामने आया था। अब पता चला है कि इस ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल क्रिकेट मैच की फिक्सिंग में भी शामिल रहे हैं। ईडी की जांच में पाया गया कि सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल एक मैच-फिक्सिंग सिंडिकेट का पार्ट थे। मैच फिक्सिंग के काम से दोनों ने हर दिन करोड़ों रुपए की कमाई की। इसके लिए एक सब्सिडियरी ऐप का इस्तेमाल किया गया।ईडी ने सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल पर कथित मैच फिक्सिंग में शामिल होने को लेकर मामला दर्ज किया गया है। दोनों ने इस घोटाले को 'महादेव खिलाड़ी' नाम की सब्सिडियरी ऐप के माध्यम से अंजाम दिया। ईडी की जांच खुलासा हुआ कि एक सिंडिकेट के माध्यम से क्रिकेट मैचों को मैन्युपुलेट किया गया। इसमें जो 32 लोगों के नाम सामने आए हैं, उनमें से 5 की पहचान सौरभ चंद्राकर के सहयोगी के रूप में हुई है।ये भी लोग क्रिकेट मैच को फिक्स करने के लिए पश्चिमी एशिया और देश के अलग-अलग हिस्सों से काम करते थे। इनमें यूरोप का लंदन भी शामिल है। साथ ही कोलकाता और मुंबई जैसे शहरों से भी ये नेटवर्क रन करता था। ये बिटकॉइन पेमेंट में पूरी डील करते थे।

3.3 करोड़ रुपये का लोन नहीं चुकाकर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप, दो के खिलाफ केस दर्ज

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के लातूर जिले में 3.3 करोड़ रुपये का कर्ज नहीं चुका पाने पर 39 वर्षीय एक कारोबारी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कारोबारी सिद्धेश्वर किसनराव संतनसे का शव सात नवंबर को लातूर तहसील के अखरवाड़ी गांव में एक खेत में एक पेड़ से लटका मिला था। सहायक पुलिस निरीक्षक ज्ञानदेव सनप ने बताया कि मृतक व्यक्ति के कपड़ों की जेब से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने डॉ. अन्नासाहेब बिराजदार और सचिन कल्याणी को यह कदम उठाने के लिए मजबूर करने का जिम्मेदार ठहराया है। अधिकारी ने कहा, 'संतनसे ने दोनों को 3.3 करोड़ रुपये उधार दिए हैं। उसने आत्महत्या कर ली क्योंकि जब उन्होंने पैसे वापस नहीं किए तो वे परेशान रहने लगे। संतनसे ने बिराजदार को 2.85 करोड़ रुपये और कल्याणी को 45 लाख रुपये उधार दिए थे और इसका कोई रिकॉर्ड नहीं रखा था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 06-23 सूर्यास्त - 17-36
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	तुला...	04-26 बजे
चंद्र-	वृश्चिक में	वृश्चिक.	06-36 बजे
मंगल	तुला में	धनु.....	08-50 बजे
बुध-	वृश्चिक में	मकर..	10-56 बजे
गुरु-	मेष में	कुंभ...	12-47 बजे
शुक्र-	कन्या में	मीन ..	14-24 बजे
शनि-	कुंभ में	मेष--	16-01 बजे
राहु-	मीन में	वृष--	17-46 बजे
केतु-	कन्या में	मिथुन..	19-46 बजे
		कर्क...	21-58 बजे
		सिंह...	00-11 बजे
		कन्या..	02-17 बजे

दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा - **14 -36-** तक उपरान्त द्वितीया
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष , मंगलवार **14 November**
नक्षत्र - अनुराधा - **03- 24-** राततक उपरान्त ज्येष्ठा
योग - शोभन - **13 - 55 -** तक उपरान्त अतिगण्ड
करण- बव - **14 -36 -** तक उप- बालव
विशेष:- अन्नकूट गोवर्धन पूजा
व्रत -त्योहार - जैन महावीर सं **2550** प्रात.

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 14:50 से 16:15 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06:23 - 07:46 अशुभ	काल	17:36 - 19:15 अशुभ
उत्पात	07:46 - 09:11 अशुभ	लाभ	19:15 - 20:50 शुभ
चंचल	09:11 - 10:36 शुभ	उत्पात	20:50 - 22:25 अशुभ
लाभ	10:36 - 12:00 शुभ	शुभ.	22:25 - 24:01 शुभ
अमृत	12:00 - 13:25 शुभ	अमृत.	24:01 - 01:36 शुभ
काल	13:25 - 14:50 अशुभ	चंचल	01:36 - 03:11 शुभ
शुभ	14:50 - 16:15 शुभ	रोग	03:11 - 04:47 अशुभ
रोग	16:15 - 17:36 अशुभ	काल	04:47 - 06:23 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

हालाँकि की आज आप अपने सभी कार्यों को जल्द पूरा करने में बहुत ज्यादा सक्षम हैं लेकिन आप अपने में बेचैनी , असावधानी और सुस्ती महसूस करेंगे और नतीजतन अधिक समय होने के बावजूद आपका बकाया कार्य और जिम्मेदारियां बढ़ती हुई चली जाएंगी । एक दिन की छुट्टी लेना इस का उपाय है ताकि अगले दिन आप तरोताजा महसूस करे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज के दिन आपका जोर निवेश और धन पर रहेगा । अपने आप पर नियंत्रण रखे ! आज के दिन सम्पति के बारे में खोज खबर कर सकते है पर किसी भी तरह के धन वृद्धि उद्यम में न फंसे । वेतन वृद्धि के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारीयों पर दबाव न डाले । इसके लिए अभी सही समय नहीं है । उत्तम रहेगा की अपने वर्तमान संगठन में अधिक ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश करे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज आपको महसूस होगा की अपनी नौकरी में आपको वह संतुष्टि नहीं मिली जो आप चाहते थे और आज आप अपनी नौकरी छोड़ने के लिए अंतिम कदम भी उठा सकते हैं , हालांकि यह एक बुरी बात नहीं है क्यों की बहुत जल्द ढेर सारे सुनहरे अवसर आपके पास आ सकते है और आप जो चाहते थे , वो हो सकता है , हालाँकि प्रारंभिक वेतन कम हो सकता है, लेकिन यहाँ आपको प्रसन्नता मिलेगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आप अपने कार्य क्षेत्र में कुछ भ्रमित है और काफी समय से कुछ प्रश्न आपकी परेशानिया बढ़ा रहे है । आज इसका हल आपको नजर आ सकता है । आप इस विचार पर अडिग रहे और समाधान निकलने की कोशिश करे चाहे वह कितना भी अटपटा या अजीब लगे । अगर आप कुछ जोखिम लेंगे तो आपको अत्यधिक लाभ होगा जो अपने सोचा भी न होगा ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज का दिन सट्टा उद्यम के लिए उपयुक्त है पर बिना सोचे समझे कोई निर्णय न ले । अगर आप गणना करके जोखिम लेंगे तो लाभ में रहेंगे परन्तु याद रखे अज्ञानता में लिए गया फैसला नुकसान दिला सकता है इसलिए फिलहाल लाटरी के मकड़जाल में न फसे । बिना सोचे समझे सट्टा खेलना या निवेश करना हानिकारक है जिसमे भाग्य भी आपकी सहायता नहीं कर सकता ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

अपने बेकार हो गए प्रयासों से निराश न हो , आपको फिर से खड़े होकर प्रयास और कार्य करने की जरुरत है ! वेशक आपके द्वारा दी गयी जानकारियों से अहम मुद्दों का हल न निकला हो , लेकिन आपको इससे कुछ जटिल विवरणों की एक बेहतर जानकारी मिलेगी । आप आज के दिन का आनंद ले क्यों की अतीत के निवेश से आपको आर्थिक रूप से लाभ होगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आपको अपने कार्यालय पर संचार और बातचीत कौशल का विशेष उपयोग करने की जरूरत है। आपको सावधान रहना होगा की जोर से शिकायत या किसी के पैरो में गिरने की जरुरत नहीं है , इसके बजाय आपको कूटनीति और कुशलता से दबाव के समय में कार्य करने की आवश्यकता होगी । आपकी सफल बातचीत भी काफी हद तक आपके करियर को आगे बढ़ा सकती है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आप अपने को शांत रखे क्यों की कुछ स्थितियों में आप अपना आपा खो सकते है । कुछ भी क्रोधित तरीके से न बोले की किसी को वो आक्रामक या गलत लगे । इस समय इस बिंदु पर अनभिज्ञ रहे और बाद में एक परिष्कृत तरीके से अपना रोष बाहर निकाले । आप खुश रहे क्योंकि आपने काफी धन एकत्रित कर लिया है ,जो की आप विलासिता से भरी वस्तु पर खर्च कर सकते है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज आपको लगेगा की कुछ चीजों पर आपका नियंत्रण नहीं है और उनकी वजह से आप अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन नहीं कर पा रहे है । लेकिन विश्वास रखे । आप ईमानदार और मेहनती है। यहां तक की आपके मालिक आपकी बाधा और परेशानी को समझते हैं, इसलिए आप ईमानदार रहे और हमेशा की तरह काम करते रहे । लाभ बनाने के लिए आपको विदेश में किसी के साथ साझा काम करने की जरुरत है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

कार्यालय के लंबित काम आज आपको तनाव दे सकते हैं। आज आपको देर तक कार्यालय में काम करना पड़ सकता है । ये मुश्किल समय भी थोड़े समय के लिए है । पिछले सप्ताह की आपकी बोरियत और आलस्य आप पर आज नकारात्मक प्रभाव डालेगा । आप आज दूसरों के साथ सौम्य और विनम्र रहे अन्यथा आप विवाद में फँस सकते हैं। ऐसी स्थितियों से दूर रहे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

एक दुर्लभ नौकरी का अवसर आज आपके दरवाजे पर दस्तक देने के लिए आ रहा है। यह विचार करने पर कुछ हद तक जोखिम भरा लगेगा , लेकिन आप उस पर कार्रवाई करते हैं, तो आप अपने कैरियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं। सुरक्षित और संकीर्ण रास्ते की तुलना में ये समय जोखिम लेने के लिए है ताकि जो आप अपने जीवन में करना चाहते है वो पूरा हो ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज का दिन सट्टा उद्यमों के लिए सबसे उपयुक्त है । आज एक लॉटरी टिकट या कंपनियों के शेयरों में निवेश करने से धन वृद्धि का एक उच्च मौका है। आपको किसी से एक अच्छा सुझाव मिल सकता है और अगर आप उसे समय पर करते हैं , तो आप अपनी आय बढ़ा सकते हैं। आज का दिन आपके के लिए शांतिपूर्ण रहेगा ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

पटाखों से कैसे और कितना पॉल्यूशन हुआ?

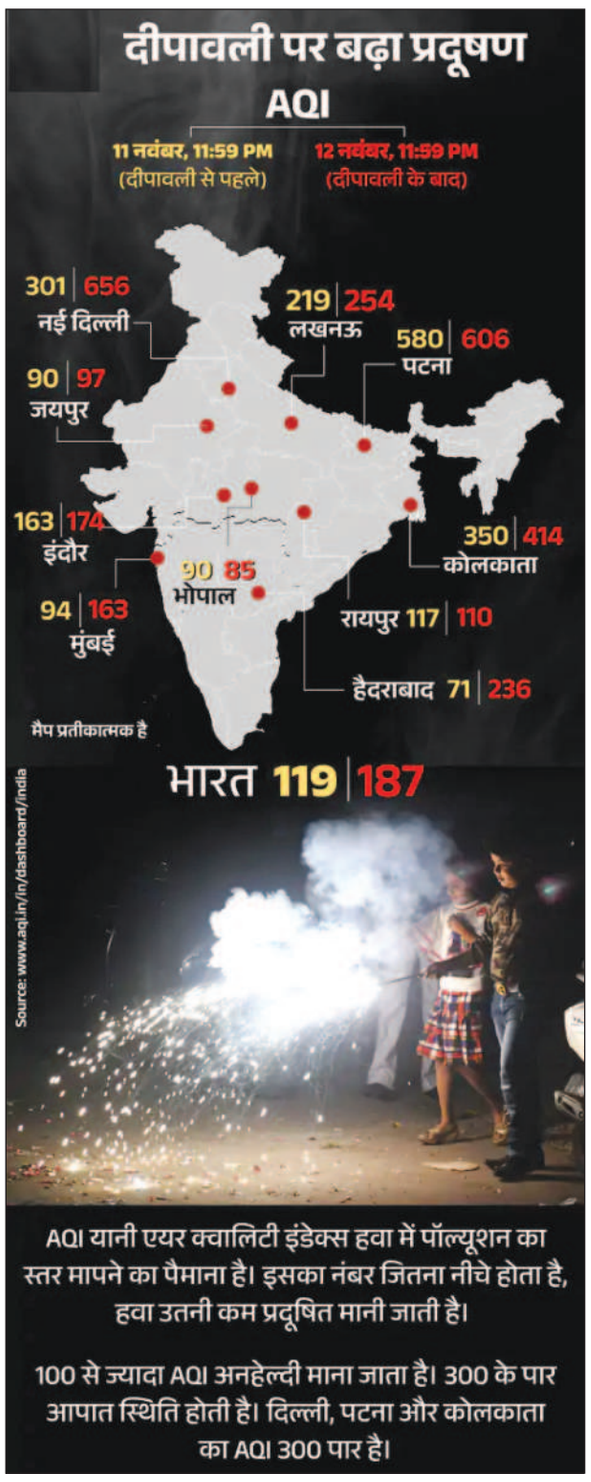

फुलझड़ी से रॉकेट तक का साइंस समझिए, ये ग्रीन पटाखा क्या होता है

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। सुप्रीम कोर्ट के तमाम प्रतिबंधों के बावजूद दीपावली पर पूरे भारत में जमकर आतिशबाजी हुई। दीपावली की रात पूरे भारत की एयर क्वालिटी करीब 40% तक खराब हुई है। दिल्ली में प्रदूषण दोगुना हो गया। ये ट्रेंड कई शहरों में देखने को मिला। दीपावली से पिछली रात और दीपावली की रात का एक्यूआई कितना था इस पर नजर डालने से पहले जानते हैं पटाखों की पूरी कहानी। पटाखे कैसे और कितना प्रदूषण फैलाते हैं और कुछ साल से चर्चा में आए ग्रीन पटाखे क्या होते हैं?

2016 में वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि पटाखों की वजह से हवा में 2.5 PM लेवल 200 से 2000 गुना तक बढ़ जाता है। पीएम (पार्टिकुलेट मैटर) हवा में मौजूद बेहद महीन कण है। ये कण सांस के जरिए आसानी से शरीर के अंदर पहुंच जाते हैं। हवा में इनकी मात्रा बढ़ने से कफ, सांस लेने में समस्या और आंख में जलन हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने अक्टूबर 2018 में ग्रीन पटाखों और कम प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों को छोड़कर सभी तरह के पटाखों को बनाने और बेचने पर बैन लगा दिया था। कोर्ट ने पटाखों में बेरियम साल्ट के इस्तेमाल पर भी प्रतिबंध लगाया था। 29 अक्टूबर 2021 को सुप्रीम कोर्ट ने एकबार फिर इस आदेश को दोहराया।

सितंबर 2023 में फायरक्रैकर मैनुफैक्चरर एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की जिसमें पटाखों में बेरियम के इस्तेमाल की अनुमति मांगी गई, लेकिन कोर्ट ने इनकार कर दिया। 7 नवंबर 2023 को दीपावली के ठीक पहले कोर्ट ने एकबार फिर स्पष्ट किया कि पटाखों पर बैन का फैसला सिर्फ दिल्ली-एनसीआर में नहीं, पूरे भारत के लिए है। अब सवाल उठता है कि ये ग्रीन पटाखे क्या हैं, जिन्हें बनाने, बेचने और जलाने की अनुमति सुप्रीम कोर्ट ने दी है।

ग्रीन पटाखे क्या होते हैं?

नेशनल एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट के मुताबिक 'ऐसे पटाखे जिनसे रेगुलर पटाखों के मुकाबले कम प्रदूषण हो, हवा में पार्टिकुलेट मैटर यानी पीएम में 30 से 40 प्रतिशत की कमी आए, सल्फर डाइ ऑक्साइड और नाइट्रोजन डाइ ऑक्साइड घटे और दूसरी खतरनाक गैसों में भी 10 प्रतिशत की कमी हो।'

इन मानकों पर खरा उतरने वाले पटाखों को ही ग्रीन क्रैकर्स कहा जाता है।

काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआईआर) के वैज्ञानिकों का ये मानना है कि चूंकि ये पटाखे एनवायर्नमेंट को कम नुकसान पहुंचाते हैं और हरा रंग पर्यावरण से जुड़ा है। इसलिए इन्हें ग्रीन पटाखे नाम मिल गया।

सीएसआईआर दिल्ली ने ग्रीन पटाखों का आइडिया सबसे पहले दिया और इन पटाखों का इस्तेमाल सिर्फ भारत में ही हो रहा है। दुनिया के किसी भी देश में इको फ्रेंडली क्रैकर्स की शुरुआत नहीं हुई है।

कांग्रेस का मजबूत किला है अंबिकापुर

दांव पर लगी बाबा की प्रतिष्ठा, किसका पलड़ा भारी

रायपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के तहत दूसरे चरण में 17 नवंबर को कुल 70 विधानसभा सीटों पर चुनाव कराए जाएंगे। इनमें 34 सीटें वीआईपी हैं। इन वीआईपी सीटों में सबसे महत्वपूर्ण सीट अंबिकापुर है। क्योंकि यहां से कांग्रेस के दिग्गज नेता और वर्तमान डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव (त्रिभुनेश्वर शरण सिंहदेव) चुनाव लड़ रहे हैं। सरगुजा संभाग में कांग्रेस की हार-जीत में राजघराने की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

यहां से उनके सामने बीजेपी प्रत्याशी राजेश अग्रवाल चुनाव मैदान में हैं। यहां पर कांटे की टक्कर देखी जा रही है। दोनों प्रत्याशियों के बीच कड़ा मुकाबला है। सिंहदेव के सामने लगातार चौथी बार विधायक बनने की चुनौती है। सरगुजा संभाग में उनकी प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है। वहीं राजेश अग्रवाल की अग्निपरीक्षा है। वो खुद को बेहतर प्रत्याशी साबित करने में लगे हुए हैं। उन्हें पार्टी और ग्रामीणों पर पूरा

भरोसा है। बात टीएस सिंहदेव की करें तो तो लोग उन्हें प्यार से बाबा कहकर पुकारते हैं। इस बार इस सीट पर बाबा की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है, क्योंकि सामरी से कांग्रेस विधायक चिंतामणि महाराज ने उन्हें 'चिंता' में डाल दिया है। पहले से ही अंबिकापुर में राजेश अग्रवाल के साथ बाबा का कड़ा मुकाबला देखा जा रहा था, तो दूसरी ओर हाल ही में टिकट नहीं मिलने पर सामरी से कांग्रेस विधायक चिंतामणि महाराज बागी होकर बीजेपी प्रदेश प्रभारी ओम माथुर के सामने बीजेपी का दामन थाम लिया था। उनके जाने से कांग्रेस को सरगुजा संभाग में बड़ा झटका लगा है। क्योंकि कांग्रेस उन्हें मनाने की हरसंभव कोशिश की थी। खुद बाबा ने कहा था कि चिंतामणि महाराज को कांग्रेस में बने रहना चाहिए क्योंकि बीजेपी से आने के बाद पार्टी ने उन्हें पूरा सम्मान दिया था। चिंतामणि के बीजेपी में प्रवेश होने के पीछे उनके कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। वो सरगुजा संभाग में कांग्रेस की 6 से 7 सीटें प्रभावित कर सकते हैं। चिंतामणी महाराज छत्तीसगढ़ के संत गहिरा गुरु के बेटे हैं। सरगुजा संभाग में संत समाज के अनुयायी अंबिकापुर, लुंड्रा, सामरी, पत्थलगांव, जशपुर, कुनकुरी और बिलासपुर के रायगढ़, विधानसभा क्षेत्रों में हैं। प्रदेश भर में उनके समाज के अनुयायी हैं। ऐसे में बीजेपी में उनके प्रवेश करने से सरगुजा संभाग की 6 सीटों पर सीधा असर पड़ सकता है। बीजेपी यहां से आगे हो सकती है क्योंकि वर्तमान में संभाग की 14 की 14 सीटों पर कांग्रेस का कब्जा है। उनके इस कदम से कांग्रेस की चिंता बढ़ गई है।

आदिवासी बहुल सरगुजा संभाग में सिंहदेव का वर्चस्व है। सरगुजा संभाग और उसके आस-पास के क्षेत्रों में राज परिवार या सरगुजा रिसासत का सीधा दखल रहता है। आदिवासी बहुल संभाग में दशकों से रियासत परिवार को सम्मान मिलता रहा है। पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के समय से ही रिसायसत परिवार को जनप्रतिनिधि के रूप में तवज्जो मिलता रहा है।

गोमो-कोडरमा लाइन पर ओवरहेड तार टूटने पर ट्रेन ड्राइवर ने लगाया इमरजेंसी ब्रेक

दो यात्रियों की मौत

धनबाद, 13 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के कोडरमा जिले में शनिवार को ओवरहेड बिजली का तार टूटने के कारण दिल्ली जा रही एक ट्रेन के अचानक झटके से रुक जाने से दो यात्रियों की मौत हो गई। रेलवे के अधिकारियों ने यह जानकार दी। सूचना पाकर धनबाद रेल मंडल प्रबंधक केके सिन्हा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना दोपहर 12.05 बजे गोमो और कोडरमा रेलवे स्टेशनों के बीच परसाबाद के पास हुई। पुरी-नई दिल्ली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस के चालक ने ओवरहेड तार गिरने के बाद ट्रेन को रोकने के लिए इमरजेंसी ब्रेक लगाया। इस कारण झटका लगने से दो यात्रियों की मौत हो गई। धनबाद रेलवे मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमरेश कुमार ने कहा कि बिजली की आपूर्ति अचानक बंद होने पर ट्रेन को रोकने के लिए इमरजेंसी ब्रेक लगाया गया और झटका लगने से दो लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि हादसे के वक्त ट्रेन 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी। उन्होंने कहा कि कोडरमा-गोमो खंड में दुर्घटना के बाद चार घंटे से अधिक समय तक ट्रेनों की आवाजाही बाधित रही। बाद में धनबाद रेलवे डिवीजन के तहत ग्रैंड कॉर्ड लाइन पर ट्रेनों की आवाजाही फिर से शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद पुरुषोत्तम एक्सप्रेस को डीजल इंजन से गोमो लाया गया और फिर इलेक्ट्रिक इंजन से दिल्ली रवाना किया गया।

सेनेटरी पार्क में लगी भीषण आग

सरगुजा, 13 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित कर चुके अंबिकापुर नगर निगम के स्वच्छता चेतना पार्क (सेनेटरी पार्क) में रविवार रात भीषण आग लग गई। आग में पार्क में स्थापित कचरा छंटाई और प्लास्टिक दाना निर्माण यूनिट समेत कई इकाइयां पूरी तरह जल गई। जिससे लाखों का नुकसान हुआ है। एहतियात तौर पर मणिपुर थाने को भी खाली करा लिया गया।

दरअसल, अंबिकापुर-बिलासपुर नेशनल हाइवे के किनारे स्थित स्वच्छता चेतना पार्क में रात करीब 12 बजे आग लगी।

मोदी बोले- छत्तीसगढ़ से कांग्रेस के जाने का काउंटडाउन शुरू

पीएम ने मुंगेली में कहा- कांग्रेस सत्ता के बंटवारे का एग्रीमेंट बनवाने वाली पार्टी

मुंगेली/महासमुंद, 13 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ से कांग्रेस के जाने का काउंटडाउन शुरू हो गया है। 3 दिसंबर को भाजपा की सरकार बन रही है। पीएम ने कहा कि कांग्रेस ऐसी पार्टी है, जहां सत्ता के लिए एग्रीमेंट होता है। कांग्रेस में पुराने समर्पित लोग आज किनारे पर बैठे हैं, उनमें भी बहुत गुस्सा है।

यह गुस्सा केवल पार्टी में नहीं, राज्य के आम लोगों में भी है। उन्हें लगता है कि जब पार्टी के भीतर इतना बड़ा धोखा, इतनी बड़ी वादाखिलाफी हो सकती है, तो जनता के साथ तो हर वादे की वादाखिलाफी होना तय है।

सोमवार को मुंगेली में विजय संकल्प महारैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जब छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनी थी, तब मुख्यमंत्री के पद के लिए ढाई-ढाई साल का एग्रीमेंट हुआ था। लेकिन पहले ढाई साल में ही मुख्यमंत्री जी ने इतना लूटा, इतना भ्रष्टाचार किया कि लूट के पैसों का अंबार जमाकर लिया।

जब ढाई साल पूरा होने को आए, तो तिजोरी दिल्ली वालों के लिए खोल दी। इन्होंने दिल्ली के हर नेता को खरीद लिया और एग्रीमेंट धरा का धरा रह गया।

देश में गरीबी की वजह कांग्रेस

कांग्रेस ने 50 साल पुराना वादा पूरा नहीं किया। आजादी के बाद आज देश में कोई भी गरीब है उसके लिए गुनहगार है तो वो सिर्फ कांग्रेस। छत्तीसगढ़ से अगर कोई पलायन करने को मजबूर है तो इसकी जिम्मेदार कांग्रेस है। गरीबी हटाओ नारे के बाद भी लोग गरीब हैं। के में मोदी की सरकार बनी तो साढ़े तेरह करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए।

कांग्रेस भी समझ चुकी है चला चली की बेला

कांग्रेस सरकार अब बस कुछ दिन का खेला है। इसलिए इनके

नेता झूठ पर झूठ बोले जा रहे हैं। जिस कांग्रेस के नेताओं ने छत्तीसगढ़ को लूटा है वो देव दीपावली पर कहीं नजर नहीं आएंगे।

चुनाव हार रहे मुख्यमंत्री

दिल्ली के पत्रकार कह रहे हैं कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल खुद चुनाव हार रहे हैं। पहले ही ढाई साल में सीएम ने इतना लूटा कि लूट के पैसों से खजाना भर लिया। दिल्ली के नेताओं को खरीद लिया। सुपर सीएम और उनके चहेते अफसरों ने जो जुर्म किया है उसे लेकर लोगों में रोष है। उनके रिश्तेदारों ने जो कारोबार चलाया है, उसके कारण ये नौबत आ गई है कि मुख्यमंत्री का अब विधायक बनना मुश्किल हो गया है। हर घर में गुस्सा है।

कांग्रेस के ज्ञानियों को गणित का शौक चढ़ा

कांग्रेस के कुछ महाज्ञानियों को अचानक गणित का शौक हो गया। कांग्रेस के गणितबाज वो सवाल भी हल नहीं कर पाते जो पांचवी कक्षा का छात्र कर लेता है। ये छत्तीसगढ़ की जनता की समझ को कम आंकते हैं। इसलिए दिल्ली से आकर झूठी बातें करते हैं।

महादेव सट्टा ऐप में 508 करोड़ों बंटने का आरोप है। जांच एजेंसियों के छापे में रुपयों के ढेर पकड़े गए। सीएम के करीबी जेल में बंद हैं। कांग्रेस के गणितबाजों को बताना होगा मुख्यमंत्री को इसमें कितना हिस्सा मिला है।

दिल्ली दरबार तक कितना हिस्सा मिला है। कांग्रेस में टिकट वितरण के खेल का तो ऑडियो चल रहा है। टिकट बेच कर कांग्रेस के नेताओं ने ऊपर कितने पैसे पहुंचाए हैं, इसका सच भी सामने आना चाहिए।

युवाओं और महिलाओं के साथ धोखा

दिन-रात एक कर परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं का सिलेक्शन नहीं हुआ लेकिन पीएससी में कांग्रेस नेताओं के रिश्तेदारों का पीछे के दरवाजे से चयन हो गया। हमारी सरकार आएगी तो इसकी जांच कराएंगे।

कांग्रेस ने शराबबंदी के बहाने महिलाओं की आंखों में धूल झोंकी। लॉकडाउन में ब्लैक में शराब बेची। दो हजार करोड़ का शराब घोटाला कर दिया। कांग्रेस के नेताओं ने शराब घोटाले पर मुंह पर ताला लगा कर बैठ गए हैं। कांग्रेस नेताओं के पास महिलाओं के इन सवालों का जवाब नहीं है।

डबल इंजन की सरकार से विकास में आएगी तेजी

मैं आपको 3 दिसंबर को भाजपा की सरकार बन रही है उसका निमंत्रण देने आया हूं। केंद्र और राज्य की सरकार से डबल इंजन की सरकार बनेगी तो विकास में तेजी आएगी। मोदी की गारंटी है जो भी वादे हैं उसे पूरा करके दिखाएंगे।

दिवाली की रात पति की हत्या

जालंधर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। जालंधर में दीपावली की रात एक पत्नी ने अपने ही पति की बेरहमी से हत्या कर दी। वारदात लांबड़ा इलाके के ललिया खुर्द गांव में हुई। मरने वाले की पहचान मस्सी मसूर के रूप में हुई जो 4 बच्चों का पिता था। मरने वाला गरीब परिवार से ताल्लुक रखता था। शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी।

लांबड़ा थाने के एसएचओ अमन सैनी ने बताया कि देर रात पति-पत्नी के बीच लड़ाई हुई जिसके बाद गुस्से में आई पत्नी ने फावड़े से पति मस्सी मसूर के सिर पर कई वार किए। मस्सी मसूर के बुरी तरह से घायल होकर जमीन पर गिर जाने के बाद उसकी पत्नी चारों बच्चों को घर में ही छोड़कर फरार हो गई थी।

एसएचओ अमन सैनी ने बताया कि सिर पर चोट लगने के कारण मस्सी मसूर का काफी खून बह गया था। उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया मगर वहां उसने दम तोड़ दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए जालंधर सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। फरार चल रही उसकी पत्नी की तलाश में टीमें रेड कर रही हैं।

एसएचओ अमन सैनी ने बताया कि झारखंड से यह परिवार जालंधर के लांबड़ा के किसान के पास कई सालों से काम कर रहा था। यह परिवार 3-4 साल बाद घर जाता है। फिर 6 माह वहां रहने के बाद दोबारा जालंधर आकर किसान के पास काम करते।

क्राइम सीन पर बुलाई गई फोरेंसिक टीम

घटना की सूचना गांव वासियों द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम में दी गई थी। जिसके बाद थाना लांबड़ा के एसएचओ अमन सैनी और जालंधर देहात पुलिस की सीआईए की टीम जांच के लिए मौके पर पहुंची। क्राइम सीन पर बच्चे पहले से मौजूद थे। वहीं सुबह सुबह फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया।

उत्तरकाशी हादसे में झारखंड के 13 मजदूर फंसे

रांची, 13 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में हादसा हुआ है। सुरंग बनाने के दौरान 40 मजदूर टनल के अंदर ही फंसे हैं। इन 40 मजदूरों में झारखंड के 13 मजदूर हैं, जो टनल के अंदर फंसे हैं। गिरिडीह इलाके के दो मजदूर भी इनमें शामिल है। सोमवार सुबह यहां बिरनी में जब मजदूर के परिवार वालों को यह जानकारी मिली तो घर में मातम पसर गया।

झारखंड के 13 मजदूर गिरिडीह के भी दो

फंसे मजदूरों में बिरनी के सिमराढाब के बुधन महतो का इकलौता पुत्र 25 वर्षीय सुबोध वर्मा व केशोडीह विश्वजीत वर्मा है। दोनों काम की तलाश में उत्तराखंड गये थे और इस प्रोजेक्ट में काम कर रहे थे। घर की आर्थिक स्थिति खराब होने की वजह से दोनों रोजगार की तलाश में घर से बाहर निकले हैं। बुधन महतो का एक बेटा है और एक बेटी बेटी का विवाह हो चुका है।

सभी मजदूर सुरक्षित

इस घटना के संबंध में एसपी अर्पणा यदुवंशी ने बताया कि घटना 12 नवंबर सुबह करीब नौ बजे की है। सभी मजदूर कार्य मे लगे हुए थे। पहले 36 मजदूरों के फंसे होने की सूचना थी। सोमवार सुबह उत्तरकाशी के सीओ प्रशांत कुमार ने कहा, सुरंग के अंदर 40 मजदूर हैं और सभी सुरक्षित हैं। सीओ के मुताबिक, फंसे हुए मजदूरों तक ऑक्सीजन और खाना-पानी पहुंचा दिया गया है। हम टनल के अंदर 15 मीटर तक जा चुके हैं और लगभग 35 मीटर और अंदर जाना है। देर रात तक मजदूरों से संपर्क हो गया।

रविवार सुबह हुआ हादसा

हादसा रविवार सुबह 4 बजे हुआ, जब टनल का 50 मीटर का हिस्सा गिर गया। ड्रिल मशीनों की मदद से मलबे को काटा जा रहा है। पूरी रात रेस्क्यू का काम जारी रहा। रेस्क्यू के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड, नेशनल हाईवे के करीब 156 लोग लगे हुए हैं। अफसरों के मुताबिक, मजदूरों को निकालने में 2 से 3 दिन का समय लग सकता है।

भूपेश बोले- भाजपा का चुनावी साल बोनस

सारंगढ़ में कहा- ऐसा कोई सगा नहीं, रमन ने जिसे ठगा नहीं

रायगढ़, 13 नवंबर (एजेंसियां)। भूपेश बघेल ने कहा कि, कांग्रेस की राजीव गांधी योजना और अन्य में योजनाओं में लोगों को लाभ मिला है। वहीं भाजपा के 15 साल के कुशासन में, सिर्फ ठगने का काम हुआ है। एक लाइन में कहूं तो ऐसा कोई सगा नहीं, जिसे रमन सिंह ने ठगा नहीं। किसान को सबसे पहले ठगा। कहा था कि 300 रुपए बोनस देंगे। चुनाव साल बोनस, फिर कौन हस।

सारंगढ़ के बरमकेला में सभा को संबोधित करते हुए भूपेश ने कहा कि, महिलाओं को ठगा। राखी बंधवाई, कहा कि तुम ही परिवार की मुखिया हो। चुनावी साल में खूब राशन कार्ड बनवाए, फिर किसी को पूछा तक नहीं।

आदिवासियों की जमीन पर कब्जा कर लिया, वादा करने के भी जर्सी गाय नहीं मिली। उन्होंने कहा कि, रमन सिंह, बृजमोहन, अमर अग्रवाल की गारंटी नहीं चली। अब कह रहे हैं कि मोदी जी की गारंटी है।

मोदी जी ने कहा था कि सरकार बनाओ सबके खाते में 15-15 हजार रुपए आएंगे। आ गए क्या 15 लाख? फिर बोले कि विदेश से काला धन लाएंगे। नोटबंदी कर दी, लेकिन काला धन का पता नहीं चला। कितने लोग जरूर मर गए।

गोमो-कोडरमा लाइन पर ट्रेन ड्राइवर ने लगाया इमरजेंसी ब्रेक, दो की मौत

धनबाद, 13 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के कोडरमा जिले में शनिवार को ओवरहेड बिजली का तार टूटने के कारण दिल्ली जा रही एक ट्रेन के अचानक झटके से रुक जाने से दो यात्रियों की मौत हो गई। रेलवे के अधिकारियों ने यह जानकार दी। सूचना पाकर धनबाद रेल मंडल प्रबंधक केके सिन्हा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना दोपहर 12.05 बजे गोमो और कोडरमा रेलवे स्टेशनों के बीच परसाबाद के पास हुई। पुरी-नई दिल्ली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस के चालक ने ओवरहेड तार गिरने के बाद ट्रेन को रोकने के लिए इमरजेंसी ब्रेक लगाया। इस कारण झटका लगने से दो यात्रियों की मौत हो गई।

भूपेश बघेल ने हाथों पर खाई सोटे से मार

दुर्ग, 13 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल हर साल की तरह इस बार भी दीपावली के दूसरे दिन सोमवार को गौरा-गौरी की पूजा करने सुबह 9 बजे कुम्हारी से लगे गांव जंजगिरी पहुंचे। यहां पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की और परंपरा के मुताबिक बीरेंद्र ठाकुर से हाथों पर सोंटा से मार भी खाई। उन्होंने कहा कि, इससे खुशहाली आती है। भूपेश ने कहा कि लक्ष्मी पूजा के दिन गृह लक्ष्मी योजना शुरू करने की उनकी योजना काफी लंबे समय से चल रही थी। भाजपा इसके झांसे में आ गई है तो हम क्या करें। इस योजना में महिलाओं को 15 हजार रुपए हर साल दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम तो गारंटी देते जाते हैं। भूपेश ने कहा कि यह सुंदर परंपरा सबकी खुशहाली के लिए निभाई जाती है। कोई कितना भी बड़ा आदमी हो जाए। गौरा-गौरी के सामने सब बराबर हैं। वहां जो परंपरा होती है, उसमें सोंटा भी लगाते हैं। इससे अपनों के बीच कोई मलाल रहता है, तो वो दूर हो जाता है।

दीपावली पर खूब फूटे पटाखे

पॉल्यूशन बोर्ड की गाइडलाइन पर भारी पड़ा उत्साह, देर रात तक होती रही आतिशबाजी

रांची, 13 नवंबर (एजेंसियां)। दीपावली की रात राजधानी रांची में खूब आतिशबाजी हुई। आतिशबाजी को लेकर पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की जारी गाइडलाइन पर लोगों का उत्साह भारी पड़ा। जहां पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने रात 10 बजे तक ही पटाखे फोड़ने को कहा था जबकि लोग रात 12 बजे तक आतिशबाजी करते रहे। इतनी आतिशबाजी का असर निश्चित रूप से एयर क्वालिटी पर पड़ी है। हालांकि अभी झारखंड पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की ओर से एयर क्वालिटी का रिकॉर्ड जारी नहीं किया गया है।

आतिशबाजी को लेकर लोगों का उत्साह देर शाम से ही देखने को मिलने लगा था। शाम चार बजे से ही छिटपुट पटाखों की आवाज सुनाई देने लगी थी, लेकिन असली धूम धड़ाका शाम सात बजे के बाद शुरू हुआ। पूजा पाठ के बाद लोग पटाखे फोड़ने में व्यस्त हो गए। देर रात तक पटाखे फोड़ते रहे। अधिक साउंड वाले पटाखे जमकर चले। जेएसपीसीबी की प्रारंभिक रिपोर्ट आज जारी की जाएगी, लेकिन जगह-जगह नगर निगम की ओर से डोरंडा सहित अन्य इलाके में लगे कंटीन्युअस एंबिएंट एयर क्वालिटी मॉनीटरिंग स्टेशन के डिस्प्ले बोर्ड में वायु प्रदूषण का स्तर मानकों से दोगुना दर्ज हुआ।

रविवार की देर रात रांची में कई जगहों पर मां काली की पूजा हुई। आज इन पंडालों में भक्तजन मां के दर्शन कर सकेंगे। रांची के लगभग 10 जगहों पर मां काली के थीम बेस्ड पंडाल बनाए गए हैं। वहीं कई जगहों पर परंपरागत तरीके से पूजा किया गया। आज भी लोग देर शाम पटाखे चलाएंगे और मां काली के दर्शन करेंगे।

आईडीएफ के साथ हमास के खिलाफ जंग लड़ रहे भारत से गए 200 से ज्यादा लोग

तेल अवीव, 13 नवंबर (एजेंसियां)। इजरायल और हमास की जंग में 200 से ज्यादा भारतीय हमास के खिलाफ जंग लड़ रहे हैं। आपको सुनकर लग सकता है कि शायद भारत से कुछ लोग वहां पर जाकर जंग में हिस्सा ले रहे हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। ये वह समुदाय है जो यहूदी है और इजरायल में ही बस गया था। अब जबकि इस समुदाय के सैकड़ों लोग हमास के खिलाफ जंग में शामिल हैं तो हर कोई इनके बारे में जानना चाहता है। शावेई इजरायल जो कि एक गैर-लाभकारी संस्था है, उसकी तरफ से इस बारे में ऐलान किया गया है। संस्था ने बताया है कि बेनी मेनाशे समुदाय के 200 से ज्यादा सदस्य जो कि भारतीय यहूदी हैं, उन्हें सात अक्टूबर के नरसंहार के बाद आरक्षित या सक्रिय युद्ध ड्यूटी के लिए बुलाया गया है।

कॉम्बेट यूनिट्स में शामिल

भारत से हाल ही में आए आप्रवासियों में से 75 को कॉम्बेट यूनिट्स में भर्ती किया गया है। जबकि 140 पूरे इजराइल में रिजर्व ड्यूटी में लगे हुए हैं। इस संस्था की स्थापना माइकल फ्रायंड ने की थी। येरूशलेम स्थित संस्था शावेई इजरायल का मकसद दुनियाभर से प्रवासी समुदायों और इजरायल के बीच संबंधों को मजबूत करना है। संस्था के अनुसार, वे दो दशकों से भी ज्यादा समय से बेनी मेनाशे समुदाय के बड़े पैमाने पर हो रहे आप्रवासन का समर्थन करती आ रही है। कहा जाता है कि यह इजरायल की खोई हुई जनजातियों में से ही एक के वंशज हैं। बेनी मेनाशे यानी मनश्शे का बेटा। यह दस खोई हुई जनजातियों में से एक है। इस समय भारत के लॉस्ट ट्राइब समुदायों के करीब तीन हजार सदस्य इजरायल में रहते हैं। बाकी लोग भारत में रहते हैं और यहूदी धर्म का पालन करते हैं।

कितने लोग बचे समुदाय के

फ्रायंड ने मई में द येरूशलम पोस्ट को बताया था कि भारत में कुल 5000 मेनाशे लोग बचे हैं। ये वो लोग हैं जो पिछले कई सालों से इजरायल में प्रवास करने का अनुरोध कर रहे हैं। शावेई इजरायल के मुताबिक भारत से आकर बसने वाले सैन्य उम्र के सभी पुरुषों में से 99 फीसदी हमास के खिलाफ इजरायल की लड़ाई में शामिल हैं। जबकि 90 फीसदी महिलाओं ने नेशनल सर्विस में हिस्सा लिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 26 साल की उम्र में बेनी मेनाशे समुदाय के सदस्य नतानेल टौथांग सात अक्टूबर से जारी संघर्ष में इजरायल के उत्तर में हिजबुल्लाह रॉकेट द्वारा दागे गए छर्रे से घायल हो गए थे। टौथांग गिवाती ब्रिगेड के साथ थे जब वह घायल हुए।

चीन में स्वास्थ्य अधिकारियों ने फिर से कोरोना फैलने को लेकर दी चेतावनी

बोले- टीका लगवाएं लोग

बीजिंग, 13 नवंबर (एजेंसियां)। चीनी विशेषज्ञों ने मौजूदा सर्दियों के मौसम के दौरान कोविड-19 संक्रमण के फिर से उभरने के बारे में अलर्ट जारी किया है और बुजुर्ग व कमजोरी आबादी को टीका लगवाने के लिए कहा है। आधिकारिक मीडिया ने सोमवार को बताया कि चीनी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के आंकड़ों से पता चलता है कि अक्तूबर में देशभर में कोरोना के कुल 209 नए गंभीर गंभीर मामले सामने आए और इसके कारण 24 मौतें हुईं। सरकारी अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' की खबर के मुताबिक, चीन के शीर्ष श्वसन रोग विशेषज्ञ झोंग नानशान ने सर्दियों में कोविड-19 के मामलों में मामूली वृद्धि की चेतावनी दी और बुजुर्गों एवं कमजोर आबादी को जल्द से जल्द टीका लगवाने की याद दिलाई। शेनझेन के थर्ड पीपुल्स हॉस्पिटल के प्रमुख लू होंगझोउ ने 'डेली' को बताया कि वायरस उत्परिवर्तन से गुजर रहा है।

गाजा की स्थिति पर ईयू ने जताई चिंता

कहा- जरूरतमंदों तक आवश्यक सामान पहुंचाने का प्रयास जारी

यरूशलम, 13 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइल-हमास संघर्ष के बीच गाजा में स्थिति गंभीर बनी हुई है। गाजा के बड़े बड़े अस्पतालों ने काम करना बंद कर दिया है। गाजा की मौजूदा स्थिति को देखते हुए यूरोपिय संघ के विदेश मामलों और सुरक्षा नीति के उच्च प्रतिनिधि जेसोफ बोरेल ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने इस मामले में एक बयान देते हुए कहावह गाजा में गहराते मानवीय संकट के बारे में गंभीर रूप से चिंतित हैं।

जेसोफ बोरेल ने कहा, 'ईयू युद्ध में तत्काल रोक लगाने और मानवीय गलियारों की स्थापना के आह्वान में शामिल हो गया है। इस गलियारे में सीमा पार क्षमता में वृद्धि और समुद्री मार्ग शामिल है, जिससे की गाजावासियों तक जरूरत का सामान पहुंच सके।'

ईयू ने की हमास की निंदा

ईयू ने अस्पतालों और नागरिकों को सुरक्षा ढाल के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए हमास की निंदा की है। उन्होंने हमास संगठन को जल्द बंधक बनाए गए नागरिकों को रिहा करने के लिए भी कहा है।

यूरोपियन संघ ने अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के अनुरूप इजराइल के अपने रक्षा करने के अधिकार का फिर से एक बार समर्थन किया है।

बोरेल ने कहा, 'ईयू मानवतावादी जरूरतों के लिए सभी आवश्यक वस्तुओं को जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने के लिए निरंतर तेज प्रयास कर रहा है।'

उन्होंने कहा कि अस्पतालों में चिकित्सा आपूर्ति प्रदान की जानी चाहिए और जिन मरीजों को तत्काल चिकित्सा की जरूरत है, उन्हें सुरक्षित रूप से युद्धग्रस्त क्षेत्र से बाहर निकाला जाना चाहिए।

इजराइल सुरक्षा बलों ने कहा कि तत्काल चिकित्सा के उद्देश्य से गाजा के अल-शिफा अस्पताल को 300 लीटर ईंधन प्रदान किया है। उन्होंने यह भी बताया कि हमास ने अस्पतालों को इसे लेने से मना कर दिया। आईडीएफ ने जानकारी दी कि गाजा पट्टी में लड़ते हुए दो और सैनिकों की मौत हो गई। इसी के साथ गाजा पट्टी में जमीनी ऑपरेशन के तहत हमास के खिलाफ लड़ते हुए अबतक 44 सैनिक मारे जा चुके हैं।

कनाडाई पीएम बोले- बड़े-ताकतवर देश अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करें

निज्जर केस पर ट्रूडो ने कहा- भारत से सहयोग की उम्मीद

ओटावा, 13 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने एक बार फिर हरदीप सिंह निज्जर की अपने देश में हत्या का मुद्दा उठाया है। ट्रूडो ने कहा- बड़े और ताकतवर देशों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन नहीं करना चाहिए। अगर ऐसा होता है तो ये दुनिया बहुत खतरनाक हो जाएगी।

18 जून 2023 को निज्जर की हत्या कर दी गई थी। 18 सितंबर को जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर आतंकी निज्जर की हत्या का आरोप लगाया था। भारत इन आरोपों को बेतुका बताता रहा है।

यह सबके लिए खतरनाक

ओटावा में स्मार्ट एनर्जी ग्रिड के लॉन्च के बाद ट्रूडो मीडिया से बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान उनसे निज्जर की हत्या और इसके बाद भारत और कनाडा के रिश्तों में तनाव पर सवाल पूछा गया।

इस पर उन्होंने कहा- हमारा रुख शुरू से साफ है। जब हमें पुख्ता सबूत मिल गए तभी हमने इस बारे में बयान दिया। इसकी वजह यह थी एक कनाडाई नागरिक की उसके ही देश में हत्या की गई थी। हमने भारत से

कहा कि वो जांच में मदद करे ताकि इस मुद्दे की तह तक पहुंचा जा सके।

एक और सवाल के जवाब में ट्रूडो ने कहा- हमने अमेरिका समेत अपने सहयोगी देशों से भी इस बारे में बातचीत की है। कनाडा में हमेशा से कानून का शासन रहा है। अगर सिर्फ ताकतवर को ही सही माना जाने लगेगा, बड़े और ताकतवर देश अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ने लगेंगे तो जाहिर है कि ये दुनिया बेहद खतरनाक हालात में पहुंच जाएगी। हम भारत के साथ संपर्क में हैं।

कनाडा ने अमेरिका के साथ मिलकर की थी जांच

रॉयटर्स के मुताबिक, कनाडा ने आरोप लगाने से पहले इंटेलिजेंस सबूत इकट्ठा करने के लिए अमेरिका के साथ मिलकर काम किया था। कनाडाई सरकार के सोर्स ने रॉयटर्स को बताया कि निज्जर की मौत पर भारत के एजेंट्स के रोल को लेकर कनाडा ने अमेरिका के सहयोग से जांच की थी।

वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक कनाडा ने फाइव आइज इंटेलिजेंस वाले देशों (अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड) से इस मामले में संयुक्त बयान देने की अपील की थी, लेकिन इन सब ने भारत के साथ रिश्तों को देखते हुए कुछ भी कहने से इनकार कर दिया था।

ट्रूडो ने सुनक-बाइडेन के सामने उठाया था मुद्दा

वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक कनाडा की विदेश मंत्री मेलेनी जोली ने बताया था कि ट्रूडो ने ये मुद्दा बाइडेन और सुनक के सामने भी उठाया था और इस पर यूएन जनरल असेंबली में चर्चा की मांग की थी। इसके बाद ही अमेरिका ने कहा था कि वो पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं।

कनाडा ने भारत पर निज्जर की हत्या का आरोप लगाया

करीब दो महीने पहले कनाडा के पीएम ट्रूडो ने अपनी संसद में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया था। इसके बाद उन्होंने एक भारतीय डिप्लोमैट को देश से निकाल दिया था। भारत ने ट्रूडो के बयान को बेतुका बताया था।

विदेश मंत्रालय ने कहा था- इसी तरह के आरोप कनाडाई प्रधानमंत्री ने पीएम मोदी के सामने भी रखे थे, लेकिन उन्हें पूरी तरह से खारिज कर दिया गया था। ऐसे निराधार आरोप खालिस्तानी आतंकवादियों और चरमपंथियों से ध्यान हटाने की कोशिश है। इन्हें कनाडा में पनाह दी गई है और ये भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा हैं। इसके बाद ट्रूडो ने कहा था- हम भारत को उकसाना नहीं चाहते हैं और न ही तनाव बढ़ाना चाहते हैं। हमने कुछ फैक्ट्स सामने रखे हैं। हम चाहते हैं कि इस मुद्दे पर भारत सरकार के साथ काम करें ताकि हर चीज क्लियर हो सके।

विमान यात्रियों के बदले छोड़े गए आतंकी अजहर का करीबी मौलाना रहीम, हुआ पाकिस्तान में ढेर

इस्लामाबाद, 13 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में भारत के दुश्मनों के मारे जाने का सिलसिला जारी है। अब इस सूची में अगला नाम पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का संस्थापक, पाकिस्तानी नेता और भारत का मोस्ट वांटेड मौलाना मसूद अजहर का करीबी मौलाना रहीम तारिक उल्ला का नाम शामिल हुआ है। रविवार को कराची में उसे अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। सूत्रों का कहना है कि वह कराची में भारत के खिलाफ एकत्रित हुई लोगों की भीड़ को संबोधित करने जा रहा था। पिछले सप्ताह 'लश्कर ए तैयबा' के प्रमुख हाफिज सईद का करीबी 'अकरम खान उर्फ अकरम गाजी' भी पाकिस्तान के बाजापुर में अज्ञात हमलावरों की गोली का निशाना बना था। पाकिस्तान में इस साल मारे जाने वाले आतंकियों की संख्या अब एक दर्जन के पार पहुंच गई है। आतंकी संगठन, जैश-ए-मोहम्मद का संस्थापक मौलाना मसूद अजहर, भारत के मोस्ट वांटेड आतंकियों की सूची में शामिल है।

मसूद अजहर ने कश्मीर में अपनी सक्रियता बढ़ा रखी थी। वहां पर मसूद, भारत के खिलाफ आग उगलता रहता था। कश्मीर में ऐसे अलगाववादी समूह, जो भारतीय के खिलाफ सक्रिय थे, उन्हें एकजुट रखने की जिम्मेदारी अजहर को सौंपी गई थी। मसूद की गिरफ्तारी के बाद उसे रिहा कराने के कई प्रयास हुए। आतंकियों ने उसकी रिहाई के लिए दिल्ली में कुछ विदेशियों का अपहरण कर लिया था। हालांकि उसमें अजहर के साथियों को कामयाबी नहीं मिल सकी। इसके बाद 'हरकत-उल-अंसार' समूह ने दोबारा से विदेशियों का अपहरण किया। इस बार भी उनका प्रयास विफल हो गया। साल 1999 में जम्मू की कोट भलवाल जेल से अजहर को बाहर निकालने के लिए सुरंग खोदी गई। बताया जाता है कि मसूद अजहर का वजन ज्यादा था, इस वजह से वह सुरंग में फंस गया। दिसंबर, 1999 में आतंकियों ने भारतीय विमान का अपहरण कर लिया था। उस विमान को कंधार ले जाया गया। विमान के यात्रियों की रिहाई के बदले भारत सरकार को मसूद अजहर समेत तीन खूंखार आतंकी रिहा करने पड़े थे। केंद्रीय एजेंसियों के सूत्रों का कहना है, पाकिस्तान में भारत के मोस्ट वांटेड एवं उनके सहयोगी लगातार मारे जा रहे हैं। ऐसा भी नहीं है कि आईएसआई, इन आतंकियों को महफूज रखने का प्रयास नहीं कर रही। इसके बावजूद आतंकी, अज्ञात हमलावरों का निशाना बन रहे हैं। हालांकि आईएसआई की तरफ से ऐसा आरोप लगाया जाता है कि इन सब हत्याओं के पीछे भारतीय एजेंसियों का हाथ है।

दो तीन सप्ताह के अंतराल पर किसी न किसी आतंकी संगठन जैसे 'जैश-ए-मोहम्मद', 'डी कंपनी', 'लश्कर ए तैयबा', लश्कर-ए-जब्बर और लश्कर-आई-जांगवी आदि समूहों के सदस्य मारे जा रहे हैं। पाकिस्तानी आईएसआई ने हिज्बुल मुजाहिदीन प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन, जैश-ए-मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर और 'लश्कर ए तैयबा' प्रमुख हाफिज सईद को सुरक्षा घेरा प्रदान किया है। इन्हें बुलेटप्रूफ गाड़ियां मुहैया कराई गई हैं। उन्हें सतर्क किया है कि वे अपने ठिकाने से बाहर न निकलें। पाक अधिकृत कश्मीर सेक्टर में मुजफ्फराबाद से लगभग 73 किलोमीटर दूर अथमुकाम तहसील में कुछ दिन पहले मियां मुजाहिद मारा गया था। मियां मुजाहिद के बारे में कहा जाता है कि जम्मू कश्मीर में 2018 के दौरान सेना के सुंजवान कैंप पर हुए आतंकी हमले का मास्टर माइंड ख्वाजा शाहिद था।

पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों के देश छोड़ने की डेडलाइन बढ़ाई

आखिरी तारीख 31 दिसंबर, तालिबान ने कहा था- पाक उतना ही बोए, जितना काट सके

इस्लामाबाद, 13 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने वहां रहने वाले अफगान नागरिकों के लिए देश छोड़ने की आखिरी तारीख को 31 दिसंबर तक बढ़ा दिया है। वॉइस ऑफ अमेरिका की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने कहा है कि वो अवैध तरह से देश में रह रहे 17 लाख अफगानियों को हर हाल में निकाल कर रहेगा।

अफगानिस्तान और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार दबाव के बीच पाक सरकार ने ये फैसला लिया है। पाकिस्तान में शरणार्थियों के लिए यूएन हाई कमिश्नर ने इस फैसले का स्वागत किया है। पाकिस्तान ने अपने फैसले में कहा- सरकार ने अफगान रिफ्यूजी के लिए प्रूफ ऑफ रेजिस्ट्रेशन (पीओआर) कार्ड की आखिरी तारीख 31 दिसंबर तक बढ़ा दी है।

क्या है पीओआर कार्ड

दरअसल, पाकिस्तान में रह रहे अफगानी नागरिक ज्यादातर 1970 के बाद यहां पहुंचे थे। ये हर 6 महीने पर अपने पीओआर कार्ड रिन्यू करवाते थे। इस कार्ड के जरिए अफगानियों को कानूनी तौर पर पाकिस्तान में रहने की इजाजत मिलती थी। हालांकि, इस बार 30 जून को एक्सपायर होने के बाद कार्ड रिन्यू नहीं हो सका। इसके बाद पाकिस्तान ने अक्टूबर में इन अफगान नागरिकों को निकालने की घोषणा की। इसके लिए शरणार्थियों को 1 महीने का समय दिया गया। पाकिस्तान के इस फैसले से नाराज अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने इसे क्रूर हरकत कहा था। तालिबान ने कहा था- पाकिस्तान को उतना ही बोना चाहिए, जितना वो काट सके। तालिबान अपने नागरिकों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं होने देगा। पाकिस्तान अफगान नागरिकों की संपत्ति को जब्त नहीं कर सकता है। इससे दोनों देशों के रिश्तों पर गंभीर असर होगा। दूसरी तरफ, अमेरिका उन 25 हजार लोगों को पाकिस्तान से निकाले जाने से रोकना चाहता है, जिन्होंने उसकी मदद की थी। दरअसल, 9/11 हमलों के बाद अफगानिस्तान में अपने सैन्य अभियानों के दौरान अमेरिकी सैनिकों की इन लोगों ने मदद की थी। इसके बाद अमेरिका ने इन लोगों घर देने का वादा किया था। हालांकि, पाकिस्तान के केयरटेकर पीएम अनवर उल-हक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान वादा किया था कि अमेरिका की लिस्ट में शामिल लोगों को जबरदस्ती नहीं निकाला जाएगा।

पाकिस्तान ने देश से अफगान नागरिकों को निकालने की वजह बढ़ते आतंकवादी हमलों को बताया था। पाकिस्तान के गृह मंत्री सरफराज बुगती ने आरोप लगते हुए कहा था- देश में हुए अब तक 24 फिदायीन हमलों में से 14 हमले अफगानिस्तान के नागरिकों ने किए हैं।

इमरान खान की गिरफ्तारी का वारंट जारी

इस्लामाबाद की जवाबदेही अदालत का फैसला, परेशानी में पीटीआई चीफ!

इस्लामाबाद, 13 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की राजनीतिक अस्थिरता, अगले साल आम चुनाव की तैयारियों के बीच पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान गिरफ्तारी वारंट के कारण चर्चा में हैं। इमरान खान की गिरफ्तारी के लिए इस्लामाबाद जवाबदेही अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो ने पीटीआई प्रमुख के गिरफ्तारी वारंट का पालन करने के लिए एक आवेदन दायर किया था। बता दें कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ चीफ इमरान खान फिलहाल लगभग छह महीनों से जेल में बंद हैं। पाकिस्तान की समा न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामाबाद जवाबदेही अदालत ने तोशाखाना और 190 मिलियन पाउंड के अल-कादिर ट्रस्ट मामलों में पीटीआई अध्यक्ष इमरान खान के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। अदालत ने जेल अधीक्षक को वारंट का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कानूनी कदम उठाने

का भी आदेश दिया है। पाकिस्तान की सियासत में इमरान खान का सलाखों के पीछे होना इसलिए भी अहम है क्योंकि उनके प्रतिद्वंद्वी और तीन बार पीएम रह चुके नवाज शरीफ स्वदेश लौट चुके हैं। राजनीतिक दलों के टकराव के बीच ये जानना भी बेहद जरूरी है कि नवाज शरीफ और इमरान खान के अलावा दो और धुरियां हैं जो सत्ता की दावेदारी में शामिल हैं। पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के बेटे भी नवाज के साथ-साथ इमरान को चुनौती दे रहे हैं। आठ फरवरी, 2024 को प्रस्तावित पाकिस्तान के आम चुनाव से पहले इमरान खान की पार्टी ने कहा है कि सभी दलों को चुनाव में समान अवसर मिलने चाहिए।

जयशंकर ने सुनक को दिया कोहली के साइन वाला बैट

लंदन में दिवाली पर साथ चाय पी, सुनक-अक्षता ने दीयों से सजाया पीएम आवास

लंदन, 13 नवंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के साथ उनके प्रधानमंत्री आवास 10 डाउनिंग स्ट्रीट पर दिवाली मनाई। दरअसल, सुनक ने जयशंकर और उनकी पत्नी को दिवाली चाय के लिए न्योता दिया था। इस दौरान, जयशंकर ने सुनक को विराट कोहली के साइन वाला बैट और भगवान गणेश की मूर्ति भेंट की। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (ट्विटर) पर लिखा- दिवाली के दिन ब्रिटेन के पीएम सुनक और उनकी पत्नी अक्षता से मिलकर बेहद खुशी हुई। मैं इस न्योते के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं। मैंने उन्हें भारत के नागरिकों और पीएम मोदी की तरफ से दिवाली की शुभकामनाएं दीं। भारत और ब्रिटेन आने वाले समय के हिसाब से अपने रिश्तों को आगे बढ़ाने के लिए काम कर

रहे हैं। दूसरी तरफ, सुनक ने अपने घर पर पत्नी अक्षता और दोनों बेटियों अनुष्का और कृष्णा के साथ दीपावली मनाई। इस दौरान पूरे परिवार ने मिलकर 10 डाउनिंग स्ट्रीट को कैंडल्स से सजाया। इसके बाद सुनक परिवार के साथ साउथहैम्पटन की वेडिक सोसाइटी के एक मंदिर में पूजा करने पहुंचे। सुनक ने अपने दिवाली मैसेज में कहा- ब्रिटेन के पहले एशियाई प्रधानमंत्री और एक हिन्दू होने के नाते मैं उम्मीद करता हूं कि दिवाली ब्रिटेन की विविधता का प्रतीक बनेगी। दीया जलाने के साथ ही हम भविष्य को उम्मीदों के साथ देख रहे हैं। मेरा लक्ष्य एक बेहतर भविष्य के लिए जरूरी बदलाव लाना है, जिससे अंधेरे के ऊपर रोशनी की जीत का संदेश मिल सके। दिवाली एक उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक है।

अधूरा रह जाएगा नासा का सपना!

मंगल ग्रह का सैंपल लाने वाले मिशन पर संकट के बादल

वॉशिंगटन, 13 नवंबर (एजेंसियां)। मंगल ग्रह को लेकर वैज्ञानिकों को हमेशा से दिलचस्पी रही है। नासा के अंतरिक्ष वैज्ञानिक इसके चट्टानी नमूने को वापस पृथ्वी पर लाना चाहते हैं, जो अब तक के सबसे जटिल अंतरिक्ष मिशन में से एक हैं। चट्टानों का सैंपल इकट्ठा करने के लिए नासा का पर्सीवरेंस रोवर मंगल ग्रह पर मौजूद है। वैज्ञानिक इन सैंपल को वापस लाकर इसमें जीवन के सबूत खोजना चाहते हैं। नासा का मंगल सैंपल रिटर्न मिशन पहला मिशन होगा, जब रॉकेट किसी दूसरे ग्रह से उड़ान भरेगा। लेकिन अब सबसे बड़े अंतरिक्ष मिशन पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। दरअसल इस मिशन की लागत नाटकीय रूप से बढ़ गई है। नासा की ओर से बनाई गई एक रिव्यू पैनल ने चेतावनी दी है कि इसकी कीमत 4.4 अरब डॉलर मानी जा रही थी जो अब बढ़कर 8-11 अरब डॉलर हो गई है। इस मिशन के कारण नासा के कई अन्य मिशन रद्द किए जा सकते हैं। पैनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि मंगल से सैंपल लाने का मूल बजट अवास्तविक है और उस धन के साथ इस मिशन को अंजाम नहीं दिया जा सकता।

इसमें आगे कहा गया कि वर्तमान में कोई विश्वसनीय, सुसंगत टेक्नोलॉजी नहीं है जिससे 4 अरब डॉलर की राशि से इस मिशन को पूरा किया जा सके।

रेप-मर्डर के दोषी को पुतिन ने यूक्रेन जंग पर भेजा

लंदन, 13 नवंबर (एजेंसियां)। रूस में गर्लफ्रेंड के रेप और मर्डर के आरोपी को आजाद कर दिया गया है। वो अब 17 साल की सजा काटने के बजाय यूक्रेन से जंग लड़ रहा है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश पर उस जैसे कई कैदियों को यूक्रेन में लड़ने भेजा गया है। ये कैदी अब फौजी वर्दी पहनकर दूसरे सैनिकों के साथ सेल्फी ले रहे हैं। इस दोषी का नाम व्लादिस्लाव कनायुस है। उसने गर्लफ्रेंड वेरा पेख्तेलेवा से पहले रेप किया। करीब चार घंटे टॉर्चर किया और बाद में चाकू से 111 वार किए। तार से गला भी घोंटा। लड़की की मौत हो गई थी। लड़की का कसूर यह था कि उसने व्लादिस्लाव से ब्रेकअप कर लिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक व्लादिस्लाव (27) ने वेरा (23) का रेप और मर्डर इस साल की शुरुआत में किया था। वेरा ने व्लादिस्लाव की गलत आदतों के चलते उससे ब्रेकअप कर लिया था। बाद में दोषी उसके अपार्टमेंट में गया और रेप के बाद मर्डर कर दिया। खास बात ये है कि वेरा के पड़ोसियों ने उसके फ्लैट से आ रही चीखों को सुनकर पुलिस को 7 बार फोन किया, लेकिन पुलिस ने एक बार भी फोन का जवाब नहीं दिया। इसके बाद व्लादिस्लाव मौके से भाग भी गया। बाद में वेरा की मां ने पुलिस के पास जाकर घटना की जानकारी दी। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। व्लादिस्लाव को बाद में 17 साल की कठोर सजा सुनाई गई। एक साल से ज्यादा वक्त गुजर चुका है, लेकिन रूस और यूक्रेन की जंग जारी है। वेस्टर्न मीडिया की कई रिपोर्ट्स में दावा किया जाता रहा है कि रूस के पास सैनिकों की कमी होती जा रही है। इसके अलावा यहां के युवा इस थोपी गई जंग में शामिल होने के लिए तैयार नहीं हैं। कुछ युवा तो ऐसे हैं जो देश छोड़कर ही चले गए हैं, ताकि उन्हें फौज में न जाना पड़े। इसके बाद जेल में बंद खतरनाक कैदियों को माफी इस शर्त पर दी गई कि वो जंग में शामिल होंगे। इसके लिए कई खूंखार कैदी तैयार हो गए। व्लादिस्लाव भी इनमें से एक है। उसे स्पेशल प्रेसिडेंट ऑर्डर के तहत 27 अप्रैल को माफी दी गई। अब वो जंग में शामिल हो चुका है और सेल्फी भी शेयर कर रहा है। यह मामला शायद सामने नहीं आता, लेकिन मारी गई लड़की वेरा की मां ओक्साना ने बेटी के हत्यारे व्लादिस्लाव का एक फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। इसमें वो वर्दी में नजर आ रहा है।

कांग्रेस के 3 पूर्व सांसद बाड़मेर से मैदान में

2 भाजपा से कांग्रेस में आए, सोनाराम को जॉइन करते ही टिकट मिला; लोकसभा चुनावों में भी आमने-सामने रह चुके हैं

बाड़मेर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में नाम वापसी की प्रक्रिया खत्म होते ही बाड़मेर की सातों विधानसभा सीटों की स्थिति साफ हो चुकी है। कांग्रेस ने यहां की तीन सीटों गुड़ामालानी, सिवाना और बायतु से पूर्व सांसदों को प्रत्याशी बनाया है। गुड़ामालानी सीट से पूर्व सांसद कर्नल सोनाराम, सिवाना सीट से पूर्व सांसद कर्नल मानवेंद्र सिंह और बायतु सीट से पूर्व सांसद एवं वर्तमान विधायक हरीश चौधरी चुनाव लड़ रहे हैं।

तीनों प्रत्याशियों में सबसे रोचक तथ्य यह है कि सिवाना से चुनाव लड़ रहे कर्नल मानवेन्द्र सिंह, सोनाराम चौधरी और हरीश चौधरी के सामने चुनाव लड़ चुके हैं। मानवेंद्र बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट पर आपस में लड़े थे। मानवेंद्र सिंह 1999 और 2004 में कर्नल सोनाराम चौधरी के सामने थे। इसमें 2,71,888 वोटों से सोनाराम को हराया था। वहीं हरीश चौधरी से 2009 में 1,19,106 वोटों से हार गए थे।

कर्नल सोनाराम चौधरी ने कांग्रेस से पहला लोकसभा चुनाव 1996 में लड़ा और पहले ही चुनाव में जीत गए थे। इसके बाद अल्पमत की वजह से 1998 में फिर से लोकसभा चुनाव हुए। इसमें भी कर्नल सोनाराम चौधरी जीत गए थे। साल 1999 में फिर से लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने तीसरी बार उम्मीदवार बनाया उसमें कर्नल सोनाराम चौधरी जीत गए थे।

लेकिन, साल 2004 में कांग्रेस ने फिर से मैदान में उतारा लेकिन उस समय बीजेपी के उम्मीदवार मानवेंद्र सिंह ने कर्नल सोनाराम चौधरी को हरा दिया। इसके बाद कर्नल सोनाराम चौधरी ने परिसीमन के बाद बनी बायतु विधानसभा सीट से साल 2008 में चुनाव लड़ा और जीत गए। साल 2013 में फिर बायतु सीट से कांग्रेस उम्मीदवार बनाया।

लेकिन, उस समय बायतु सीट से विधानसभा चुनाव हार गए। 2014 में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी जॉइन कर ली और लोकसभा चुनाव लड़ा। उस समय बीजेपी से बागी हुए पूर्व विदेश मंत्री जसवंत सिंह को हरा दिया। साल 2018 में बाड़मेर विधानसभा से चुनाव लड़ा लेकिन हार गए। अब करीब 10 साल बाद कर्नल सोनाराम चौधरी ने घर वापसी करते हुए कांग्रेस से गुड़ामालानी विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं।

टिकट मिलने की वजह- कर्नल सोनाराम पहले भी कांग्रेस में थे और जातिगत समीकरण पक्ष में हैं। वहीं गुड़ामालानी से कांग्रेस के मौजूदा विधायक हेमराम चौधरी ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया था। ऐसे में सबसे मजबूत दावेदार के रूप में बनकर उभरे और कांग्रेस जॉइन करते ही गुड़ामालानी से टिकट मिल गया।

कर्नल मानवेंद्रसिंह ने पहला चुनाव बीजेपी सिंबल पर साल 1999 में बाड़मेर-जैसलमेर सीट से लड़ा था। वे कर्नल सोनाराम चौधरी से हार गए थे। इसके बाद फिर से बीजेपी ने साल 2004 में उन्हें लोकसभा में उतारा। इस बार उन्होंने कर्नल सोनाराम चौधरी को हरा दिया। बीजेपी ने 2009 में फिर से मानवेंद्र सिंह पर दांव खेला। लेकिन, इस बार कांग्रेस ने नए चेहरे हरीश चौधरी को मैदान में उतारा। हरीश चौधरी चुनाव जीत गए।

जयराम रमेश बोले- गहलोत-पायलट के बीच सब ठीकठाक

भाजपा में कांग्रेस से ज्यादा बागी; जीते तो आम सहमति और हाईकमान से तय होगा सीएम

जयपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि गहलोत और पायलट के बीच सब ठीक है। दोनों का मकसद सरकार रिपीट करना है। सीएम चेहरे पर उन्होंने कहा कि पहले कांग्रेस का बहुमत आने दीजिए, उसके बाद आम सहमति से विधायक और हाईकमान तय करेंगे। सब हमारी पार्टी के लिए एसेट हैं। जयराम रमेश ने कांग्रेस की खींचतान और मतभेदों पर कहा कि कांग्रेस में अलग-अलग आवाजें हैं। जिस दिन एक आवाज होगी, उस दिन चिंता होगी, हम आवाज नहीं दबाते, सबकी सुनते हैं।

कांग्रेस के प्रचार अभियान में अब तक वो आक्रामकता नहीं दिख रही है जो विपक्ष में रहते हुए थी, इसे क्या माना जाए?

हम सरकार के पांच साल काम के आधार पर जनादेश मांग रहे हैं। फ्री बिजली, 500 रुपए में सिलेंडर, 25 लाख का स्वास्थ्य बीमा, 17 नए जिलों की घोषणा, ये सब राजस्थान की जनता के लिए बड़ी उपलब्धि है।

हम आने वाले पांच साल के लिए जनता को गारंटी दे रहे हैं, उन

गारंटियों को पूरा करने में पांच साल नहीं लगेंगे, पहले साल में ही पूरा करेंगे।

ये जो कहा जा रहा है कि लोग साइलेंट है, मैं समझता हूं कि अंडर करंट है। लोग मान गए हैं कि भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए प्रधानमंत्री ने ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग शुरू किया है, ध्रुवीकरण की बातें कर रहे हैं, बिना मतलब की बातें उठाते हैं। मैं समझता हूं यह चुनाव राजस्थान के लिए परिवर्तनकारी चुनाव होगा, क्योंकि दशकों बाद पहली बार सरकार रिपीट होगी।

हम एक लोकतांत्रिक पार्टी हैं। मुझे तब चिंता होगी, जब एक ही आवाज सुनाई देगी। कांग्रेस में अलग-अलग आवाजें हैं और होनी चाहिए। हम किसी की आवाज को दबाते नहीं है। पार्टी में अलग-अलग लोग हैं, अलग-अलग ख्याल है, सबको साथ लेकर चलना ही कांग्रेस का रास्ता है।

पिछले साल दिसंबर में 16 दिन तक हम भारत जोड़ो यात्रा में राजस्थान में रहे, 485 किलोमीटर की यात्रा की। उसका नतीजा आप देख रहे हैं। संगठन में एकजुटता दिखाई दे रही है। राजस्थान की कई योजनाएं ऐसी हैं जो देश में कहीं नहीं हैं। राजस्थान मॉडल बन गया है। बीजेपी के पास कोई मुद्दा ही नहीं है, चेहरा छोड़िए। चेहरा मोदी हैं, मोदी कहते हैं मैं गारंटी देता हूं, क्या वे राजस्थान के मुख्यमंत्री हैं? क्या मोदी जयपुर में बैठकर राजस्थान की सरकार चलाएंगे, वे केंद्र सरकार तो चला नहीं पा रहे हैं।

सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच सब ठीक हो गया है क्योंकि दोनों का मकसद एक ही है कांग्रेस की सरकार को रिपीट करना, कांग्रेस को बहुमत मिलना चाहिए। उसके बाद विधायक बैठेंगे, हाईकमान से राय मशविरा होगा और एक आम सहमति के आधार पर कौन चेहरा बनेगा, वह तय किया जाएगा।

सभी लोग हमारी पार्टी के असेट हैं। राहुल गांधी से यह सवाल किया गया था, उन्होंने भी यही कहा था। हमारा कर्तव्य बनता है कि सब लोग सामूहिक मकसद के साथ काम करें और वह मकसद है फिर से कांग्रेस को जनादेश दिलवाना।

अभी हम 2023 तक ही सीमित हैं, 2023 के विधानसभा चुनाव में जनादेश लेना है। कांग्रेस की विचारधारा की जीत होनी चाहिए, सद्भावना की जीत होनी चाहिए, आर्थिक विकास के लिए जीत होनी चाहिए। यह प्रतिशोध की राजनीति से मुक्ति पाने के लिए जीत होनी चाहिए। पहले पार्टी को जनादेश मिलता है तो उसके बाद आम सहमति बनाई जाएगी, उससे ही तय होगा।

मुझे भी फीडबैक मिला है, लोगों से मिलता रहता हूं हमारी आलोचना भी होती है, लेकिन अंडर करंट है और लोग सरकार से खुश हैं, जो हमने पिछले पांच साल में काम किया है, योजनाएं दी हैं उससे फायदा भी हुआ है।

सचिन को मिला बीएसपी प्रत्याशी बैरवा का साथ

बोले- पायलट की विचारधारा से प्रभावित हूं

टोंक, 13 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान चुनाव में भाजपा-कांग्रेस की टक्कर से पहले सचिन पायलट को एक खुशखबरी मिली। उनके सामने खड़े बसपा प्रत्याशी ने उनके समर्थन का एलान किया है।

राजस्थान चुनाव में कई सीटों पर बीजेपी-कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के लिए मुकाबला काफी कड़ा दिख रहा है। रोज नए-नए सियासी समीकरण देखने को मिल रहे हैं। ऐसी ही एक सीट है टोंक जिस पर सबकी निगाहें हैं। ये सीट इसलिए भी खास है क्योंकि यहां से राज्य के पूर्व डिप्टी सीएम और कांग्रेस नेता सचिन

पायलट उम्मीदवार हैं। पायलट टोंक से विधायक भी हैं। इस सीट से पायलट दूसरी बार मैदान में हैं। इस सीट से भाजपा ने पायलट को टक्कर देने के लिए अजीत कुमार मेहता को चुनावी मैदान में उतारा है। वहीं, बसपा की वजह से ये मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता था, लेकिन ऐन वक्त पर बसपा के प्रत्याशी अशोक बैरवा ने पायलट को समर्थन देने का ऐलान कर दिया है।

पायलट की विचारधारा से बहुत प्रभावित हूं-बैरवा

अशोक बैरवा टोंक में भीम सेना के जिलाध्यक्ष भी हैं। अशोक बैरवा को बसपा ने इस बार टोंक सीट से टिकट दिया था, लेकिन चुनाव से पहले बसपा के प्रत्याशी ने अपना समर्थन पायलट को दिया है। समर्थन की घोषणा करते हुए खुद अशोक बैरवा ने कहा कि मैंने नामांकन के दिन ही नाम वापस लेना चाहता था, लेकिन उस दिन देर हो गई। उन्होंने नाम वापस लेकर पायलट के समर्थन की बात कही। बैरवा ने कहा कि मैं पायलट जी की विचारधारा से बहुत प्रभावित हूं, यही वजह है कि मैं उनके समर्थन के लिए उतरा हूं।

पायलट ने किया स्वागत

अशोक बैरवा के समर्थन मिलने पर पायलट ने भी उनका स्वागत किया। पायलट ने कहा कि अशोक बैरवा दलित परिवार से आते हैं, मैं इनका स्वागत करता हूं।

पायलट ने कहा कि अशोक बैरवा के समर्थन से हमें और बल मिलेगा। टोंक में जनसंपर्क के दौरान पायलट ने क्षेत्रवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं भी दीं।

एयर क्वालिटी खतरे के निशान पर

जयपुर, जोधपुर, अजमेर में एक्युआई 200 के ऊपर, धौलपुर में 300 के पार पहुंचा

जयपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में प्रदूषण का लेवल खतरे के निशान पर पहुंच गया है। सोमवार सुबह कोटा, गंगानगर, हनुमानगढ़, भरतपुर में प्रदूषण का लेवल आज सुबह 8 बजे 250 के पास रहा। वहीं जयपुर, जोधपुर, अजमेर, बीकानेर और उदयपुर जैसे बड़े शहरों में 200 से 250 के बीच दर्ज हुआ। सबसे ज्यादा पॉल्यूशन धौलपुर में रहा, यहां एयर क्वालिटी इंडेक्स 324 दर्ज हुआ। एयर क्वालिटी इंडेक्स 50 से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

औद्योगिक नगरी भिवाड़ी में एयर क्वालिटी इंडेक्स का लेवल 199 था, जो आज सुबह बढ़कर 290 पर आ गया। विशेषज्ञों के मुताबिक उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने से पॉल्यूशन ज्यादा देर रुकता नहीं है। आसमान में ही ऊपर की तरफ उड़ जाता है। फिलहाल उत्तर-पश्चिमी हवाएं चल रही हैं, इसलिए यह प्रदूषण ज्यादा देर नहीं रहेगा।

इसी तरह जोधपुर के कलेक्ट्रेट में भी कुछ ऐसी ही स्थिति रही। आज सुबह यहां एयर क्वालिटी इंडेक्स 234, जबकि सम्राट अशोक उद्यान के पास 200 रही। इससे पहले यहां इंडेक्स 100 के आसपास रहा। बीकानेर में भी स्थिति नियंत्रण में रही। बीकानेर में आज सुबह एक्युआई लेवल 247 रहा, जबकि रात का 197 से भी नीचे था। अजमेर भी दीपावली की रात 10 बजे तक एयर क्वालिटी इंडेक्स 150 से नीचे था, लेकिन सुबह ये बढ़कर 212 तक पहुंच गया।

कोटा, गंगानगर में स्थिति खराब

कोटा के नयापुरा इलाके में आज सुबह एक्युआई लेवल 299, श्रीनाथपुरम में 355 और धानमंडी 300 के करीब रहा। वहीं गंगानगर में आज इंडेक्स 294, हनुमानगढ़ में 293 रहा। भरतपुर में आज एक्युआई का स्तर 308 पर आ गया, जो रेड जोन श्रेणी में आता है।

'कबड्डी में काका-भतीजी का रिश्ता नहीं'

ज्योति मिर्धा बोलीं- चाचा ने कहा था, सामने नहीं लड़ूंगा; हरेंद्र बोले- पार्टी छोड़ने से पहले नहीं बताया

नागौर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। नागौर विधानसभा सीट पर चाचा और भतीजी एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। बीजेपी ने कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुईं पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा को मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने रिश्ते में उनके चाचा और पूर्व मंत्री हरेंद्र मिर्धा को टिकट दिया है।

ज्योति मिर्धा आरोप लगाती हैं कि उनसे चाचा हरेंद्र ने कहा था कि वो सामने चुनाव नहीं लड़ेंगे।

इसके उलट कांग्रेस प्रत्याशी हरेंद्र मिर्धा कहते हैं कि भतीजी ज्योति मिर्धा ने पार्टी छोड़ने से पहले उनसे कोई बात नहीं की।

'कोई हारे, कोई जीते चलेगी तो मिर्धा की ही'। नागौर विधानसभा ही नहीं पूरे जिले में ये जुमला हर किसी की जुबां पर है। बीजेपी और कांग्रेस के प्रत्याशी दिग्गज सियासी

मिर्धा परिवार से आते हैं। इसी परिवार के सदस्य डेगाना (विजयपाल मिर्धा) और खींवसर सीट (तेजपाल मिर्धा) से भी प्रत्याशी हैं। एक ही परिवार से चार अलग-अलग सदस्यों के चुनावी समर में तीन सीटों से मैदान में होने से कहा जा रहा है कि इस बार नागौर में दोनों ही पार्टियों में मिर्धा परिवार की खूब चली है। ऐसे में चाहे कोई भी जीते, इस परिवार की सरकार में चलनी है।

कांग्रेस प्रत्याशी हरेंद्र मिर्धा पूर्व केंद्रीय मंत्री रामनिवास मिर्धा के बेटे हैं। वहीं ज्योति मिर्धा भी पूर्व केंद्रीय मंत्री नाथूराम मिर्धा की पोती हैं। रामनिवास मिर्धा और नाथूराम मिर्धा भाई थे।

चुनावी प्रचार में फिलहाल ज्योति मिर्धा अपने चाचा हरेंद्र मिर्धा से आगे हैं। वजह साफ है, उन्हें टिकट काफी पहले ही मिल गया था। हरेंद्र मिर्धा का नाम कांग्रेस लिस्ट में नामांकन की आखिरी तारीख से एन पहले ही आया था। ऐसे में फिलहाल हरेंद्र मिर्धा अपनी टीम को एक्टिवेट करने में लगे हुए हैं। उनके लिए सबसे बड़ा टास्क था, कांग्रेस से बागी होकर चुनाव मैदान में आए पूर्व विधायक हबीबुर्रहमान को मनाना, इसमें वे कामयाब नहीं हुए। इसके उलट ज्योति मिर्धा रोज सुबह जल्दी पूर्व विधायक मोहन राम चौधरी और भाजपा कार्यकर्ताओं की टीम के साथ ग्रामीण क्षेत्र के दौरों पर निकल जाती हैं। वहीं हरेंद्र मिर्धा के साथ पुराने खांटी नेताओं की भरमार है। बेटे राघवेंद्र मिर्धा भी अपनी पूरी टीम के साथ प्रचार में जुटे हैं।

राज्यपाल कटारिया के उदयपुर आने से नाराज कांग्रेस प्रत्याशी, चुनाव आयोग से की शिकायत

उदयपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की उदयपुर सीट से अपना पहला विधानसभा चुनाव लड़ रहे कांग्रेस प्रत्याशी गौरव वल्लभ ने यहां के पूर्व विधायक और मौजूदा राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया पर बड़ा आरोप लगाया है। उदयपुर के पूर्व विधायक और असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया पर उदयपुर से कांग्रेस प्रत्याशी गौरव वल्लभ ने आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसकी शिकायत चुनाव आयोग से भी कर दी है। गौरव वल्लभ ने आरोप लगाया है कि कटारिया ने

यहां बीजेपी प्रत्याशी ताराचंद जैन के समर्थन में प्रचार कर आदर्श आचार संहिता का खुला उल्लंघन किया है। इसकी शिकायत उन्होंने यहां चुनाव पर्यवेक्षक से की है।

राष्ट्रपति से लेकर चुनाव आयोग को भेजी शिकायत

गौरव वल्लभ ने चुनाव आयोग के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भी कटारिया का शिकायती पत्र भेजा है। उनका आरोप है कि राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया भारतीय जनता पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी ताराचंद जैन के समर्थन में कर रहे हैं, जोकि यह स्पष्ट दर्शाता है कि किस तरीके से एक संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति अपने पद का अपने प्रभाव का दुरुपयोग कर रहा है। उन्होंने गुलाबचंद कटारिया के मूवमेंट पर भी रोक लगाने की मांग की है, जिससे प्रदेश में और संभाग में एक आदर्श आचार संहिता की पालना हो सके।

पुष्कर में इजरायली युवती ने मचाया उत्पात

मौके पर जमा हुई भीड़, पुलिस ने किया काबू इलाज के लिए धर्मस्थल बेदख़बाद पहुंचाया

अजमेर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। अजमेर जिले के पुष्कर में सूर्य धर्मशाला चौक में दीपावली की रात इजरायल की एक पर्यटक होश हवास खो बैठी। सरे बाजार ऊल जुलूल हरकतें करने लग गई। जिसके बाद मोके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही बाजार में विदेशी पंजीकरण शाखा के नदीम सहित पुष्कर थाने के एएसआई नाथूलाल मौके पर पहुंचे। बाजार में घूमते विदेशी पर्यटकों ने बेसुध विदेशी युवती को काबू में किया तथा समझाइश की।

काफी देर बाद पुष्कर थाना पुलिस ने उसे इलाज के लिए इजरायलियों के धर्मस्थल बेदख़बाद पहुंचाया। ASI ने मामले में कहा की जांच के बाद ही उसकी मानसिक स्थिति का पता चल सकेगा।

जिला प्रमुख की जुबान फिसली: जनसभा में कांग्रेस के रिपीट होने की बात कही, टोका तो बयान बदला, भाजपा सांसद की पुत्रवधू हैं जिला प्रमुख

झुंझुनूं, 13 नवंबर (एजेंसियां)। मण्डावा से भाजपा प्रत्याशी सांसद नरेन्द्र खीचड़ की पुत्रवधु झुंझुनूं जिला प्रमुख हर्षिनी कुल्हरि की जुबानी फिसल गई। उन्होंने जनसभा के दौरान मण्डावा में कांग्रेस रिपिट होने की बात कह दी। उसके बाद पीछे बैठे अन्य वक्ता ने इशारा किया तो जिला प्रमुख ने अपना बयान बदला। दरअसल 6 नवंबर को भाजपा प्रत्याशी नरेन्द्र कुमार खीचड़ के नामाकंन से पहले मण्डवा विधानसभा क्षेत्र के अलसीसर के महाराणा प्रताप स्टेडियम में जनसभा की गई थी। जिसमें भाजपा के दिग्गज नेता घनश्याम तिवाड़ी समेत कई नेता पहुंचे थे। इस दौरान जिला प्रमुख ने भी जनसभा को संबोधित किया था, जिसमें उनकी जुबानी फिसल गई थी। जिला प्रमुख शुरूआत के भाषण कांग्रेस को घेरा। कहा कि मण्डावा विधानसभा का किसान परेशान है, ठगा गया है।

17 बार पेपर लीक करके युवाओं के सपनों को तोड़ा गया है। मंडावा विधानसभा में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। चार के वजह 6 जेब सिलवा ली है। ये किस प्रकार से भरी गई यहां की जनता को पता है। यहा की जनता को परेशान करके यह जेबे भरी गई है। इतना बोलने के आखिर में जिला प्रमुख ने कहा कि इस बार निश्चित रूप से मंडावा से कांग्रेस विजय होगी। इतने में पास में बैठे अन्य वक्ता ने जिला प्रमुख को टोका तो, उन्होंने तुरंत अपना बयान बदलते हुए कहा की कांग्रेस हारेगी और भाजपा जीतेगी।

13 किलो गांजे के साथ युवक गिरफ्तार

पुलिस को देखकर घबराने लगा, बेचने के लिए खड़ा था आरोपी

बूंदी, 13 नवंबर (एजेंसियां)। बूंदी के इंद्रगढ़ थाना क्षेत्र के पापडा गांव में पुलिस ने युवक को गांजा बेचते हुए गिरफ्तार किया है। पुलिस इलाके में गश्त पर थी। इसी दौरान गांव से दूर एक युवक संदिग्ध रूप से खड़ा मिला। पुलिस ने युवक की तलाशी ली तो उसके पास 13 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इंद्रगढ़ एसएचओ रामेश्वर चौधरी ने बताया कि चुनावों और त्योहार के चलते पुलिस कमलेश्वर महादेव मंदिर के रास्ते पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान पापडा गांव के कीरो की ढाणी निवासी गोकुल (27) खड़ा हुआ दिखाई दिया। पुलिस को देख युवक घबराकर इधर उधर झांकने लगा। पुलिस ने शक होने पर युवक की तलाशी ली। तलाशी के दौरान युवक के पास से 13 किलो 848 ग्राम गांजा बरामद हुआ। युवक गांव से दूर सुनसान जगह पर गांजे की बिक्री कर रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच लाखेरी पुलिस को सौंपी हैं। एक महीने पहले युवक का भाई भी 58 किलो गांजे के साथ पकड़ा गया था। युवक अपने खेत पर ही गांजा लगाकर खेती करता है। युवक का खेत जंगली इलाके में होने से पुलिस की जल्दी नजर नहीं पड़ती है।

बुजुर्ग महिला की हत्या के आरोपी पति-पत्नी गिरफ्तार

ब्याज पर दिए रुपए मांगने आई तो हुई कहासुनी गला दबाकर मारा और नदी में फेंका शव

डूंगरपुर, 13 नवंबर (एजेंसियां)। ओबरी थाना पुलिस ने वासेला गांव में मोरन नदी में एक बुजुर्ग महिला का शव मिलने के मामले का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या के आरोप में पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। मृतका ब्याज पर पैसे देने का काम करती थी। वहीं, आरोपियों से ब्याज के पैसे लेने गई थी। इस दौरान आरोपियों ने बुजुर्ग महिला की गला दबाकर हत्या कर शव नदी में फेंक दिया था। बुजुर्ग महिला के पहने हुए गहने भी उतार लिए थे।

सागवाड़ा डीएसपी विक्रम सिंह ने बताया की 6 नवंबर को डैयाना निवासी कडवी पाटीदार (60) अपने घर से निकली थी । वहीं, 10 नवंबर को वासेला गांव की मोरन नदी में कड़वी का शव मिला था, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में पता चला की कड़वी पाटीदार ब्याज पर पैसे देने का काम करती थी, जिसके चलते वह 6 नवंबर को वासेला गांव में गई थी। पुलिस अपनी जांच करते हुए वासेला गांव पहुंची। इस दौरान पुलिस को वासेला निवासी गजु पुत्र मनु नानोमा को डिटेन कर पूछताछ की। पहले तो गजू पुलिस को गुमराह करता रहा, लेकिन पुलिस ने जब सख्ती से पूछताछ की तो गजू ने अपनी पत्नी तुलसी के साथ मिलकर कड़वी पाटीदार की हत्या करना कबूल किया, जिस पर पुलिस ने हत्या के आरोप में पति- पत्नी को गिरफ्तार किया।

आरोपी गजू ने बताया की उसने कड़वी पाटीदार से 30 हजार रुपए ब्याज पर लिए थे, जिसको लेने वह 6 नवंबर को उसके घर आई थी। पैसों को लेकर विवाद हो गया। इस विवाद में गजू ओर उसकी पत्नी तुलसी ने कड़वी को गला दबाकर हत्या कर दिया। साथ ही कड़वी के पहने हुए गहने भी उतार लिए थे। इसके बाद शव को मोरन नदी में फेक दिया था।

थैलेसीमिया रोगियों के लिए मेगा रक्तदान शिविर आयोजित

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया पयाम-ए-इंसानियत फोरम (एआईपीआईएफ) ने थैलेसीमिया सिकल सेल सोसाइटी (टीएससीएस), हैदराबाद के साथ मिलकर वाहेद नगर, हाई-टेक गार्डन रोड, ओल्ड मलकपेट, हैदराबाद में थैलेसीमिया रोगियों के लिए 'रक्तदान शिविर' का आयोजन किया। शिविर का आयोजन अबू ऐमल और मौलाना सैयद, प्रभारी कुतुबुद्दीन नदवी, मौलाना मोइस उद्दीन नदवी साहब, संरक्षक और सभी एआईपीआईएफ स्वयंसेवकों द्वारा किया गया था। शिविर में कुल 484 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस नेक पहल का उद्देश्य थैलेसीमिया से जूझ रहे उन व्यक्तियों की सहायता के लिए समर्थन जुटाना और स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करना है, जिन्हें उनके प्रबंधन के हिस्से के रूप में नियमित रक्त आधान की आवश्यकता होती है।

टीएससीएस के अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल ने रक्तदान की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि हम उन सभी आयोजकों और रक्तदाताओं को धन्यवाद देना चाहते हैं जो इस नेक पहल के लिए आगे आए हैं। इस तरह की पहल न केवल जागरूकता बढ़ाती है बल्कि इन परिस्थितियों से जूझ रहे व्यक्तियों के जीवन में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है।

शमशेरगंज स्थित शिव मंदिर गौशाला में अमावस्या पर गोसेवा करते हुए गोभक्त।

गुजराती एकता महोत्सव 7 जनवरी से, आमंत्रण पत्र सौंपा

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना गुजराती समाज द्वारा तेलंगाना में रहने वाले गुजरातियों के लिए गुजराती एकता के साथ गुजराती एकता महोत्सव 2024 (हमारी भाषा, हमारी जिम्मेदारी) संस्कृति का प्रदर्शन करने और अपनी प्रतिभा/कौशल को व्यक्त करने के लिए आयोजित एक मंच की स्थापना की गई। प्रेस विज्ञप्ति में तेलंगाना गुजराती समाज के मंत्री मीनल वखारीया एवं राजेश शाह ने कहा कि गुजराती एकता महोत्सव 2024 की योजना केवल गुजरातियों के लिए आगामी 7 जनवरी से 7 अप्रैल 2024 तक, चार महीनों के लिए हर रविवार को विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने और मनोरंजन के साथ प्रतिभा दिखाने का एक शानदार अवसर है और तेलंगाना में रहने वाले गुजराती इसका लाभ उठा सकते हैं। गुजराती एकता महोत्सव 2024 के चेयरमैन जसमत पटेल ने कहा कि इसमें सभी गुजराती बंधुओ के भाग लेने और आनंद लेने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है।

मीनल वखारिया एवं राजेश शाह ने आगे कहा कि गुजराती एक्ता महोत्सव मे जुडने के लिए नगरद्वय ही नही बल्की समस्त तेलंगाना में निवास करने वाले गुजरात वासीयों के साथ समस्त समाजो को एक मंच पर लाने एवं जोडने का कार्य किये जा रहा है इसमे जुडने की इच्छुक समाज एवं गुजराती लोग संस्था के पदाधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। आज इसके अंतर्गत मुसापेट स्थित पाटीदार समाजवाडी में श्री हैदराबाद सिकंदराबाद कच्छ कडवा पाटीदार समाज के अध्यक्ष कांतीलाल गोराणी, मंत्री हंसराज दडगा, ट्रस्टी नारायण रवाणी, केशवलाल चौधरी, लक्ष्मण रवाणी, महेन्द्र रवाणी, जसवंत सुराणी आदि से तेलंगाना गुजराती समाज के मीनल वखारीया एवं जसमत पटेल ने भेटकर कार्यक्रम के संबंध मे चर्चा की। श्री हैदराबाद सिकंदराबाद कच्छ कडवा पाटीदार समाज के अध्यक्ष कांतीलाल गोराणी ने गुजराती एकता महोत्सव में जुडने एवं इसमे हरसंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया।

अमावस्या पर गगन पहाड़ स्थित सत्यम्-शिवम्-सुंदरम् गौनिवास में गोसेवा करते हुए श्रद्धालु।

गौ सेवा मित्र मंडल द्वारा दीपावली पर श्री समर्थ कामधेनु गौशाला, जियागुड़ा मेह गजलक्ष्मी माता एवं गौ माता की पूजा की गई। उपस्थित हैं प्रभुदत्त महाराज, मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, प्रदीप मोर, सुनील, यश अग्रवाल, श्याम अग्रवाल एवं अन्य।

कांग्रेस के पूर्व विधायक बीआरएस में शामिल

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक थाती वेंकटेश्वरलु मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की उपस्थिति में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल हो गए हैं। सोमवार को भद्राद्रि कोठागुडेम जिले के दम्मापेट में आयोजित प्रजा आशीर्वाद् सभा में मुख्यमंत्री ने वेंकटेश्वरलू के साथ सुन्नम नागमणि समेत अन्य कांग्रेस नेताओं को गुलाबी दुपट्टा पहनाकर बीआरएस पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर बोलते हुए, वेंकटेश्वरलू ने कहा कि तेलंगाना का विकास केवल सीएम केसीआर के साथ संभव है और कहा कि वह पार्टी अध्यक्ष की आकांक्षाओं के अनुसार काम करेंगे।

चौगुनी सवारी में तीन की मौत

काकीनाडा, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को यहां तेज गति से बाइक चला रहे चार युवकों की दुपहिया वाहन एक ट्रैक्टर से टकरा गई, जिससे उनमें से तीन की मौत हो गई। जिले के तल्लारेवु मंडल के लच्छीपालेम बाईपास केंद्र पर हुए हादसे में जहां तीन की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं चौथे की हालत अस्पताल में गंभीर बनी हुई है।

श्रीराम हनुमान मठ नामपल्ली में अन्नकूट आज

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली रेलवे स्टेशन के पीछे स्थित पुरातन श्रीराम हनुमान मठ के महंत श्रीराम भरोसे दास जी महाराज द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मंगलवार 14 दिसंबर को शाम 7:30 बजे से श्रीराम हनुमान मठ में अन्नकूट प्रसाद का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अधिक से अधिक संख्या में भक्तगणों को पधार कर अन्नकूट महाप्रसाद कार्यक्रम में भाग लेनें का निवेदन किया गया है।

श्री बालवीर हनुमान मन्दिर में अन्नकूट महोत्सव 21 को, हुई बैठक

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष कार्तिक सुदी 9 नवमी (आंवला नवमी) मंगलवार 21 नवम्बर 2023 को श्री बालवीर हनुमान मन्दिर, नामपल्ली रेल्वे स्टेशन प्लेटफार्म नं. 1, नामपल्ली, हैदराबाद, तेलगांना पर श्री अन्नकूट महोत्सव का आयोजन रखा गया है। प्रात: 7 बजे से रामदरबार का अभिषेक व हनुमान जी महाराज का चोला, सुन्दरकाण्ड व दोपहर भजन कीर्तन होंगे व सांय 5-31 बजे आरती के पश्चात प्रसादी का आयोजन है। इस अवसर पर छप्पन भोग, छत्तीस व्यंजन के दर्शन होगें। आज कार्यक्रम के संदर्भ में पोस्टर आदि महाराज द्वारा लोकार्पित किया गया। इस अवसर पर भैरूलाल उपाध्याय, मदन लाल उपाध्याय, रामदेव नागला, मानकचंद पंडिया, रामेश्वर लाल उपाध्याय, घनश्याम दमावत, विष्णु कोलरिया, छगन व्यास, बालकिशन उपाध्याय, दिनेश नागला, भगवान महाराज उपस्थित थे।

जुक्कल विधानसभा चुनाव के लिय जांच पड़ताल संपन्न

मदनूर, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विधानसभा आम चुनाव के तहत जुक्कल (एससी) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 28 नामांकन किये गये है। स्थानीय चुनाव अधिकारी मनु चौधरी ने सोमवार के दिन एक प्रेस विज्ञापन में बताया कि 013-जुक्कल (एससी) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिये कुल 28 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया। सोमवार के दिन नामांकन की जांच के दौरान 5 उम्मीदवारों के नामांकन खारिज कर दिये गये। बाकी 23 उम्मीदवारों का नामांकन स्वीकार कर लिया गया है।

दीपावली पर श्री जैन सेवा संघ हैदराबाद के कार्यालय में महा लक्ष्मी पूजन करते हुए संघ के महामंत्री अशोक कुमार मुथा, प्रचार संयोजक प्रवीन पांड्या एंव कर्मचारीगण।

अमावस्या पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमावस्या के अवसर पर न्यू बोइनापल्ली बापूजीनगर श्री देवी नल्ला पोचम्मा मंदिर और जयनगर स्कायर नल्ला पोचम्मा मंदिर, चिन्नथोकट्टा कट्टमैसम्मा मंदिर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम में बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जेपी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस दौरान मंदिर समिति आयोजकों के साथ अन्नदान कार्यक्रम। कार्यक्रम में बापूजीनगर नल्लापोचम्मा मंदिर समिति के सदस्य प्रेम मुदिराज, दुर्गासैया, रामाराव. अजित, नरसिम्हा, जहांगीर, मारुति गौड़ ने भाग लिया।

दीपावली पर भाग्यलक्ष्मी माता मंदिर, चारमीनार में पूजा-अर्चना करते हुए जामबाग पार्षद राकेश जयसवाल व अन्य। इस मौके पर मंदिर कमेटी प्रबंधन ने उनका अभिनंदन किया।

राजनीतिक अस्थिरता तेलंगाना के लिए खतरनाक : केटीआर

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यह कहते हुए कि लोग भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार के सत्ता में बने रहने के लिए प्रार्थना कर रहे हैं, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि जहां उनकी पार्टी लोगों के कल्याण के लिए काम कर रही है, वहीं विपक्षी दल अपने विकास के लिए प्रयास कर रहे हैं।

कांग्रेस और भाजपा दोनों ही सत्ता में आने के लिए किसी भी हद तक गिर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता पदों में अधिक रुचि रखते हैं और हर छह महीने में मुख्यमंत्री बदल जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि 1989 से 1994 तक कांग्रेस शासन के दौरान सांप्रदायिक दंगों में 400 लोगों की जान चली गई थी।

रामा राव ने सोमवार को सनतनगर में बीआरएस कार्यकर्ताओं की एक बैठक में कहा कि यह सब कांग्रेस नेताओं ने अपने मुख्यमंत्री को बदलने के लिए किया है।

टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी की इस टिप्पणी का उपहास उड़ाते हुए कि कांग्रेस एक ऐसी जगह स्थापित करके युवाओं के लिए रोजगार पैदा करेगी जहां वे चौबीसों घंटे सब्जियां बेच सकें, उन्होंने कहा कि भाजपा भी अपनी सांप्रदायिक राजनीति और विभिन्न वर्गों के बीच नफरत पैदा करने के लिए जानी जाती है। उन्होंने कहा कि उन्हें रोजगार और कल्याण की बिल्कुल भी परवाह नहीं है।

रामा राव ने कहा कि अगर हैदराबाद में राजनीतिक अस्थिरता है और कानून-व्यवस्था के मुद्दे हैं, तो पूरा तेलंगाना प्रभावित होगा। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने राज्य में सभी वर्गों का कल्याण सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 तक कांग्रेस शासन के दौरान, सरकार ने अल्पसंख्यक कल्याण के लिए 930 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि बीआरएस सरकार ने 12,000 करोड़ रुपये खर्च किए।

हैदराबाद में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में हुए विकास के बारे में बात करते हुए, रामा राव ने कहा कि राज्य गठन से पहले, शहर में केवल उस्मानिया, गांधी और निम्स अस्पताल थे। अब, हैदराबाद में 350 बस्ती दवाखाने और चार टीआईएमएस अस्पताल स्थापित किए जा रहे हैं, उन्होंने कहा कि टी डायग्नोस्टिक्स के माध्यम से लोगों के लिए मुफ्त निदान परीक्षण किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री का सपना पश्चिमी देशों की तरह हैदराबाद की सभी कॉलोनियों में 24 घंटे पानी की आपूर्ति प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि पहले से ही सनतनगर निर्वाचन क्षेत्र के कुछ क्षेत्रों में एक पायलट परियोजना लागू की जा रही है। पिछले हफ्ते लोकप्रिय निलोफर कैफे की अपनी यात्रा को याद करते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने कैफे के मालिक और अन्य ग्राहकों के साथ बातचीत की थी। कैफे मालिक का हवाला देते हुए, रामा राव ने कहा कि शहर में कारोबार चलाने वाले लोग चाहते हैं कि बीआरएस सरकार सत्ता में बनी रहे, ऐसा नहीं होने पर कारोबारी बिरादरी को नुकसान की आशंका है।

दीपावली पर बंजारा हिल्स स्थित महेश बैंक के प्रधान कार्यालय में पूजा-अर्चना करते हुए बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग, निदेशक बृजगोपाल असावा, रमाकांत इन्नाणी, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी वीरेंद्र खंडेलवाल। साथ में हैं बैंक के अधिकारी व कर्मचारी।

दीपावली पर केबीआर पार्क में आयोजित इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा में भाग लेते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, मुख्य यजमानों सुरेंद्र अग्रवाल, सुरेश कुमार सीए, विजय कुमार, गोपाल बल्देवा, जानकी लालवानी, माया अग्रवाल, पद्मा, किरण व अन्य।

बंजाराहिल्स स्थित वर्धमान (महिला) को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लि. के प्रधान कार्यालय में दीपावली के अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए शांतिलाल डागा। उपस्थित हैं बैंक के अधिकारी।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

विजयेंद्र को कर्नाटक...

येदियुरप्पा के बेटे की राज्य इकाई के प्रमुख के तौर पर वापसी और जेडीएस के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन के साथ बीजेपी को उम्मीद है कि वह उन मतदाताओं को लुभाने में सफल होगी जो उससे अलग हो गए थे। इस तरह वह ज्यादातर लोकसभा सीटें बरकरार रख सकेगी। इससे कांग्रेस की बढ़त सीमित रखने में मदद मिलेगी। विजयेंद्र और शिवकुमार दोनों ने चुनाव जीतने में अपने कौशल का प्रदर्शन किया है। 2019 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी ने 25 सीटें जीती थीं। कांग्रेस, जेडीएस और उसके समर्थन वाले निर्दलीय के खाते में एक-एक सीट गई थी।

बीजेपी ये फेरबदल अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को देखते हुए कर रही है। फेरबदल करने में उसके फोकस में चुनावी समीकरण हैं। इस साल के शुरू में बीजेपी ने बिहार में सम्राट चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी थी। ऐसा करने की वजह हैं। पहली वजह उनका कोइरी जाति से आना और दूसरी नौजवान होना है। बीजेपी उनको सीएम के तौर पर तेजस्वी के खिलाफ प्रोजेक्ट करना चाहती है। उनकी उम्र और जाति दोनों उनके साथ हैं। ओबीसी वोट बैंक में यादवों के बाद सबसे ज्यादा संख्या कुर्मी-कोइरी की है। यादवों की आबादी लगभग 15 प्रतिशत है तो कुर्मी-कोइरी की करीब सात प्रतिशत हैं। आरजेडी के यादव वोट बैंक का मुकाबला करने के लिए कुर्मी-कोइरी वोट बैंक को साधने की जरूरत होगी। सम्राट को बीजेपी में बड़ी जिम्मेदारी मिलने की यह बड़ी वजह है।

ऐसा ही फेरबदल बीजेपी ने झारखंड में किया। उसने जुलाई में पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को झारखंड प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी। बाबूलाल मरांडी मौजूदा हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। वह सरकार को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ते। 2006 में मरांडी ने बीजेपी से अलग होकर अपनी पार्टी बना ली थी। लेकिन, 14 साल बाद 2020 में वह दोबारा बीजेपी में शामिल हो गए थे। बाबूलाल मरांडी आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। इस समुदाय में उनकी तगड़ी पकड़ है। राज्य में सबसे बड़ी आबादी आदिवासियों की है। बाबूलाल मरांडी को प्रदेश अध्यक्ष बना बीजेपी आदिवासी वोटों को साधना चाहती है।

राहुल बोले- तोमर...

विधायकों को पैसा देकर भ्रष्ट सरकार वापस ले आए। मध्यप्रदेश में चोरी की सरकार है।

पीएम मोदी ने यहां (नीमच) आकर कहा है कि हमने मध्यप्रदेश में 500 फैक्ट्रियां खोली हैं, ये फैक्ट्रियां किसी को नजर आईं? पहले कहा था कि 15 लाख रुपये बैंक अकाउंट में डाल देंगे, काले धन को मिटा देंगे। शर्म ही नहीं है।

नरेंद्र मोदी जहां भी जाते थे, वहां कहते थे कि मैं ओबीसी हूं। जब से मैंने जातीय जनगणना की बात कही है, तब से कहने लगे हैं कि हिंदुस्तान में कोई जात नहीं है, सिर्फ गरीब हैं। मतलब देश में सिर्फ एक ही ओबीसी है- नरेंद्र मोदी।

बीजेपी के एक मंत्री कम नहीं। तोमर और उनमें रेस चल रही है कि कौन मध्यप्रदेश की जनता से ज्यादा पैसा चोरी करेगा। अडाणी देश के सारे एयरपोर्ट, पोर्ट, इंफ्रॉस्ट्रक्चर ले गए। अडाणी के लिए पीएम मोदी किसान बिल लाए थे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, राहुल गांधी आज एमपी आ रहे हैं। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि इंडी गठबंधन (इंडिया) ने सनातन धर्म का अपमान किया, दलितों और माताओं-बहनों का अपमान किया, आप मौन रहे, क्या ये आपकी मौन स्वीकृति है? सीएम ने कहा, वे (राहुल गांधी) ये बताएं कि उनकी पार्टी का वर्षों तक मध्यप्रदेश में शासन रहा। मध्यप्रदेश में किस ओबीसी को मुख्यमंत्री बनाया गया?

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लिए आठ टीमें तय

श्रीलंका- नीदरलैंड बाहर, टेस्ट खेलने वाली जिम्बाब्वे- वेस्टइंडीज की टीम भी नहीं आएगी नजर

मुंबई, 13 नवंबर (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप के लीग मैच खत्म हो गए हैं। इसके साथ ही 2025 में पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी टीमें तय हो गई हैं। श्रीलंका और नीदरलैंड की टीमें इस टूर्नामेंट की होड़ से बाहर हो गई हैं। वहीं टेस्ट खेलने वाली वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे की टीम भी पाकिस्तान में नहीं दिखेगी।

चैंपियंस ट्रॉफी में पिछली बार (2017) की तरह 8 टीमें हिस्सा लेंगी। ये टीमें वर्ल्ड कप 2023 के पॉइंट्स टेबल के आधार पर तय हुई हैं। ऐसे में वर्ल्ड कप लीग की समाप्ति के बाद पॉइंट्स टेबल में 9वें स्थान पर रहने वाली श्रीलंका टीम और 10वें स्थान पर रहने वाली नीदरलैंड की टीम नहीं खेलेगी।

श्रीलंका, नीदरलैंड और बांग्लादेश ने जीते- 2-2 मैच

श्रीलंका अपने 9 लीग मैचों में से केवल 2 मैच ही जीत पाई और उसे 7 में हार का सामना करना पड़ा था। 1996 में वर्ल्ड कप जीतने वाली श्रीलंकाई टीम वर्ल्ड कप 2023 के लिए भी क्वालिफायर खेलकर आई थी। श्रीलंका को वर्ल्डकप में अफगानिस्तान से भी हार का सामना करना पड़ा।

वहीं, नीदरलैंड ने भी 2 मैच जीत कर पॉइंट टेबल में 4 अंक अर्जित किए। इतने ही पॉइंट बांग्लादेश और श्रीलंका के भी हैं, लेकिन इन दोनों की तुलना में रनरेट खराब होने की वजह से वह 10वें स्थान पर है। बांग्लादेश आठवें और श्रीलंका नौवें स्थान पर मौजूद है। नीदरलैंड ने भी क्वालिफायर के जरिए वनडे वर्ल्ड कप 2023 के लिए क्वालिफाई किया था।

वेस्टइंडीज, जिम्बाब्वे और आयरलैंड जैसी टीमें बिना खेले बाहर

क्वालिफिकेशन नियम के चलते टेस्ट प्लेइंग नेशन वेस्टइंडीज, जिम्बाब्वे और आयरलैंड वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले ही बाहर हो गए। तीनों टीमें वनडे वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर सके, इसलिए उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालिफिकेशन का मौका भी नहीं मिला।

2025 और 2029 की चैंपियंस ट्रॉफी में 15 मैच होंगे

2025 की चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान और 2029 की चैंपियंस ट्रॉफी भारत में खेली जाएगी। दोनों में पिछले 2 टूर्नामेंट की तरह 8 टीमें होंगी। इन्हें 4-4 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा जाएगा। ग्रुप स्टेज में 12 मैचों के बाद 2 सेमीफाइनल और एक फाइनल मिलाकर टूर्नामेंट में कुल 15 मुकाबले होंगे।

डिफेंडिंग चैंपियन है पाकिस्तान, भारत को हराकर जीता था खिताब

2017 में आखिरी बार इंग्लैंड में चैंपियंस ट्रॉफी हुई थी, टूर्नामेंट के फाइनल में पाकिस्तान ने भारत को हराकर खिताब जीता था। उससे पहले 2013 में भारत ने टूर्नामेंट जीता था, टीम ने इंग्लैंड को फाइनल हराया था। ICC का ये टूर्नामेंट वैसे तो 4 साल में एक बार होना तय है, लेकिन बिजी शेड्यूल के चलते इसे 2021 में आयोजित नहीं किया गया। टूर्नामेंट 1998 में शुरू हुआ था। 2006 तक इसे हर 2 साल में एक बार खेला गया। 2009 में इसे 3 साल बाद आयोजित किया गया, फिर 2013 और 2017 में 4-4 साल के गैप में टूर्नामेंट खेला गया। 8 बार हुए टूर्नामेंट को भारत और ऑस्ट्रेलिया ने 2-2 बार जीता है। साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और पाकिस्तान ने इसे 1-1 बार जीता है। श्रीलंका और भारत 2002 में संयुक्त विजेता रहे थे।

आंकड़ों में वर्ल्ड कप 2023

कोहली बने टूर्नामेंट के टॉप रन स्कोरर

भारत ने लगातार 9वां मैच जीता; अब 2 दिन का ब्रेक

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। भारत ने वर्ल्ड कप 2023 में लगातार नौवीं जीत हासिल की है।

टीम ने नीदरलैंड को 160 रन से हराया। अब टीम इंडिया 15 नवंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में पहला सेमीफाइनल मुकाबला खेलेगी।

बेंगलुरु में टीम इंडिया ने 410 रन का स्कोर खड़ा किया। फिर नीदरलैंड को 47.5 ओवर में 250 रन पर ऑलआउट कर दिया।

रोहित शर्मा ने 60, शुभमन गिल ने 51, विराट कोहली ने 51, श्रेयस अय्यर ने नाबाद 128 और केएल राहुल ने 102 रन की पारियां खेलीं।

टूर्नामेंट के आखिरी लीग मैच में कोहली इस सीजन के टॉप स्कोरर बन गए, जबकि रोहित शर्मा सबसे ज्यादा छक्के जमाने वाले बैटर बने।

इतना ही नहीं, वे सबसे ज्यादा चौके जमाने वाले बैटर भी बने।

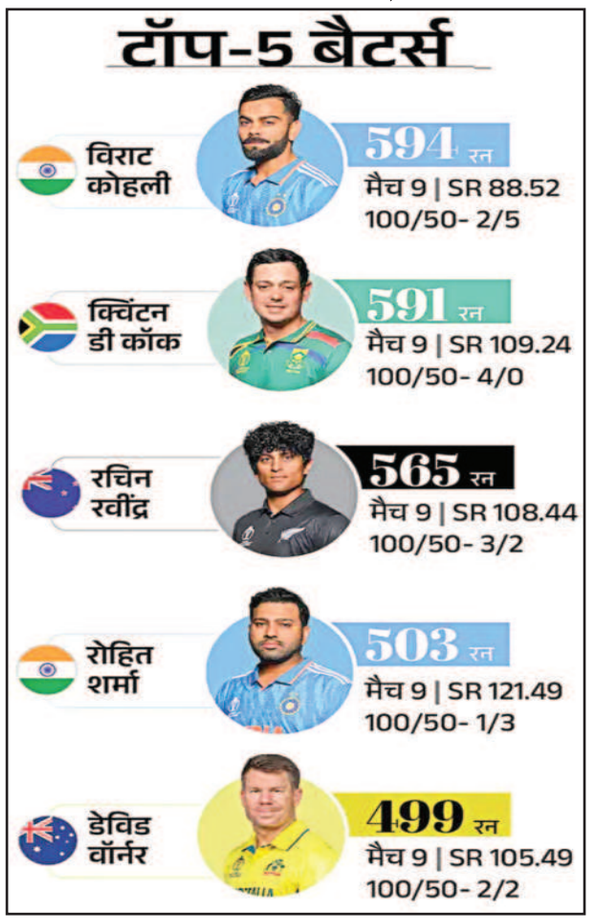

धीरज ने एशियाई तीरंदाजी में जीता रजत पदक

ओलंपिक कोटा भी हासिल किया

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। हांगझोऊ एशियाई खेलों में अतानु दास, तुषार शेल्के के साथ टीम का रजत जीतने वाले धीरज ने आसानी के साथ फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में ईरान के सादेख अशरफी बाविली को 6-0 (28-27, 28-25, 28-27) से पराजित किया।

सेना के तीरंदाज बी धीरज ने एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में रजत पदक जीतते हुए देश को पेरिस ओलंपिक का कोटा दिलाया। वह फाइनल में ताइवान के जिह सियांग लिन से शूटऑफ में कड़े संघर्ष में 5-6 (29-28, 27-29, 28-28, 30-28, 25-26, 9-10) से हार गए। वहीं महिलाओं में भारत को निराशा हाथ लगी। अंकिता भकत क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाईं।

दो ईरानी तीरंदाजों को हराकर फाइनल में पहुंचे

हांगझोऊ एशियाई खेलों में अतानु दास, तुषार शेल्के के साथ टीम का रजत जीतने वाले धीरज ने आसानी के साथ फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में ईरान के सादेख अशरफी बाविली को 6-0 (28-27, 28-25, 28-27) से पराजित किया। सेमीफाइनल में उन्होंने एक अन्य ईरानी मोहम्मदहोसेन गोलशानी को भी 6-0 (30-27, 29-25, 29-27) से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई।

2010 गुआंगझू एशियाई खेलों के पदक विजेता तरुणदीप रॉय को क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा, जबकि अंकिता को अंतिम-8 में उज्बेकिस्तान की जियोदाखुन से 3-1 की बढ़त के बाद 4-6 से हारना पड़ा।

आईसीसी हॉल ऑफ फेम: सहवाग समेत तीन पूर्व क्रिकेटरों को मिली एंट्री

सम्मान पाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं डायना एडुल्जी

मुंबई, 13 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व धुरंधर खिलाड़ी वीरेंद्र सहवाग समेत तीन पूर्व क्रिकेटरों को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में जगह मिली है। खास लिस्ट में सहवाग के अलावा देश की पूर्व महिला क्रिकेटर डायना एडुल्जी को भी शामिल किया गया। इन दोनों खिलाड़ियों के अलावा श्रीलंकाई पूर्व कप्तान अरविंदा डी सिल्वा को भी खास सम्मान से नवाजा गया है।

यह पहली बार नहीं है जब भारतीय खिलाड़ियों को आईसीसी के खास सम्मान से नवाजा गया है। सहवाग और एडुल्जी से पहले खेल जगत में 'क्रिकेट के भगवान' के रूप में मशहूर सचिन तेंदुलकर और मौजूदा समय में भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ जैसे खिलाड़ियो को भी इस खास सम्मान से नवाजा जा चुका है।

कब मिलता है किसी खिलाड़ी को आईसीसी हॉल ऑफ फेम?

आईसीसी के नियम के मुताबिक किसी भी खिलाड़ी को यह सम्मान इंटरनेशनल क्रिकेट में संन्यास लेने के करीब सात साल बाद मिलता है। यही वजह है कि सहवाग को इस सम्मान को पाने के लिए एक लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा है।

खास सम्मान पाने वाली एडुल्जी बनी पहली महिला क्रिकेटर

डायना एडुल्जी आईसीसी हॉल ऑफ फेम से नवाजी जाने वाली देश की पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं। 2023 से पहले भारत के सात खिलाड़ियों को यह खास उपलब्धि मिली थी, लेकिन लिस्ट में अब सहवाग और एडुल्जी का भी नाम जुड़ गया है। आईसीसी हॉल ऑफ फेम के खिताब से नवाजे जाने वाले सहवाग आठवें और एडुल्जी नौवीं भारतीय खिलाड़ी हैं।

डेविस कप में फिर गैर खिलाड़ी भारतीय कप्तान, रोहित राजपाल करेंगे नेतृत्व

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। एआईटीए ने कहा कि राजपाल के कप्तान के रूप में सफल कार्यकाल का मूल्यांकन करने के बाद उन्हें फिर से इस पद पर नियुक्त करने का फैसला किया गया।

अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने रोहित राजपाल को 31 दिसंबर, 2024 तक भारतीय डेविस कप टीम का फिर से गैर-खिलाड़ी कप्तान नियुक्त किया। एआईटीए ने कहा कि राजपाल के कप्तान के रूप में सफल कार्यकाल का मूल्यांकन करने के बाद उन्हें फिर से इस पद पर नियुक्त करने का फैसला किया गया।

एआईटीए के महासचिव अनिल धूपर ने यहां जारी बयान में कहा, 'हमें अपनी डेविस कप टीम के कप्तान के रूप में रोहित राजपाल का कार्यकाल बढ़ाने की खुशी है। उनका नेतृत्व कौशल, खेल की व्यापक जानकारी और हमारे खिलाड़ियों से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने की क्षमता के कारण वह बेहद महत्वपूर्ण बन गए हैं।'

अकरम बोले- बाबर को बलि का बकरा नहीं बना सकते

पाकिस्तान क्रिकेट के सिस्टम पर नाराजगी जताई; टीम वर्ल्ड कप 2023 से बाहर

मुंबई, 13 नवंबर (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप 2023 से पाकिस्तान टीम के बाहर होने के बाद पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम ने टीम के खराब परफॉर्मेंस के लिए अकेले बाबर आजम को गलत ठहराने के लिए नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा, इस बुरे परफॉर्मेंस के लिए बाबर आजम को बलि का बकरा नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने पाक टीम की इस हालत पर पूरे पाकिस्तान क्रिकेट सिस्टम को दोषी ठहराया है।

कप्तान अकेले मैच नहीं खेलता- अकरम

पाकिस्तान के स्पोर्ट्स चैनल 'ए स्पोर्ट्स' पर बातचीत करते हुए अकरम ने कहा, कप्तान अकेले मैच नहीं खेलता है। हां उन्होंने इस वर्ल्ड कप और एशिया कप में बतौर कप्तान कुछ गलतियां की हैं। लेकिन अकेले वे ही इस हार के दोषी नहीं है। यह पूरे सिस्टम की गलती है क्योंकि पिछले एक साल से हमारे खिलाड़ी यह नहीं जानते हैं कि कोच कौन है। आप लोग अकेले बाबर को बलि का बकरा नहीं बना सकते।'

पाक टीम 9 में से केवल 4 मैच जीती

पाकिस्तान टीम इस वर्ल्ड कप में लीग स्टेज में 9 मैच खेली, जिसमें चार जीती और पांच में हार मिली। बता दें कि वर्ल्ड कप के इतिहास में पहली बार पाकिस्तान की टीम 5 मैच हारी है। बतौर बल्लेबाज बाबर के प्रदर्शन को भी निशाना बनाया जा रहा है। वो नौ मैचों में केवल 320 रन ही बना सके।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को हराया

पाकिस्तान की टीम को इंग्लैंड ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में आखिरी लीग मुकाबले में 93 रन से हरा दिया। इस हार के बाद पाकिस्तान टीम वर्ल्ड कप 2023 से बाहर हो गई। पाकिस्तान 43.3 ओवर में 244 रन पर ही ऑलआउट हो गया। सलमान अली आगा (51 रन) ने अर्धशतक जमाया। वहीं इंग्लैंड से डेविड विली ने 3 विकेट लिए, जबकि आदिल रशीद, मोइन अली और गस एटकिंसन को 2-2 विकेट मिले।

ईडन गार्डन्स स्टेडियम में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी की और 50 ओवर में 9 विकेट पर 337 रन बनाए। ओपनर जॉनी बेयरस्टो ने 59, जो रूट ने 60 और बेन स्टोक्स ने 84 रन की अर्धशतकीय पारियां खेलीं। कप्तान जोस बटलर ने 27 और हैरी ब्रूक ने 30 रन का योगदान दिया।

पाकिस्तान की ओर से हारिस रऊफ ने 3 विकेट लिए, जबकि शाहीन शाह अफरीदी को 2 विकेट मिले। इफ्तिखार अहमद के हिस्से भी एक सफलता आई।

सेमीफाइनल बारिश में धुला तो क्या होगा

रिजर्व डे पर होगा मैच, फिर भी नतीजा नहीं निकला तो पॉइंट्स टेबल से करेंगे फैसला

मुंबई, 13 नवंबर (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप 2023 की सेमीफाइनल लाइन तय हो गई है। 15 नवंबर को पहले सेमीफाइनल में भारत का सामना न्यूजीलैंड से होगा। वहीं, 16 नवंबर को साउथ अफ्रीका की भिड़ंत ऑस्ट्रेलिया से होगी। मान लीजिए अगर सेमीफाइनल मैच बारिश में धुल जाता है तो क्या होगा? तब कौन सी टीम फाइनल में पहुंचेगी। इन सवालों के जवाब आगे जानते हैं-

नॉकआउट मुकाबलों के लिए रिजर्व-डे मौजूद

दोनों सेमीफाइनल और फाइनल के लिए आईसीसी ने रिजर्व डे की व्यवस्था कर रखी है। यानी अगर सेमीफाइनल या फाइनल मैच एक दिन में पूरा नहीं होता है तो इसे अगले दिन उसी जगह से दोबारा खेला जाएगा, जहां यह पहले दिन रोका गया था।

रिजर्व-डे भी धुला तो पॉइंट्स टेबल की मदद ली जाएगी

अगर रिजर्व-डे पर भी सेमीफाइनल पूरा नहीं हो पाता है तो फिर क्या होगा? इस स्थिति में वह टीम फाइनल में पहुंच जाएगी जो पॉइंट्स टेबल में ऊपर रही हो। यानी अगर भारत-न्यूजीलैंड सेमीफाइनल बारिश में धुल जाता है तो भारत की टीम फाइनल में पहुंच जाएगी, क्योंकि भारत ने पॉइंट्स टेबल में पहला स्थान हासिल किया था। वहीं, न्यूजीलैंड की टीम चौथे नंबर पर रही।

इसी तरह साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाला दूसरा सेमीफाइनल भी धुल जाता है तो फिर साउथ अफ्रीका फाइनल में पहुंचेगी, क्योंकि पॉइंट्स टेबल में साउथ अफ्रीका नंबर-2 और ऑस्ट्रेलिया नंबर-3 पर रहा।

एक भी लीग मैच बारिश में नहीं धुला

इस वर्ल्ड कप में एक भी लीग मैच बारिश में नहीं धुला। 11 नवंबर तक 45 में से 44 लीग मैच खेले जा चुके हैं और सभी के परिणाम सामने आए। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड मैच के बीच जरूर बारिश ने खलल डाला था, लेकिन इसमें भी डकवर्थ-लुईस नियम के तहत विजेता का फैसला हो गया।

पाकिस्तान-न्यूजीलैंड मैच में करीब 75 ओवर का खेल संभव हो गया था। यह मुकाबला बेंगलुरु में खेला गया था और आने वाले दिनों में भी यहां बारिश की संभावना है, लेकिन नॉकआउट मुकाबले मुंबई, कोलकाता और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। जहां बारिश की कोई संभावना नहीं है।

सुपर ओवर का प्रावधान भी मौजूद

वर्ल्ड कप के नॉकआउट मैचों के लिए सुपर ओवर का प्रावधान भी मौजूद है। अगर सेमीफाइनल या फाइनल मैच में दोनों टीमें बराबर रन बनाती हैं यानी मैच टाई होता है तो विजेता का फैसला सुपर ओवर से होगा। अगर सुपर ओवर भी टाई रहा तो एक और सुपर ओवर होगा। सुपर ओवर का सिलसिला तब तक चलेगा, जब तक विजेता मिल नहीं जाता।

फाइनल में बारिश हुई तो ट्रॉफी शेयर होगी

सेमीफाइनल में अगर रिजर्व डे पर भी मैच का फैसला नहीं निकला तो पॉइंट्स टेबल के आधार पर विजेता का फैसला होगा, लेकिन फाइनल में ऐसा नहीं होगा। फाइनल मुकाबला 19 नवंबर को अहमदाबाद में खेला जाएगा, अगर इस दिन बारिश हुई तो मैच 20 नवंबर को रिजर्व डे पर खेला जाएगा। अगर रिजर्व डे पर भी नतीजा नहीं निकल सका तो फाइनल खेलने वाली दोनों ही टीमों से ट्रॉफी शेयर कर दी जाएगी।

रणतुंगा का आरोप जय शाह चला रहे श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड

पूर्व कप्तान ने कहा- भारतीय दखल के कारण हमारा बोर्ड बर्बाद हुआ

कोलंबो, 13 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अर्जुन रणतुंगा ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रणतुंगा ने कहा कि जय शाह का श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों पर दबदबा है। उनकी मिलीभगत की वजह से ही श्रीलंका की क्रिकेट का बुरा हाल हो रहा है।

श्रीलंका की टीम भारत में चल रहे वनडे वर्ल्ड कप में 9 में से 7 लीग मैच हार गई और 10 टीमों में 9वां स्थान हासिल किया। श्रीलंका सेमीफाइनल में पहुंचने से चूक गया और साथ ही 2025 में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी क्वालिफाई नहीं कर सका।

1996 में श्रीलंका को वर्ल्ड कप विजेता बनाने वाले कप्तान ने कहा- श्रीलंकाई क्रिकेट को जय शाह चला रहे हैं। जय शाह के दबाव के कारण हमारा क्रिकेट बोर्ड बर्बाद हो रहा है। भारत का एक शख्स श्रीलंका क्रिकेट को बर्बाद कर रहा है। वह भी सिर्फ इसलिए क्योंकि पिता ताकतवर हैं। उनके पिता भारत के गृह मंत्री हैं।

वर्ल्ड कप में श्रीलंका के खराब प्रदर्शन के बाद वहां के खेल मंत्री रोशन रणसिंघे ने 6 नवंबर को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को बर्खास्त कर दिया था। साथ ही एक अंतरिम बोर्ड का गठन भी किया था। अर्जुन रणतुंगा को नए अंतरिम बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। खेल मंत्री के आदेश के बाद श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड को कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। बोर्ड की अपील पर अदालत ने देश के क्रिकेट बोर्ड को बर्खास्त करने के खेल मंत्री के फैसले को रद्द कर दिया। यानी रणतुंगा अंतरिम अध्यक्ष नहीं बन सके। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने शुक्रवार (10 नवंबर) को सस्पेंड कर दिया। आईसीसी ने बोर्ड में सरकार की दखलअंदाजी के बाद उसकी सदस्यता को तत्काल प्रभाव से छीन लिया।

अर्जुन रणतुंगा 1982 से 2000 तक यानी 18 साल श्रीलंका के लिए खेले। रिटायरमेंट के बाद वे क्रिकेट एडमिनिस्ट्रेटर भी बने।

जर्मनी के दिग्गज फुटबॉलर ओलिवर ने मुंबई में खोली अकादमी, गोलकीपिंग को लेकर करेंगे यह काम

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। जर्मनी के ओलिवर कान की योजना फुटबॉल क्लबों, खेल अकादमी और शिक्षा संस्थानों के सहयोग से देश भर में इस तरह की अकादमी स्थापित करना है। इसके अलावा देश भर में गोलकीपिंग अकादमी की स्थापित की जाएगी।

जर्मनी के दिग्गज गोलकीपर ओलिवर कान ने भारत में अपनी अकादमी शुरू की है। उनकी अकादमी का उद्देश्य फुटबॉल शिक्षा का परिदृश्य बदलने और देश में इस खेल को बढ़ावा देना है।

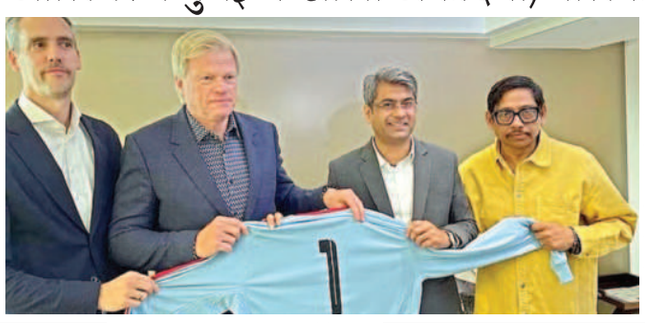

उन्होंने महाराष्ट्र में प्रो 10 के साथ भागीदारी की है। ओलिवर कान अकादमी का उद्देश्य फुटबॉल की संपूर्ण शिक्षा प्रदान करना है और वह अच्छे खिलाड़ियों को तैयार करने पर अपना ध्यान केंद्रित करेगी।

जर्मनी के इस फुटबॉलर की योजना फुटबॉल क्लबों, खेल अकादमी और शिक्षा संस्थानों के सहयोग से देश भर में इस तरह की अकादमी स्थापित करना है। इसके अलावा देश भर में गोलकीपिंग अकादमी की स्थापित की जाएगी।

रेवंत को कृषि संबंधित कोई ज्ञान नहीं : केसीआर

कांग्रेस की 'गोलमाल' योजनाओं को उजागर किया

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कृषि ज्ञान की स्पष्ट कमी के लिए टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता को तेलंगाना में उपयोग किए जाने वाले पंप सेटों पर बुनियादी ज्ञान का भी अभाव है।

यह कहते हुए कि रेवंत रेड्डी लोगों को गुमराह करने के लिए अव्यवहारिक सुझाव दे रहे हैं, मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में किसान 3एचपी और 5एचपी पंप सेट का उपयोग करते हैं, जिसके लिए 24 घंटे गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति आवश्यक है। सोमवार को अश्वराओपेटा, भद्राचलम, पिनापाका और नरसंपेट निर्वाचन क्षेत्रों को कवर करने वाली प्रजा आशीर्वाद सभा की बैठकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि टीपीसीसी अध्यक्ष की अज्ञानता स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खुलेआम कह रही है कि अगर वह सत्ता में आई तो 'गोलमाल' करेगी। मुझे नहीं पता कि वह सिर्फ घमंडी है या उसने कभी खेत में खेती नहीं की। तेलंगाना में किसान 3 एचपी पंप सेट का उपयोग करके अपनी भूमि की सिंचाई करते हैं और तेलंगाना सरकार उन्हें 24 घंटे मुफ्त, गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति दे रही है। रेवंत रेड्डी जिस 10एचपी पंप सेट की बात कर रहे हैं, उसके पास किसानों के पास नहीं है। उनके लिए इन्हें कौन खरीदेगा? उन्होंने कहा कि राज्य में 30 लाख से अधिक कृषि पंप सेट हैं और मांग की कि कांग्रेस यह स्पष्ट करे कि इन सभी पंप सेटों को कौन बदलेगा, अगर उनकी पार्टी केवल तीन घंटे बिजली की आपूर्ति करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं के बयानों से यह स्पष्ट हो रहा है कि अगर पार्टी सत्ता में आई तो तेलंगाना में अराजकता पैदा करेगी।

चन्द्रशेखर राव ने कहा कि राज्य सरकार लगभग 300 करोड़ रुपये से सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में तीन चरण की बिजली आपूर्ति प्रदान करने के लिए बिजली आपूर्ति नेटवर्क को मजबूत कर रही है। बीआरएस अध्यक्ष ने धरणी पोर्टल के खिलाफ निराधार आरोप लगाने के लिए कांग्रेस नेताओं की भी आलोचना की और कहा कि राहुल गांधी और टीपीसीसी प्रमुख रेवंत रेड्डी में राज्य में किसानों के प्रति सहानुभूति की कमी है। धरणी पोर्टल रैतु बंधु, रैतु बीमा जैसी योजनाओं के कार्यान्वयन और धान खरीद निधि के वितरण के लिए महत्वपूर्ण है। यदि धरणी को खत्म कर दिया जाता है, तो इन योजनाओं को लागू नहीं किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने मंदिर शहर में बार-बार आने वाली बाढ़ और बाढ़ को रोकने के लिए 1,000 करोड़ रुपये की लागत से भद्राचलम के पास गोदावरी नदी के तटबंध को मजबूत करने का वादा किया। उन्होंने सत्ता में आने पर भद्राद्री कोठागुडेम जिले के पूरे आदिवासी क्षेत्र के लिए एक दलित बंधु पायलट परियोजना की भी घोषणा की। उन्होंने बीआरएस के तीसरे कार्यकाल में आदिवासी क्षेत्रों को विकसित करने और अयाकट में अंतिम एकड़ तक पानी पहुंचाने के लिए लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने का भी आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कृषि में सब्सिडी की आवश्यकता पर जोर दिया और बताया कि बीआरएस सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि चौबीसों घंटे मुफ्त बिजली प्रदान करने और 7,500 खरीद केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध हर एक अनाज की खरीद के अलावा सिंचाई पर कोई उपकर न हो। उन्होंने सभा को याद दिलाया कि राज्य सरकार ने पोडु भूमि मुद्दे को संबोधित किया था और यहां तक कि लाभार्थियों को रैतु बंधु के साथ-साथ रैतु बीमा भी प्रदान कर रही है।

तुला उमा का बीजेपी से इस्तीफा, बीआरएस में शामिल

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वेमुलावाड़ा विधानसभा सीट के लिए पार्टी के उम्मीदवार के रूप में उनकी जगह लेने के भाजपा के फैसले से निराश तुला उमा ने पार्टी में सोमवार को अपनी प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। यह निर्णय उनकी उम्मीदवारी को महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल चौ. विद्यासागर राव के बेटे विकास राव से बदलने के बाद आया। वेमुलावाड़ा विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार के रूप में आखिरी मिनट में उन्हें बदलने का भाजपा का फैसला उमा और उनके समर्थकों के लिए एक झटका था। उमा को भाजपा राज्य चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष और हुजूराबाद विधायक इटेला राजेंदर के करीबी अनुयायी के रूप में जाना जाता है। वह 2021 में राजेंद्र के साथ भाजपा में शामिल हुईं थी। इस्तीफा देने के बाद उन्होंने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर की उपस्थिति में बीआरएस में शामिल हो गयी।

बिजली आपूर्ति को लेकर गलत प्रचार कर रही है कांग्रेस : जगदीश रेड्डी

सूर्यापेट, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि क्षेत्र के लिए 24 घंटे मुफ्त बिजली पर "कांग्रेस का झूठा प्रचार" कहे जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने कहा कि यदि सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र को बिजली की आपूर्ति नहीं करने का उनका आरोप वास्तविक है, तो कांग्रेस नेताओं को वोट मांगने से पहले बिजली के तारों को पकड़ लेना चाहिए।

चिव्वेमला में मीडिया से बात करते हुए, जगदीश रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस कृषि कनेक्शनों को मुफ्त में 24 घंटे बिजली देने पर गोएबल्सियन अभियान का सहारा ले रही है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं से 2014 से पहले और बाद में राज्य में बिजली आपूर्ति परिदृश्य के बारे में आत्मनिरीक्षण करने का आग्रह किया।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने अविभाजित आंध्र प्रदेश में उद्योगों के लिए प्रति सप्ताह दो दिवसीय बिजली अवकाश की घोषणा की थी। उन्होंने याद दिलाया कि उद्योगपतियों को इंदिरा पार्क में प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होना पड़ा और बिजली कटौती के कारण फसलें सूख गईं और कम गुणवत्ता वाली बिजली आपूर्ति के कारण पंप सेट खराब हो गए। यह कहते हुए कि बीआरएस सरकार सभी क्षेत्रों को चौबीसों घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है, उन्होंने कांग्रेस नेताओं से झूठे आरोप लगाने के बजाय बिजली की लाइनों को पकड़ने के लिए कहा कि क्या यह सच है। उन्होंने बताया कि कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री कुमार स्वामी ने आरोप लगाया था कि केवल पांच घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या कांग्रेस को तेलंगाना में बिजली आपूर्ति के बारे में बोलने का कोई नैतिक अधिकार है। उन्होंने चुनौती दी कि मैं कर्नाटक में 18 घंटे तक बिजली लाइनें रोकने के लिए तैयार हूं। क्या कांग्रेस नेताओं में तेलंगाना में एक मिनट के लिए भी बिजली लाइन रोकने की हिम्मत है?

सरकार के विश्वासघात से तंग आ चुके हैं देश के युवा : खड़गे

नई दिल्ली, 13 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को तेलंगाना में प्रधानमंत्री की रैली के दौरान एक युवती के लाइटें लगे खंभे पर चढ़ने के बाद बेरोजगारी के मुद्दे पर केंद्र की आलोचना करते हुए कहा, देश के युवा सरकार के विश्वासघात से तंग आ चुके हैं। खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, जब प्रधानमंत्री तेलंगाना में बोल रहे थे (तो एक बहुत ही परेशान करने वाली घटना में) एक लड़की देश के सामने मौजूद वास्तविक मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करने के लिए बिजली के खंभे पर चढ़ गई। युवा भारत मोदी सरकार के विश्वासघात से तंग आ चुका है।

उन्होंने नौकरियों की आकांक्षा की, लेकिन बदले में उन्हें 45 साल की सबसे ऊंची बेरोजगारी दर मिली। उन्होंने कहा कि वे आर्थिक सशक्तीकरण चाहते थे, लेकिन बदले में भाजपा ने कमरतोड़ महंगाई बढ़ा दी, जिससे उनकी बचत 47 साल के निचले स्तर पर आ गई है।

खड़गे ने कहा, वे सामाजिक और आर्थिक न्याय के लिए तरस रहे थे, लेकिन बदले में मोदी सरकार ने उन्हें लगातार बढ़ती आर्थिक असमानता दी। सबसे अमीर पांच प्रतिशत भारतीयों के पास देश की 60 प्रतिशत से अधिक संपत्ति है, जबकि मध्यम वर्ग और गरीब पीड़ित हैं। वे महिलाओं और बच्चों के लिए एक सुरक्षित स्थान चाहते हैं, लेकिन दु:खद रूप से महिलाओं, बच्चों, दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों के खिलाफ अपराध तेजी से बढ़े हैं।'

कांग्रेस प्रमुख ने कहा, वे हमारे जैसे विविधतापूर्ण देश में एकता और सद्भाव चाहते हैं, लेकिन उन्हें नफरत और विभाजन मिला। मोदी सरकार और भाजपा भारत के युवाओं के सपनों और आकांक्षाओं को कुचल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने शनिवार को हैदराबाद परेड ग्राउंड में एक रैली को संबोधित किया था। संबोधन के बीच में उन्होंने देखा की एक युवती उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए एक खंभे पर चढ़ रही थी जिस पर लाइटें लगी हुई थीं। उन्होंने अपना चुनावी भाषण बीच में ही रोक दिया।

प्रधानमंत्री ने उनसे बार-बार यह कहते हुए खंभे से नीचे उतरने का आग्रह किया कि बिजली के तारों की हालत अच्छी नहीं लग रही है। पीएम मोदी तेलुगु राज्यों में अनुसूचित जाति के सबसे बड़े घटकों में से एक, मादिगा के सामुदायिक संगठन, मादिगा रिजर्वेशन पोराटा समिति (एमआरपीएस) द्वारा आयोजित एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। तेलंगाना की 119 विधानसभा सीटों पर 30 नवंबर को मतदान होगा। वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी।

विस चुनाव : तेलंगाना में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में महिला मतदाताओं ने पुरुष मतदाताओं को पीछे छोड़ दिया है, जहां 30 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनावी लिंगानुपात, जो पिछले महीने 998 और इस साल 5 जनवरी को 992 था, अब सुधरकर 1000.2 हो गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा अंतिम रूप दी गई मतदाता सूची के अनुसार, राज्य में 3,26,18,205 मतदाता हैं, जिनमें 1,62,98,418 पुरुष और 1,63,01,705 महिलाएं हैं।

यह पहली बार है कि राज्य में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक हो गई है। कुल 2,676 मतदाता तृतीय लिंग के हैं। चुनावों को समावेशी बनाने के लिए, चुनाव आयोग ने सभी जिलों में उनके लिए नामांकन शिविर आयोजित करके तीसरे लिंग पर ध्यान केंद्रित किया। तृतीय लिंग व्यक्तियों के संघ के साथ भी बैठकें आयोजित की गईं। तीसरे लिंग के रूप में पहचान करने के इच्छुक व्यक्तियों की संख्या 5 जनवरी, 2023 को 1,952 से बढ़कर 4 अक्टूबर, 2023 को 2,556 और 10 नवंबर, 2023 को 2,676 हो गई।

18-19 आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 9,99,667 है, जो कुल मतदाताओं का 3.06 प्रतिशत है। यह इस आयु वर्ग में अब तक की सबसे अधिक संख्या भी है। इस आयु वर्ग में लिंगानुपात 707 से सुधरकर 753 हो गया है।

जनवरी 2023 से मतदाताओं की संख्या में 8.75 प्रतिशत की शुद्ध वृद्धि हुई है। 80 वर्ष से अधिक आयु के 4,40,371 मतदाता और 5,06,921 विकलांग व्यक्ति मतदाता हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज के अनुसार, राज्य में 15,406 सेवा मतदाता और 2,944 विदेशी मतदाता हैं। उन्होंने कहा कि 2023 में 9.48 लाख मृत, डुप्लीकेट और स्थानांतरित मतदाताओं को हटा दिया गया। इसी तरह, 2023 में 8.94 लाख मतदाताओं के लिए प्रविष्टियों में सुधार किया गया।

विधानसभा चुनाव के लिए मतदाता सूची को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में 31 अक्टूबर तक प्राप्त आवेदन फॉर्म 6 (नए मतदाता नामांकन) और फॉर्म 8 (निर्वाचकों का स्थानांतरण) और फॉर्म 7 (विलोपन) और फॉर्म 8 (विवरण में सुधार) के लिए आवेदन प्राप्त होंगे। 8 अक्टूबर तक निस्तारण किया जा चुका है।

फलस्वरूप मतदाता सूची में 35.73 लाख परिवर्धन, 9.48 लाख विलोपन तथा 16.29 लाख परिवर्तन एवं संशोधन किये गये।

सीईओ ने स्पष्ट किया कि विधानसभा चुनाव 2023 के लिए कोई और आवेदन संसाधित नहीं किया जा सकता है। मतदाता सूचना पर्चियों (वीआईएस) का वितरण शीघ्र ही शुरू होगा। उन्होंने नागरिकों से electoralsearch.eci.gov.in पर लॉग इन करके या वोटर हेल्पलाइन ऐप (वीएचए) के माध्यम से अपने मतदान केंद्र का विवरण जांचने का अनुरोध किया।

इस बीच, वरिष्ठ नागरिकों, पीडब्ल्यूडी और आवश्यक सेवाओं वाले मतदाताओं जैसे अनुपस्थित मतदाताओं से डाक मतपत्र आवेदन (फॉर्म 12डी) एकत्र करने की प्रक्रिया 8 नवंबर को पूरी हो गई। अब तक 31,551 फॉर्म 12डी प्राप्त हुए हैं।

सबसे अधिक आवेदन (757) सिद्दिपेट विधानसभा क्षेत्र से और सबसे कम (5) मकथल विधानसभा क्षेत्र से प्राप्त हुए।

पटाखे फोड़ते समय भारी संख्या में लोगों की आंखें जलीं

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को सरकारी संचालित सरोजिनी देवी नेत्र अस्पताल के आउटपेशेंट (ओपी) विभाग में हैदराबाद में दिवाली समारोह के दौरान पटाखे फोड़ते समय कुल 50 लोगों की आंखों से संबंधित चोटों की सूचना मिली। ओपी में इलाज कराने वाले 50 मरीजों में से नेत्र अस्पताल के सर्जनों को दो बच्चों समेत 8 मरीजों को भर्ती करना पड़ा। डॉक्टरों के मुताबिक, इनपेशेंट (आईपी) ब्लॉक में 8 मरीजों में से 5 को पटाखों से चोट लगने के कारण भर्ती कराया गया है।

एसडी आई अस्पताल के अधीक्षक, डॉ. राजलिंगम ने कहा कि हमने पटाखों से घायल मरीजों को प्राप्त करने के लिए आउटपेशेंट, इनपेशेंट और आपातकालीन विंग में सर्जन, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ की टीमें तैनात की हैं। दिन के उत्तरार्ध में, मरीजों की स्थिति के आधार पर, सर्जनों से आंखों की सर्जरी करने पर निर्णय लेने की उम्मीद की जाती है। इस बीच, एलवी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट (एलवीपीईआई), मैक्सिविज़न और मेरेडपल्ली स्थित पुष्पागिरी आई केयर सेंटर सहित अन्य निजी नेत्र देखभाल अस्पतालों ने सोमवार को आउट पेशेंट प्रवाह में उछाल की सूचना दी है।

दिवाली पर हैदराबाद में कई आग दुर्घटनाएं

बाजार घाट नामपल्ली अग्नि दुर्घटना का जायजा लेते हुए, मंत्री केटीआर व मंत्री तलसानी यादव ।

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्निशमन कर्मी रविवार को शहर के विभिन्न हिस्सों में आग बुझाने में लगे रहे। शाहअलीबंडा स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में रविवार रात आग लग गई। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अग्निशमन अधिकारियों को आधी रात के आसपास एक फोन आया और मोगलपुरा फायर स्टेशन से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आसपास की दुकानों में आग फैलने से पहले उस पर काबू पा लिया। मेडिपल्ली में आग एक किताब की दुकान में लगी और बाद में एक दर्जी की दुकान तक फैल गई। अधिकारियों को संदेह है कि किताब की दुकान के मालिक ने गलत तरीके से लैंप रखे थे और अपनी दुकान बंद कर दी थी जिसके कारण आग लगी।

अमीरपेट में रविवार रात मधुरानगर स्थित एक फर्नीचर गोदाम में आग लग गई। लाखों रुपये की संपत्ति जलकर खाक हो गयी। अधिकारियों को संदेह है कि पर्याप्त सावधानी बरते बिना पटाखे फोड़े जाने के कारण आग लगी होगी। राजेंद्रनगर और शहर के अन्य स्थानों से भी आग लगने की घटनाएं सामने आईं।

चप्पल गोदामों में भीषण आग लगी

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुराने शहर के मीर चौक पुलिस स्टेशन की सीमा में एक इमारत में चप्पलों वाले पांच गोदामों में भीषण आग लग गई। पुलिस ने कहा कि विजुअल्स में फायर ब्रिगेड और अधिकारी आग पर काबू पाने की कोशिश करते दिख रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि आग इमारत की दूसरी और तीसरी मंजिल पर फैल गई, उन्होंने कहा कि दूसरी मंजिल पर आग की लपटों को पूरी तरह से बुझा दिया गया है, जबकि तीसरी मंजिल पर आग पर काबू पाने के लिए ऑपरेशन जारी है।

भाजपा एससी समुदाय के वर्गीकरण के लिए प्रतिबद्ध : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि उनकी पार्टी एससी समुदाय के एबीसीडी वर्गीकरण के लिए प्रतिबद्ध है, जो पिछले साढ़े सात दशकों से एक लंबित मुद्दा है। यह कहते हुए कि भारत सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में परेड मैदान में एक सामाजिक आंदोलन मंच विश्वरूप महासभा को संबोधित करने से पहले बहुत सारी कवायद की थी, किशन रेड्डी ने कहा कि समिति के गठन का उद्देश्य प्रक्रिया में तेजी लाना और आज दिन की निगरानी करना था। इस मामले को सात सदस्यीय न्यायाधीशों की पीठ ने निपटाया और यह तय नहीं किया कि वर्गीकरण किया जाए या नहीं।

नामपल्ली के अग्निदुर्घटना स्थल का दौरा करते हुए केंद्रीय मंत्री जी.किशन रेड्डी।

किशन रेड्डी ने सोमवार को यहां संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब 8 जुलाई को वारंगल के दौरे पर आए थे तो इस मुद्दे को उनके संज्ञान में लाया गया था। मदिगा रिजर्वेशन पोराटा समिति (एमआरपीएस) की अध्यक्ष मंदा कृष्णा ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की और मुद्दे के बारे में बताया। मोदी ने कहा कि वह इस मुद्दे पर गौर करेंगे। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह ने पार्टी नेताओं के साथ बैठक की. एमआरपीएस नेताओं, बुद्धिजीवियों और अन्य लोगों ने 2 अक्टूबर को नई दिल्ली में गृह मंत्री से मुलाकात की और उनके साथ चर्चा की।

यह कहते हुए कि यह केवल नरेंद्र मोदी ही थे जिन्होंने साढ़े सात दशक से लंबित ऐसे गंभीर चिंता वाले मुद्दे को संबोधित करने का साहस किया, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राज्य में कांग्रेस या बीआरएस ने कभी भी इस मुद्दे को संबोधित करने की कोशिश नहीं की, बल्कि केवल दिखावा किया। प्रधानमंत्री ने मंच पर एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में बात की। मोदी कुछ भी कर सकते हैं। उन्होंने तीन तलाक, राम जन्म भूमि, अनुच्छेद 370 और कई अन्य मुद्दों को सुलझाया है। हम चाहते हैं कि समाज के अंतिम व्यक्ति को लाभ हो। कुछ राजनीतिक दल कमेटी के गठन का उपहास उड़ाने का प्रयास कर रहे हैं। इसका उद्देश्य यह तय करना नहीं है कि वर्गीकरण किया जाए या नहीं। इसका उद्देश्य टास्कफोर्स के साथ प्रक्रिया को तेज करना और दिन-प्रतिदिन की प्रगति की निगरानी करना था, किशन रेड्डी ने कहा कि पहली समिति का गठन लाल बहादुर शास्त्री द्वारा किया गया था।

भविष्य में विश्व स्तर पर विश्वकर्मा के हस्तशिल्प को बढ़ावा दिया जाएगा : केटीआर

हैदराबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि तेलंगाना राज्य के पुनर्निर्माण के हिस्से के रूप में, विश्वकर्मा के हस्तशिल्प को आधुनिक बनाया जाएगा और आने वाले दिनों में उनके उत्पादों को विश्व स्तर पर बढ़ावा दिया जाएगा। सोमवार को यहां प्रगति भवन में विश्व ब्राह्मण समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए, केटी रामाराव ने कहा कि पिछले 60 वर्षों से विश्व ब्राह्मण समुदाय के सामने आने वाली समस्याओं को तत्कालीन आंध्र प्रदेश में लगातार सरकारों द्वारा नजरअंदाज किया गया था और केवल मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने ही उन्हें प्रभावी ढंग से ध्यान दिया। यह कहते हुए कि बीआरएस सरकार ने पिछले साढ़े नौ वर्षों के दौरान हस्तशिल्प के कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं, मंत्री ने कहा कि श्रमिकों को आधुनिक तकनीक प्रदान करके उनके कौशल में सुधार किया जाएगा और वे भविष्य में उत्पादक शक्तियों के रूप में विकसित होंगे। इस अवसर पर, बैठक में उपस्थित तेलंगाना साहित्य अकादमी के अध्यक्ष जुलुरु गौरी शंकर ने विश्व ब्राह्मण समुदाय की समस्याओं को केटीआर के ध्यान में लाया। मंत्री ने आश्वासन दिया कि आगामी विधानसभा चुनाव में बीआरएस पार्टी के सत्ता में आने के बाद सभी समस्याओं का यथाशीघ्र समाधान किया जाएगा।

बसपा और बीआरएस के बीच झड़प से तनाव

कुमराम भीम आसिफाबाद, 13 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को कागजनगर में चुनाव प्रचार के दौरान जब बसपा और बीआरएस दोनों के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए तो थोड़ी देर के लिए तनाव व्याप्त हो गया। शाम करीब छह बजे बसपा के कार्यकर्ता कस्बे के विजयबस्ती में घर-घर जाकर प्रचार कर रहे थे। उसी समय मोहल्ले की समान गली में बीआरएस का एक प्रचार वाहन घूम रहा था. इस पर बसपा कार्यकर्ताओं ने आपत्ति जताई तो तीखी नोकझोंक हो गई।

इसके बाद बसपा के प्रदेश अध्यक्ष आरएस प्रवीण कुमार ने बीआरएस के कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कागजनगर पुलिस स्टेशन के सामने धरना दिया। बसपा के सैयद फहीम ने पुलिस में याचिका दर्ज कराई. अलीम, बीआरएस नामित कोनेरू कोनप्पा, फहीम, ललित, असुमन और कोनेरू वासु सहित छह लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था। इसी तरह बीआरएस के अलीम ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। प्रवीण कुमार और 15 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

पूर्व तट रेलवे

कॉन्ट्रैक्ट मेडिकल प्रैक्टिशनर (CMP) की नियुक्ति हेतु वॉक-इन इंटरव्यू

रोजगार सूचना सं.: 03/2023-CMP, दिनांक: 07.11.2023

पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल में इच्छुक, योग्य डॉक्टरों से पूर्णकालिक अनुबंध के आधार पर रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर प्रदान की गई योजना के अनुसार या जब तक कि नियमित IRMS (अब IRHS) डॉक्टर, जो भी पहले हो, द्वारा पद भरे नहीं जाते है, कॉन्ट्रैक्ट मेडिकल प्रैक्टिशनर (CMP) की नियुक्ति का निर्णय लिया गया है । निम्नवर्णित शर्तों के अनुसार इच्छुक डॉक्टर की उपयुक्तता को आंकने के लिए एक वॉक-इन-इंटरव्यू आयोजित किया जायेगा, जिसकी तिथि/समय/स्थान निम्न है ।

रिक्तियों की कुल संख्या: -04 (नौपाड़ा, कोरापुट, श्रीकाकुलम हेल्थ यूनिट एवं मण्डल रेलवे अस्पताल, वाल्टियर प्रत्येक में एक संख्यक) । रिक्तियां: अनारक्षित-02, अन्य पिछड़ा वर्ग-01 और अनुसूचित जाति-01 के रुप में भरी जायेगी ।

वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए स्थान, तिथि एवं समय:

वॉक-इन-इंटरव्यू का स्थान	"वॉक-इन-इंटरव्यू" की तिथि एवं समय
मण्डल रेलवे अस्पताल, वाल्टियर	दिनांक: 06.12.2023 (बुधवार) को 1130 बजे से

शैक्षणिक योग्यता/उपयुक्तता, आयु, पारिश्रमिक, आवेदन प्रारुप और अन्य नियम एवं शर्तों के लिए कृपया हमारी वेबसाइट: www.eastcoastrail.indianrailwayas.gov.in (About us>Divisions>Waltair Division>Recruitment) का अवलोकन करें ।

PR-763/O/23-24 वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, वाल्टियर

चलो बुलावा आया है.. गौ माता ने बुलाया है..

गौमाता की महाआरती

Blessings of Sri Tridandi Srinivasa Jiyar Swamy & Swamy Kamlesh Maharaj

आज मंगलवार दि. 14 नवंबर 2023 सायं 5.30 बजे

स्थान : भाग्यनगर गौशाला, लोअर टैंकबंड, हैदराबाद

बुधवार दि. 15 नवम्बर 2023 सायं 5.30 बजे

श्री जगन्नाथ स्वामी मठ गौशाला, सीतारामबाग, मंगलहाट एवं सायं 7.00 बजे इमलीबन गौशाला, एम.जी.बी.एस. गौलीगुडा

गुरूवार दि. 16 नवम्बर 2023, सायं 5.30 बजे

स्थान : समर्थ कामधेनु गौशाला, जियागुडा, हैदराबाद

सभी से निवेदन है कि गौमाता को राष्ट्र माता बनाने एवं गौवंश की रक्षा के लिए आयोजित इस संकल्प मे जरूर जरूर पधारकर पुण्य अर्जित करे।

LOVE FOR COW FOUNDATION

Jasmat Patel 9848865900 | Ranjana Shah 9885359009 | Virendra Agarwal 9391029961 | Tarun Mehta 9347612051 | Dhanji Patel 9885575060 | Ajay Ojha 9393794074

Ridesh Jagirdar 9849988999 | Shashikala Kothari 9676979720 | Jaswant Surani 9849003582 | Mukesh Chouhan 9030808416 | Ravi Kumar Jain 9866704895 | Rakesh Sharma 9290740048

For details call: Program Convenor Viju Sharma 9885420466 Meghna Jain 8247392972

Wish you all a Happy & Prosperous New Year - Jai Gau Mata

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.